नई दिल्ली
मंगलवार, 23 जनवरी 2024
पौस मास शुक्ल पक्ष- 13
वर्ष : 27, अंक : 289
पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00

मौसम
अधि. 19
न्यून. 10

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुभाषचंद्र बोस जयंती
आज

haribhoomi.com

DHIRSONS
JEWELLERS PVT LTD
DHIRAJ DHIR GROUP
LAJPAT NAGAR-II: D-22, Central Market
New Delhi - 110024, Ph: 47284728

84 सेकंड में जी उठीं कई सदियां

एजेंसी ▸▸ अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में सोमवार को श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। पीएम मोदी 84 सेकंड के 'अभिजीत मुहूर्त' के दौरान हुई 'प्राण प्रतिष्ठा' के साथ मंदिर में कई अनुष्ठान किए। अनुष्ठान खत्म होने के बाद पीएम मोदी ने भगवान राम के बाल स्वरूप वाली मूर्ति को साष्टांग प्रणाम किया। इधर, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में मंदिरों को फूलों और लाइट से सजाया गया। अलग-अलग जगहों पर लाखों दीये जलाए गए।

- देशभर में दिवाली गांव से शहर में रामनाम की रही धूम
- आज से रामलला के दर्शन कर सकेंगे श्रद्धालु
- पीएम ने मंदिर निर्माण में लगे श्रमिकों से की बात, बरसाए फूल

रामंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अलौकिक पल के साक्षी देश-विदेश में लाखों रामभक्त बने। इस अवसर पर विशेष अनुष्ठान में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे अलौकिक क्षण बताते हुए 'सियावर रामचंद्र की जय' और 'जय श्री राम' का उद्घोष किया। प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सेना के हेलीकॉप्टरों ने नवनिर्मित रामजन्मभूमि मंदिर पर पुष्प वर्षा की। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश की इस मंदिर नगरी में उत्सव शुरू हो ▸▸शेष पेज 5 पर

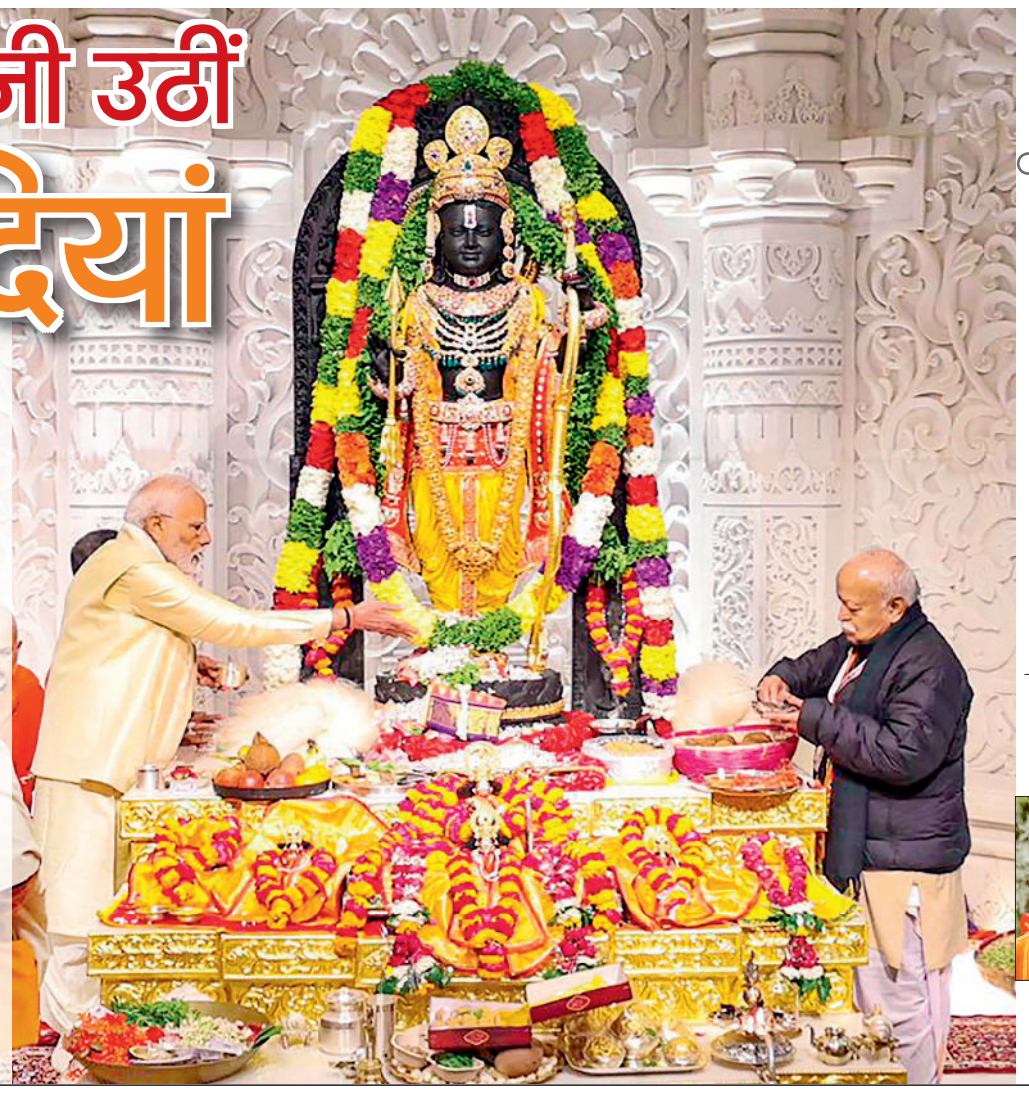

यह कलेंडर पर लिखी तारीख नहीं, नए कालचक्र का उद्गम है

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने 8000 से अधिक अतिथि, रामभक्त

राम आग नहीं, ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं, राम समाधान हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं, सबके हैं। राम वर्तमान नहीं, अनंत काल हैं। ये मंदिर महज देव मंदिर नहीं, भारत की दृष्टि-दर्शन का मंदिर है। राम भारत का विचार-विधान है। राम भारत का चिंतन, चेतना, प्रवाह, प्रभाव, नेति, निरंतरता है। राम विश्व हैं, विश्वात्मा हैं। इसलिए जब राम की स्थापना होती है तो उसका प्रभाव हजारों वर्षों के लिए होता है।

- नरेंद्र मोदी,प्रधानमंत्री

- मुंबई के सायन कोलीवाड़ा इलाके में 10,000 वर्ग फीट में भगवान राम की विशाल रंगोली बनाई गई

देशभर में रामोत्सव

आज इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत का हर ग्राम, हर नगर अयोध्या धाम है। हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगी हैं। हर जुबान राम नाम जप रही है। रोम-रोम में राम रमे हैं। यह 'राम राज्य' की शुरुआत है। ऐसा लगता है कि हम त्रेता युग में प्रवेश कर गए हैं।

योगी आदित्यनाथ,सीएम उप्र

पीएम मोदी ने कहा

त्याग, तपस्या के बाद आए हैं राम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अवसर केवल जीत का नहीं बल्कि विनम्रता का है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर समृद्ध और विकसित भारत के उदय का गवाह बनेगा। उन्होंने कहा कि लंबी प्रतीक्षा, त्याग, तपस्या और सदियों के बलिदान के बाद हमारे राम आज आए हैं। पीएम मोदी ने अपने 36 मिनट के भाषण में कहा, हमें आज से, इस पवित्र समय से अगले 1,000 साल के भारत की नींव रखनी है। मंदिर निर्माण से आगे बढ़कर हम सभी देशवासी इस पल से समर्थ, सक्षम, भव्य, दिव्य भारत के निर्माण की सौगंध लेते हैं। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी 2024 का यह सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है और यह कैलेंडर पर लिखी एक ▸▸शेष पेज 5 पर

भागवत बोले

एकजुट रहें, क्योंकि राम राज्य आ रहा है

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद कहा कि राम राज्य आ रहा है। देश में सभी को मतभेद त्याग कर एकजुट रहना चाहिए। भागवत ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अकेले ही तप किया है और अब हम सभी को यह करना है। भागवत ने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ साथ भारत का ▸▸शेष पेज 5 पर

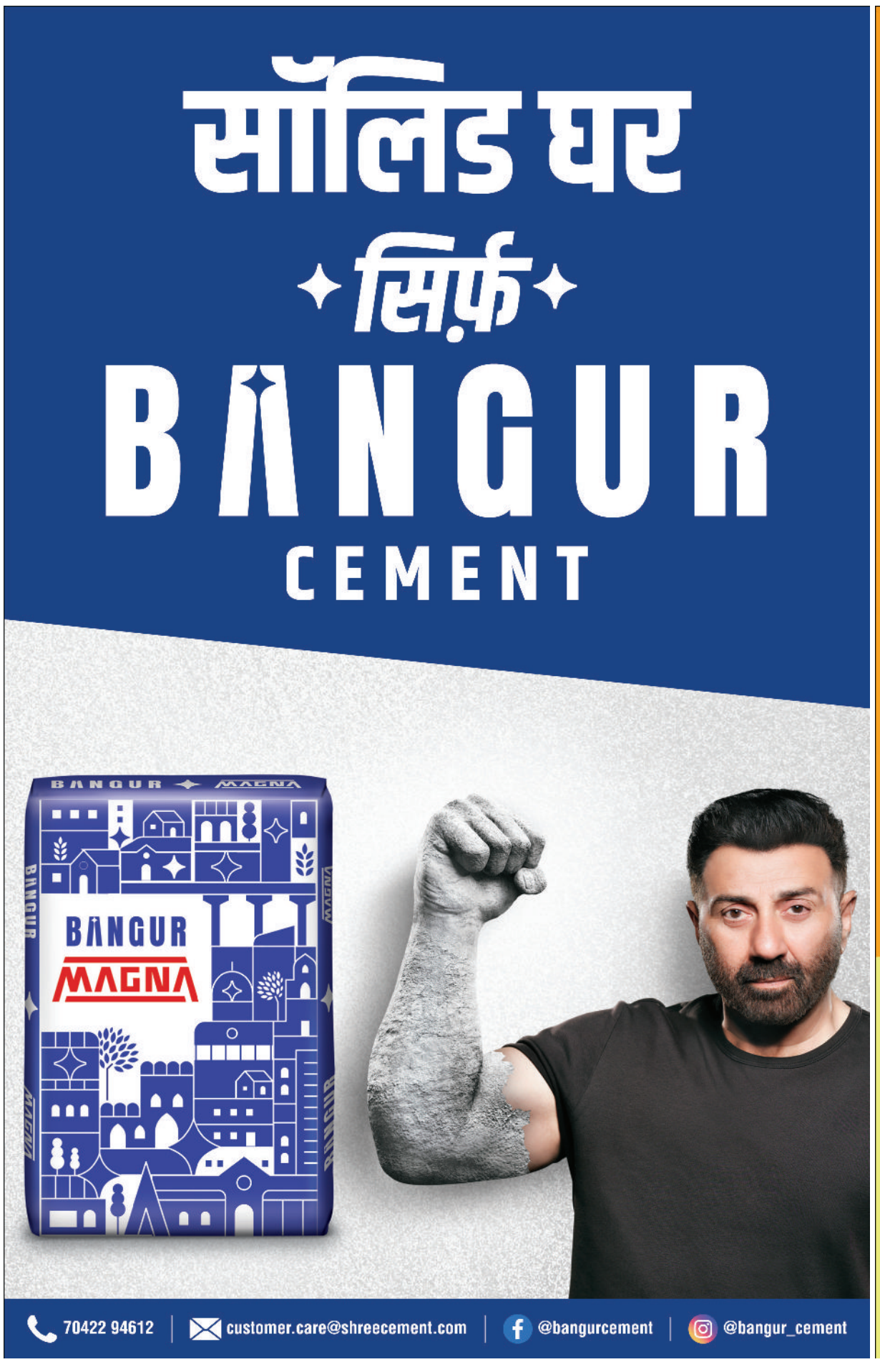

परेड रिहर्सल: आज यातायात प्रभावित होने की संभावना, परामर्श जारी

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने गणतंत्र दिवस परेड के लिए 'फुल ड्रेस रिहर्सल' के दौरान मंगलवार को मध्य दिल्ली में वाहनों का यातायात प्रभावित होने की आशंका जतायी है। पुलिस ने साथ ही एक परामर्श जारी कर लोगों से इसके अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाने का आग्रह किया। 'फुल ड्रेस रिहर्सल' का रूट वही होगा जो गणतंत्र दिवस की परेड का होता है।

रिहर्सल पूर्वाह्न 10.30 बजे विजय चौक से शुरू होगी और कर्तव्य पथ, सी-हेक्सागन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौराहे, तिलक मार्ग, बहादुर शाह जफर मार्ग और नेताजी सुभाष मार्ग से होते हुए लाल किले पर समाप्त होगी। परेड के सुचारू संचालन के लिए, सोमवार शाम छह बजे से मंगलवार

को रिहर्सल के अंत तक विजय चौक से इंडिया गेट तक कर्तव्य पथ पर यातायात की अनुमति नहीं दी जाएगी। सोमवार रात 11 बजे से परेड खत्म होने तक कर्तव्य पथ पर रफी मार्ग, जनपथ और मान सिंह रोड पर यातायात को मुड़ने की अनुमति नहीं होगी। परामर्श में कहा गया है कि सी-हेक्सागन-इंडिया गेट मंगलवार सुबह 9.15 बजे से परेड के तिलक मार्ग पार करने तक यातायात के लिए बंद रहेगा। मंगलवार पूर्वाह्न 10.30 बजे से तिलक मार्ग, बहादुर शाह जफर मार्ग और नेताजी सुभाष मार्ग पर दोनों दिशाओं में यातायात की अनुमति नहीं होगी। परामर्श के अनुसार, यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं और सुबह 9.30 बजे से दोपहर एक बजे तक परेड मार्ग से बचें। ड्रेस रिहर्सल के दौरान सभी स्टेशन से मेट्रो सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। हालांकि, केंद्रीय सचिवालय और उद्योग भवन स्टेशन से सुबह 5 बजे से दोपहर 12 बजे तक सवार होने और उतरने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि उत्तरी दिल्ली से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन या पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन तक यातायात की आवाजाही पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, लेकिन परामर्श में लोगों से संभावित देरी से बचने के लिए अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाने को कहा गया है। पार्क स्ट्रीट/उद्यान मार्ग, आराम बाग रोड (पहाड़गंज), कमला मार्केट चौराहा, दिल्ली सचिवालय (आईजी स्टेडियम), प्रगति मैदान (भैरों रोड), हनुमान मंदिर (यमुना बाजार), मोरी गेट, आईएसबीटी-कश्मीरी गेट, आईएसबीटी-सराय काले खां और तीस हजारी कोर्ट पर सिटी बसों की आवाजाही सीमित की जाएगी। परामर्श में कहा गया है कि गाजियाबाद से शिवाजी स्टेडियम जाने वाली बसों का सफर राष्ट्रीय राजमार्ग-24, रिंग रोड से होकर भैरों रोड पर खत्म होगा।

दिल्ली की मतदाता सूची में जोड़े गए 67,930 युवा वोटर : सीईओ

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

- लिंग अनुपात 838 से बढ़कर 843 हो गया

दिल्ली में चुनावी प्रक्रिया के लिए विशेष सारांश पुनरीक्षण के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए 18-19 आयु वर्ग के युवा मतदाताओं के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया गया। चुनावी प्रक्रिया को मजबूत करने के अपने प्रयासों को तेज करते हुए, दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), पी कृष्णमूर्ति ने सोमवार को उक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस विशेष सारांश पुनरीक्षण के दौरान दिल्ली की मतदाता सूची में कुल 67,930 युवा मतदाता जोड़े गए, जिसका मतलब है कि इस विशेष सारांश पुनरीक्षण के दौरान जोड़े गए कुल 2,54,470 नामों में से 26.7 प्रतिशत युवा मतदाता हैं। 18-19 आयु वर्ग के युवा मतदाताओं का नामांकन पिछले वर्ष की अंतिम सूची की तुलना में 9.69 प्रतिशत और केवल विशेष सारांश पुनरीक्षण-2024 के दौरान 85.8 प्रतिशत बढ़ गया है। सीईओ पी कृष्णमूर्ति ने बताया कि अर्हता तिथि 1 जनवरी 2024 के संदर्भ में मतदाता सूची का विशेष सारांश पुनरीक्षण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में पूरा हो चुका है और अंतिम मतदाता सूची सोमवार को प्रकाशित हो गई है। 27 अक्टूबर 2023 को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची के साथ शुरू हुए, विशेष सारांश संशोधन - 2024 का प्राथमिक उद्देश्य एक परिष्कृत, त्रुटि मुक्त और प्रामाणिक मतदाता सूची प्राप्त करना था। सीईओ ने बताया कि विशेष सारांश पुनरीक्षण 2024 के दौरान, 9335 संभावित मतदाताओं ने एनसीटी दिल्ली की मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए आवेदन किया है। साथ ही उन्होंने बताया कि भावी निर्वाचक, जो वर्ष 2024 में आगामी योग्यता तिथियों अर्थात 1 अप्रैल, 2024, 1 जुलाई 2024 या 1 अक्टूबर, 2024 के संबंध में 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने जा रहे हैं, ने भी आवेदन किया है जिस पर संबंधित अर्हता तिथि के संदर्भ में मतदाता सूची में उनके नाम शामिल करने के लिए वर्ष की संबंधित तिमाही में विचार और निर्णय लिया जाएगा।

दिल्ली में करीब 1 करोड़ 47 लाख 18 हजार मतदाता

विशेष सारांश संशोधन - 2024 के अनुसार, सोमवार को जारी अंतिम मतदाता सूची में मतदाताओं की कुल संख्या 1 करोड़ 47 लाख 18 हजार 119 है, जिसमें 79 लाख 86 हजार 572 पुरुष, 67 लाख 30 हजार 371 महिला और 1 हजार 176 थर्ड जेंडर के मतदाता शामिल हैं। सीईओ ने बताया कि इस एसएसआर के दौरान किए गए प्रयासों से, मतदाताओं का लिंग अनुपात 5 अंकों के सुधार के साथ 838 से 843 हो गया है, जो महिलाओं के चुनावी समावेशन को तेज करने की दिशा में प्रयासों में महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाता है। मतदाताओं की विभिन्न श्रेणियों और पिछले वर्ष की तुलना में संख्या में परिवर्तन को दर्शाने वाला एक तुलनात्मक चार्ट नीचे दिया गया है।

गैरकानूनी गतिविधियों में भाग नहीं लें कर्मचारी: शिक्षा विभाग

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के रोहिणी जोन के शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी किया है जिसमें विभाग ने जानकारी दी है कि कुछ ऐसे संगठन हैं जो एमसीडी द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं हैं और शिकायतों के निवारण के वैध तरीके का पालन करने के बजाय सोशल मीडिया और संचार के अन्य माध्यमों के माध्यम से शिक्षा विभाग की छवि को खराब करने की अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं। इसे देखते हुए यह विभाग ने सूचित करने का निर्देश दिया है कि सभी कर्मचारी/शिक्षक ऐसे गैर-मान्यता प्राप्त संघों से अलग हो सकते हैं और इन संघों द्वारा आयोजित किसी भी गतिविधि में भाग नहीं लेंगे। यदि कोई शिक्षक, कर्मचारी किसी भी प्रकार की शिक्षा विभाग विरोधी गतिविधि में शामिल पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जा सकती है। आदेश में यह भी कहा गया है कि सभी विद्यालय प्रमुख अपने शिक्षकों कर्मियों को यह जानकारी जारी करें।

- गतिविधि में शामिल होने पर की जाएगी

ठंड और घने कोहरे को लेकर मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

कड़ाके की सर्दी से नहीं मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली वालों को कड़ाके की ठंड और कोहरे के डबल अटैक से सोमवार को भी राहत नहीं मिली। सुबह के समय कड़ाके की ठंड और कोहरे ने परेशान किया।

मौसम विभाग के अनुसार न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से एक डिग्री नीचे है। जबकि अधिकतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 3 डिग्री कम है। हालांकि दिन दोपहर आते आते आसमान पर चमकदार सूरज निकला जिसने कड़ाके की ठंड से राहत देने में कोई कमी नहीं छोड़ी। लेकिन मंगलवार को फिर कड़ाके की ठंड और घने कोहरे को लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार 25 जनवरी से दिल्ली एनसीआर को कुछ राहत मिल सकती है। क्योंकि पहाड़ों पर जल्द ही बारिश होने वाली है। मौसम विभाग के अनुसार कई वर्ष बाद दिल्ली में जनवरी का महीना सुखा रहा है। जबकि अधिकांश समय जनवरी के महीने में 5-6 से ज्यादा बारिश के दोर देखने को मिलते रहे है।

लेकिन इस बार जनवरी की विदाई होने वाली है बावजूद अभी तक बारिश का एक भी दौर देखने को नहीं मिला है। आने वाले दिनों में संभावना भी नहीं दिखाई दे रही। कोहरे के चलते कई उड़ाने व रेल यात्राएं प्रभावित हो रही है। सड़क परिवहन पर भी कोहरे का असर साफ देखा जा सकता है।

बिजली की मांग पहुंची 5800 मेगावाट के पार

नई दिल्ली। दिल्ली में बिजली की मांग ने एक बार फिर नया रिकॉर्ड बनाया है। सोमवार को दिल्ली वालों ने 5800 मेगावाट से ज्यादा उच्चतम बिजली खपत की। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर दिल्ली (एसएलडीसी) पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार सुबह 10.52 बजे दिल्ली में बिजली की मांग उच्चतम मांग 5816 मेगावॉट पहुंच गई। जबकि सर्दियों के मौसम में दिल्ली में यह अब तक की बिजली की सर्वाधिक मांग है। इस बारे में बीएसईएस के प्रवक्ता सी पी कामत ने बताया कि बिजली की सर्वाधिक मांग के बावजूद उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति की गई। कामत के अनुसार बीएसईएस की आपूर्ति इकाई बीआरपील क्षेत्र में बिजली की मांग 2526 मेगावाट रही, जबकि बीवाईपीएल क्षेत्र में बिजली की मांग 1209 मेगावॉट दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि इससे पहले, सर्दियों में बिजली की मांग का पिछला रिकॉर्ड तीन दिन पहले यानी 19 जनवरी 2024 को बना था, जब मांग 5798 मेगावॉट पहुंची थी। जबकि इससे पहले 17 मार्च को भी पीक डिमांड 5726 मेगावॉट दर्ज हुई, वहीं 12 जनवरी को बिजली की मांग ने रेकॉर्ड 5701 मेगावॉट के आंकड़े को छुआ था। कामत ने बताया कि अगर 2 जनवरी 2024 का दिन छोड़ दें, तो इस साल अब तक बिजली की मांग लगातार 5000 मेगावॉट से ऊपर ही रही है। इसमें 1 जनवरी को दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड 5134 मेगावॉट थी, 2 जनवरी को 4910 मेगावाट, 3 जनवरी को 5257 मेगावाट, 4 जनवरी को 5241 मेगावॉट और 5 जनवरी को यह 5559 मेगावॉट पहुंच गई। 6 जनवरी को यहां बिजली की पीक डिमांड 5137 मेगावॉट थी, 7 जनवरी को 5106 मेगावाट, 8 जनवरी को 5337 मेगावाट, 9 जनवरी को 5435 मेगावॉट और 10 जनवरी को यहां बिजली की मांग 5611 मेगावॉट दर्ज की गई। 11 जनवरी को शहर में बिजली की मांग 5422 मेगावॉट रही, जबकि 12 जनवरी को 5701 मेगावाट, 13 जनवरी को 5335 मेगावाट, 14 जनवरी को 5463 मेगावॉट, 15 जनवरी को 5478 मेगावाट, 16 जनवरी को 5434 मेगावाट, 17 जनवरी को 5726 मेगावॉट और 18 जनवरी को यह 5463 मेगावॉट रही। 19 जनवरी को बिजली की मांग 5798 मेगावॉट, 20 जनवरी को 5492 मेगावाट, 21 जनवरी को 5522 मेगावाट और 22 जनवरी को 5816 मेगावॉट रही। कामत ने बताया कि दिल्ली में पिछले वर्षों के दौरान सर्दियों की पीक पावर डिमांड की बात करें, तो 2018-19 में यह 4457 मेगावाट थी, 2019-20 में 5343 मेगावाट, 2020-21 में 5021 मेगावॉट, 2021-22 में 5104 मेगावाट और 2022-23 में यह 5526 मेगावॉट रही। वहीं दूसरी तरफ निजी आपूर्ति बिजली कंपनी टाटा पावर डीडीएल का भी कहना है कि सर्वोच्च मांग के बावजूद बिजली आपूर्ति निर्बाध जारी रही।

गुमशुदा/अपहृत की तलाश

पूजा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़की (फोटो में दर्शायी गई) जिसका नाम **पूजा पुत्री स्व. दिनेश शेन निवासी म. नं. 446, मदनपुर खादर, सरिता विहार, नई दिल्ली** जो अपने घर से दिनांक **01.01.2024** को शाम करीब 3:00 बजे से लापता/अपहृत है। इस संदर्भ में एक एफआईआर नं. **02/2024 अन्तर्गत धारा 363 आईपीसी दिनांक 02.01.2024 को थाना सरिता विहार, दिल्ली** में रिपोर्ट दर्ज है। स्थानीय पुलिस ने इस लड़की का पता लगाने के लिए गंभीर प्रयास किए लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है।

जिसका हुलिया नीचे दिया गया है:–

लिंग: महिला, **आयु:** 17 वर्ष, **कद:** 5' 2" फीट, **रंग:** गोरा, **चेहरा:** लम्बा, **शरीर:** दरमियाना, **पहनावा:** ब्राउन रंग की जैकेट व हरे रंग की सलवार और पैरों में काले रंग की हवाई चप्पल पहने हुए है।

अगर किसी को इस गुमशुदा/अपहृत लड़की के बारे में कोई जानकारी मिले तो निम्नलिखित पते पर सूचित करें:–

थाना प्रभारी
थाना: सरिता विहार, दिल्ली
फोन: 011–26825553, 26825554
मोबाइल: 8750870921
DP/433/SE/2024

वेबसाइट: http://cbi.nic.in
ई–मेल: cic@cbi.gov.in
टेली. न.: 011-24368638/24368641
फैक्स नं.: 011-24368639

राजधानी के शैक्षणिक संस्थान भी राम भक्ति में डूबे

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर राम-मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर दीप प्रज्वलन, भजन, हनुमान चालीसा पाठ, भंडारा आदि का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में डीयू, जेएनयू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों सहित बड़ी संख्या में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र भी शामिल हुए। सोमवार सुबह से ही दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के अलग-अलग स्थानों पर राम-मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उल्लास की अद्भुत छटा बिखरी हुई थी। डीयू के छात्रा मार्ग पर डीयू मेट्रो स्टेशन से लेकर हंसराज कॉलेज तक रंगीन गुब्बारों से डीयू को सजाया गया था। आर्ट्स फैकल्टी पर एलईडी स्क्रीन के माध्यम से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के छात्र गवाह बने। डीयू में एबीवीपी नीत डूसू ने पूरे डीयू

में बड़ी संख्या में दीयों का प्रज्वलन किया। दीप प्रज्वलन के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी भागीदार बने। पूरा दिन दिल्ली के शैक्षणिक परिसर राममय वातावरण से भरपूर दिखे जहां विद्यार्थी उल्लासमय नजर आए। कार्यक्रम में एबीवीपी की राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खरवाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री प्रफुल्ल आकांत, दिल्ली प्रदेश मंत्री हर्ष अत्री, डूसू के अध्यक्ष तुषार डेढ़ा, डूसू सचिव अपराजिता तथा डूसू सह-सचिव सचिन बैसला आदि शामिल हुए।

100 करोड़ सनातनियों की सबसे बड़ी जीत

प्रभु श्री राम के मन्दिर को बनाना देश के 100 करोड़ सनातनियों की सबसे बड़ी जीत है। भाजपा के मीडिया पैनलिस्ट डॉ. अवधेश उपाध्याय ने अयोध्या में श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उक्त संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि आज प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा से साबित हो गया है कि भारत हिन्दू राष्ट्र था, है और आगे भी रहेगा और साथ ही देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सदियों बाद देश का सोया हुआ हिन्दू जगा है और हिन्दू संस्कृति को विश्व पटल पर एक नहीं पहचान मिली है। कार्यक्रम में एक बड़ी स्क्रीन पर प्रसारण सभी रामभक्तों ने मिलकर देखा और कार्यक्रम के अंत में विशाल भंडारा किया गया।

आईपी यूनिवर्सिटी में निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

नई दिल्ली। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आईपी यूनिवर्सिटी के द्वारका कैम्पस में भगवान राम की भव्य शोभा यात्रा अत्यंत धूम- धाम से निकाली गई। पूरे कैम्पस के अंदर निकाली गई इस ढाई किलोमीटर लंबी शोभायात्रा की अगुआई यूनिवर्सिटी के कुलपति पद्मश्री प्रो. डॉक्टर महेश वर्मा एवं कुलसचिव सुनीता शिवा ने किया। भारी संख्या में यूनिवर्सिटी के स्टाफ एवं छात्र इस शोभा यात्रा में शामिल हुए। कुलपति ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण राष्ट्रीय गौरव के पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह अत्यंत गर्व की बात है कि हम सब इस शुभ घटना के साक्षी हैं। इस अवसर यूनिवर्सिटी कैम्पस में पूजा- अर्चना की गई। अयोध्या में चल रहे प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखने के लिए कैम्पस में विशाल स्क्रीन लगाया गया था। इस अवसर पर स्थानीय अस्पताल एवं दंत अस्पताल के सहयोग से निःशुल्क सामान्य जांच शिविर एवं निःशुल्क दंत जांच शिविर भी लगाए गए।

हाईकोर्ट ने दिया राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के प्रसाद की पेशकश करने वाली वेबसाइट बंद करने का निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 'जनता की धार्मिक आस्था का फायदा उठाकर' और खुद को अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का प्रसाद वितरित करने के आधिकारिक मंच के रूप में प्रचारित करके धोखा देने वाली एक वेबसाइट के संचालन को निलंबित करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने वेबसाइट के खिलाफ खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा दायर मुकदमे की सुनवाई करते हुए पाया कि प्रतिवादी मंच 'खादी ऑर्गेनिक' के नाम से काम कर रहा था, जो भ्रामक रूप से वादी के नाम के समान था। अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए भ्रामक सोशल मीडिया पोस्ट को हटाने का निर्देश भी दिया। अदालत ने इस महीने की शुरुआत में पारित एक अंतरिम आदेश में कहा, "ऐसा प्रतीत होता है कि प्रतिवादी संख्या-1 और 2 (वेबसाइट का मालिक और कंपनी) वादी की साख के जरिये जनता की धार्मिक मान्यताओं और आस्था का दोहन करके और धोखा देकर उन्हें प्रतिवादी संख्या-1 और 2 को धन हस्तांतरित करने के लिए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पर एकाधिकार स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग

बेज नं. 67–70, सेक्टर–2, पंचकूला–134151
(वेबसाइट : www.hssc.gov.in)

परीक्षा सूचना

विज्ञा. सं. 3/2023 के तहत ग्रुप सं. 20, 44 और 50 के तहत सभी श्रेणियों के लिए सीईटी ग्रुप-सी पदों (द्वितीय फेज) की लिखित परीक्षा (ओएमआर आधारित) हेतु उम्मीदवारों को सूचना

सभी सम्बन्धितों की जानकारी हेतु यह अधिसूचित किया जाता है कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग विज्ञा. सं. 3/2023 के तहत ग्रुप सं. 20, 44 और 50 के तहत सभी श्रेणियों के लिए सीईटी ग्रुप-सी पदों (द्वितीय फेज) की लिखित परीक्षा (ओएमआर आधारित) का आयोजन 28.01.2024 (रविवार) को निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुरूप करेगा :–

कार्यक्रम

क्र. सं.	ग्रुप सं.	विज्ञा. सं.	परीक्षा की तिथि व समय	परीक्षा का स्थान
1.	ग्रुप 20 : सहायक प्रबंधक (प्रोक्योरमेंट, प्रोडक्शन, एमआईएस, बैक्टरियोलॉजिस्ट और क्वालिटी कंट्रोल) तथा एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट (प्रोक्योरमेंट एंड प्रोडक्शन)	3/2023	28.01.2024 (प्रातःकालीन सत्र) पूर्वा. 10:15 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक उपस्थिति समय पूर्वा. 08:30 बजे (पूर्वा. 09:30 बजे के बाद प्रवेश नहीं)	प्रवेश-पत्र के अनुरूप
2.	ग्रुप 44 : रेडियोग्राफर, अल्ट्रासाउंड टेक्नीशियन और एल्स-रे टेक्नीशियन ग्रुप 50 : इंडियन कुक		28.01.2024 (सायंकालीन सत्र) अप. 03:15 बजे से अप. 05:00 बजे तक उपस्थिति समय अप. 01:30 बजे (अप. 02:30 बजे के बाद प्रवेश नहीं)	

2. **चयन मानदंड और अन्य महत्वपूर्ण निर्देश**

उपरोक्त पदों हेतु चयन मानदंड पहले ही विज्ञा. सं. 03/2023 दिनांक 07 मार्च 2023 में वर्णित किए गए हैं।

उम्मीदवारों की लिखित परीक्षा हेतु प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट अर्थात www.hssc.gov.in पर 23.01.2024 से अपलोड किए जाएंगे। सभी शार्टलिस्टेड उम्मीदवारों (ग्रुपवार सूची आयोग की वेबसाइट अर्थात www.hssc.gov.in पर जल्द अधिसूचित की जाएगी) जो ऊपर वर्णित ग्रुपों में परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं वे अपने प्रवेश-पत्र 23.01.2024 से डाउनलोड कर सकते हैं। **उम्मीदवारों को प्रवेश-पत्र पर दिये गये निर्देशों को और नीचे वर्णित महत्वपूर्ण निर्देशों को परीक्षा में आने से पूर्व ध्यानपूर्वक पढ़ना और उनका सख्ती से अनुपालन अवश्य करना चाहिए।**

टिप्पणियां :–

1. **उम्मीदवारों हेतु लिखित परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण निर्देश आयोग की वेबसाइट अर्थात www.hssc.gov.in पर उपलब्ध हैं जिन्हें उम्मीदवारों द्वारा परीक्षा में आने से पूर्व ध्यानपूर्वक पूरा पढ़ा जाना चाहिए।**
2. **यदि किसी उम्मीदवार ने इन ग्रुपों के तहत आवेदन किया है किन्तु वे अपना अनुक्रमांक आयोग द्वारा अपलोडेड नहीं पाता/पाती है तो उम्मीदवार आयोग कार्यालय में सभी सम्बद्ध दस्तावेजों सहित 25.01.2024 को अप. 2.00 बजे तक उपस्थित हो सकता/सकती है।**

आयोग द्वारा डाक के माध्यम से उम्मीदवारों को अलग से कोई सूचना नहीं भेजी जाएंगी।

स्थान : पंचकूला — **हस्ता/- सचिव**
दिनांक : 18 जनवरी 2024 — **हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग, पंचकूला**

संवाद विज्ञा. सं.-1159/13/608/2024/24376/88/7 दि. 22.01.24

लड़कियों और महिलाओं को अवैध रूप से बंधक बनाकर रखने का मामला

फरार आध्यात्मिक उपदेशक वीरेंद्र देव के आश्रम का निरीक्षण करें: हाईकोर्ट

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

दिल्ली ने फरार स्वयंभू आध्यात्मिक उपदेशक वीरेंद्र देव दीक्षित द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में संचालित एक आश्रम के निरीक्षण का सोमवार को आदेश दिया, जहां कई लड़कियों और महिलाओं को कथित तौर पर अवैध रूप से बंधक बनाकर रखा गया है। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता वाली पीठ एक महिला की मां की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में महिला ने कहा है कि उनकी बेटी 'आध्यात्मिक विश्व विद्यालय' आश्रम में कुछ लोगों के प्रभाव में रह रही है। अदालत ने टिप्पणी की कि दीक्षित के खिलाफ बलात्कार के गंभीर आरोप हैं। साथ ही अदालत ने सरकार को मामले में एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के वकील ने कहा कि बलात्कार के आरोप में दीक्षित के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और उसे पकड़ने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। पीठ में न्यायमूर्ति मनोज जैन भी शामिल हैं। पीठ ने आदेश में कहा कि आध्यात्मिक विश्व विद्यालय में प्रतिवादी संख्या 6 (बेटी) सहित केवल पांच लड़कियां हैं। प्रभारी के खिलाफ गंभीर अपराध के तहत एक प्राथमिकी दर्ज है, इसलिए हम

सरकार को संबंधित एसडीएम और डीसीपी के साथ उक्त आश्रम का निरीक्षण करने का निर्देश देते हैं। ताजा स्थिति रिपोर्ट दाखिल की जाए।

24 जनवरी को सुनवाई

याचिकाकर्ता महिला की बेटी को अदालत में पेश किया गया। अदालत में लड़की ने बताया कि वह 18 साल की वयस्क है और अपनी मर्जी से आश्रम में रह रही है। अदालत ने मामले को सुनवाई के लिए 24 जनवरी को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया और याचिकाकर्ता की बेटी से इस अवधि में आश्रम नहीं छोड़ने को कहा। अदालत ने लड़की को अगली सुनवाई के दौरान पेश करने का भी निर्देश दिया। वर्तमान मामले के अलावा, दीक्षित के आश्रम से जुड़े दो अन्य मामले भी हाईकोर्ट में लंबित हैं। इनमें एक वृद्ध दंपत्ति की याचिका भी शामिल है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उनकी 'उच्च शिक्षित बेटी' को गुमराह करके वहां रहने के लिए बुलाया गया था और अब वह 'अतिवादी विचारों' से ग्रस्त है। गैर सरकारी संगठन 'फाउंडेशन फॉर सोशल एम्पॉवरमेंट' ने भी 2017 में एक याचिका दायर की थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि दीक्षित के रोहिणी स्थित 'आध्यात्मिक विश्वविद्यालय' में कई नाबालिग लड़कियों और महिलाओं को अवैध रूप से बंधक बनाकर रखा गया है और उन्हें अपने माता-पिता से मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। इससे पहले हाईकोर्ट ने सीबीआई को दीक्षित का पता लगाने और आश्रम में लड़कियों तथा महिलाओं को कथित तौर पर बंधक बना कर रखे जाने की जांच करने का आदेश दिया था। सीबीआई ने तब हाईकोर्ट को आश्वासन दिया था कि दीक्षित का पता लगाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं तथा उसके फार्म हाउस और आश्रमों में छापेमारी की गई है। एजेंसी के अनुसार, दीक्षित की गिरफ्तारी के लिए विशेष दल भी गठित किए गए हैं। पिछले साल 12 सितंबर को अदालत ने कहा था कि सीबीआई दीक्षित के बैंक खाते फ्रीज कर सकती है।

गहलोत की याचिका पर मंत्री शेखावत को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने आपराधिक मानहानि मामले में समन के खिलाफ राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अपील पर सोमवार को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने शेखावत को दो सप्ताह के भीतर याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा और अपील को छह मार्च को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत को भी यह निर्देश दिया कि वह अपने यहां लंबित मामले को उच्च न्यायालय में तय तिथि से बाद की तारीख के लिए स्थगित कर दे। गहलोत ने पिछले साल सत्र अदालत के आदेश को चुनौती दी है, जिसने शेखावत द्वारा दायर शिकायत पर समन के खिलाफ उनकी अपील खारिज कर दी थी। सत्र अदालत ने कहा था कि अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा जारी किए गए समन में कोई तथ्यात्मक गलती या त्रुटि नहीं थी।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग)रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प नारनौल	महेन्द्रगढ़ जिले में महेन्द्रगढ़ सतनाली लोहारु रोड कि.मी. 53.48 से 85.48 (एसएच 24) (रोड आईडी 8290) रोड का आवधिक नवीनीकरण।	19.01.2024 09.02.2024	1341.98 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1282251267 pwd-eepd-narnaul@hry.nic.in
2	सीईओ, जिला परिषद पलवल	गांव बाहिन ब्लॉक हथीन, जिला पलवल में ओपन हॉल का निर्माण।	11.01.2024 26.01.2024	9.94 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8185016460 d.bhumit.offical@gmail.com
3	पंचायती राज कैथल	गांव जाजनपुर में हरिजन चौपाल का निर्माण + 4 कार्य।	19.01.2024 29.01.2024	44.03 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1746247248 prexeeng.ktl@hry.nic.in
4	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग रोहतक	कटेसरा माइनर के आरडी 0 से 30800 टेल तक का नवीकरण।	बंद होने की तिथि 31.01.2023	625.78 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9812111077 xenwsdnrtk@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in

पीआरडीएच–11/2024/80/24374/I/88/7 दि. 22.01.24

राममय हुई दिल्ली, प्राण प्रतिष्ठा का दिखा उल्लास

भाजपा नेताओं ने मंदिरों में जाकर भक्तों का किया अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं के अलावा केंद्रीय मंत्रियों, राष्ट्रीय और प्रदेश पदाधिकारियों ने अयोध्या से प्रसारित श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विभिन्न मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर श्री राम भक्तों के साथ शामिल हुए और इस दौरान उन्होंने भक्तों का अभिनंदन किया। दिल्ली भर में भाजपा की प्रदेश, जिला और मंडल इकाइयों ने अपने कार्यालयों को रोशन किया और फूलों से सजाया है और आतिशबाजी का आयोजन किया है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह को सामुदायिक रूप से देखने के लिए 2486 मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर टीवी स्क्रीन लगाईं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा सोमवार को झंडेवालान मंदिर में सामुदायिक समारोह में भक्तों के साथ शामिल हुए। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख सांसद अनिल बलूनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रत्यूष कंठ और दिल्ली भाजपा मीडिया संपर्क प्रमुख विक्रम मित्तल उपस्थित थे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली के प्रसिद्ध बिड़ला मंदिर में भक्तों और मंदिर के ट्रस्टियों के साथ प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अवलोकन किया और उससे पूर्व सुन्दरकांड पाठ किया। दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी, केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी और भाजपा के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रमुख संजय मयूख भी उपस्थित थे।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह श्रद्धालुओं के साथ दरियागंज में एक कार्यक्रम में शामिल हुए और समारोह देखा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव हौज खास में श्री जगन्नाथ मंदिर में सामूहिक समारोह में भक्तों के साथ शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने नेहरू प्लेस मार्केट में व्यापारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सामूहिक रूप से समारोह देखा। पार्षद राजपाल सिंह उपस्थित थे। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने घडोली मंदिर में और तरूण चुघ ने सनातन धर्म मंदिर, पहाड़गंज में स्थानीय भक्तों के साथ समारोह देखा। विजेन्द्र धामा एवं पार्षद मनीष चड्ढा उपस्थित थे। सांसद डॉ. हर्ष वर्धन गौरी शंकर मंदिर में और रमेश बिधूड़ी पालम में, एनडीएमसी के उपाध्यक्ष चाण्क्यापुरी राम मंदिर में भक्तों के साथ शामिल हुए और भक्तों के साथ समारोह देखा।

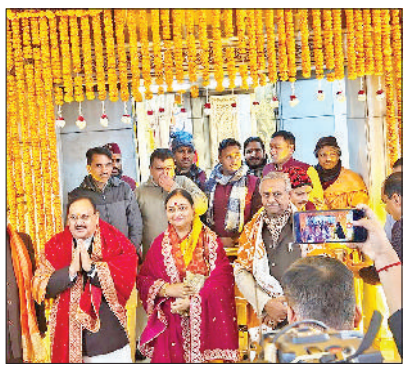

राम भक्तों के बीच 101 किलो लड्डू के प्रसाद का किया वितरण

श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पावन अवसर पर सांसद प्रवेश साहिब सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अपने निवास स्थान पर राम ध्वज फहरा कर प्रभु श्री रामलला जी की 15 फुट ऊंची प्रतिमा की पूजा अर्चना की और इस मंगल अवसर पर राम भक्तों के बीच 101 किलो लड्डू के प्रसाद का वितरण किया। यह दिन सभी भारतवासियों के लिए कभी ना भूलने वाला दिन है। सांसद प्रवेश ने कहा कि आज जब हमारे प्रभु श्री राम अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं, तब करोड़ो भारतवासियों की तरह मैं भी भावविभोर हूँ। इस भावना को शब्दों में समेट पाना संभव नहीं है।

सीएम केजरीवाल ने सुना सुंदरकांड का पाठ

नई दिल्ली। अयोध्या नगरी में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में जगह-जगह सुंदरकांड, भंडारा, शोभायात्रा, आरती समेत अन्य आयोजन किया। यह बात दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कही। उन्होंने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में आयोजित भंडारों में शामिल हुआ। सीएम केजरीवाल अपने निर्वाचन क्षेत्र नई दिल्ली में आयोजित कई कार्यक्रमों में भाग लेकर पूजा अर्चना की और दिल्लीवासियों की सुख-शांति, समृद्धि और विकास की कामना की। इस दौरान सीएम ने आरके आश्रम मार्ग स्थित अल्बर्ट स्क्वायर में रामलला की मूर्ति स्थापना भी की। जबकि 'आप' सरकार के कैबिनेट मंत्रियों के अलावा विधायकों और पार्षदों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर लोगों की सेवा की। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली समेत सभी देशवासियों को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर दिल्ली के अलग-अलग इलाक़ों में आयोजित हुए भंडारों में शामिल हुआ। अयोध्या में बहुत ज्यादा वीआईपी के आवागमन के कारण हम लोग वहां नहीं जा पाए, लेकिन हम अपने-अपने तरीके से प्रभु श्रीराम की भक्ति कर रहे हैं। सीएम केजरीवाल सबसे पहले नई दिल्ली विधानसभा स्थित उद्यान मार्ग पहुंचे। यहां उन्होंने आयोजित हो रहे रामायण पाठ और कीर्तन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके बाद भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर पंचकुइयां रोड स्थित आरके आश्रम मार्ग मेट्रो स्टेशन पहुंचे। यहां सीएम केजरीवाल मेट्रो स्टेशन के पास स्थित प्राचीन सन्यास आश्रम शिव हनुमान मंदिर ट्रस्ट की ओर से आयोजित सुंदरकांड पाठ कार्यक्रम में शामिल हुए और सुंदरकांड पाठ सुनने के उपरांत प्रसाद लिया। यहां सीएम दोपहर करीब साढ़े 12 बजे आके आश्रम मार्ग स्थित ब्लॉक सी पहुंचे। यहां पर मुख्यमंत्री ने रामलला की मूर्ति की स्थापना की और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। सीएम अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि हमारी सरकार 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को तीर्थयात्रा करवाती है। हम द्वारकाधीश, शिरडी, रामेश्वरम, पुरी, हरिद्वार, ऋषिकेश समेत 12 तीर्थ स्थानों पर लेकर जाते हैं। दिल्ली के लगभग हर हफ्ते एक ट्रेन जाती है। एक ट्रेन में लगभग एक हजार लोग जाते हैं।

ट्रेन भेजने की इजाजत मिलते ही, बुजुर्गों को कराएंगे रामलला के दर्शन : भारद्वाज

नई दिल्ली। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज से पहले भी हम दिल्ली के बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा के तहत अयोध्या रामलला के दर्शन करने के लिए भेज चुके हैं। अब तक दिल्ली सरकार लगभग 82 हजार दिल्ली के बुजुर्गों को अलग-अलग तीर्थ स्थलों पर यात्रा के लिए ले जा चुकी है। चूंकि अभी सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर अयोध्या में तीर्थयात्रा के लिए ट्रेन भेजने की अनुमति नहीं है। इसलिए दिल्ली सरकार इंतजार कर रही है। जैसे ही अयोध्या दर्शन के लिए ट्रेन भेजने की इजाजत मिल जाएगी, दिल्ली सरकार दिल्ली के बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा योजना के तहत रामलला का दर्शन कराने लेकर जाएगी। वहीं अयोध्या में सोमवार को भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शेख सराय फेज-2 के एल-पॉकेट में आयोजित सुंदरकांड पाठ में हिस्सा लिया।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने पूरे विश्व को जीने का सही तरीका सिखाया : आतिशी

श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर 'आप' की वरिष्ठ नेता व कैबिनेट मंत्री आतिशी द्वारा कालकाजी में विधिवत श्रीराम पूजा-स्तुति व हवन का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि आज रामलला की भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो रही है जो पूरे देशवासियों के लिए बहुत बड़ा दिन है। हम यह उम्मीद करते हैं कि आज अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा तो हो ही रही है, साथ ही हम सभी के दिलों में, हमारी अंतरात्मा में भी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा हो। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम थे और उन्होंने पूरे विश्व को जीने का सही तरीक़ा सिखाया है। आज लोगों को उन मर्यादाओं को अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है। अगर हम ऐसा करने में सफल रहे तो निश्चित रूप से भारत को विश्व में सबसे आगे लेकर जाएंगे।

श्रीराम धुन में डूबी हुई है पूरी दिल्ली : पांडे

नई दिल्ली। इस अवसर पर विधायक दिलीप पांडे ने कहा कि भारतीय जनमानस भगवान श्रीराम से वैसे ही जुड़ा हुआ है, जैसे जीवन के साथ सांस की डोर जुड़ी हुई है। जैसे सांस के बगैर जीवन की परिकल्पना संभव नहीं है, वैसे ही मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के बगैर भारतीय जनमासन की परिकल्पना भी असंभव है। पूरा देश राममय हुआ पड़ा है। दिल्लीवाले भी इसमें पीछे नहीं हैं। पूरी दिल्ली राम धुन में डूबी हुई है। हम सब दिल्लीवाले दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल का धन्यवाद करते हैं कि हम दिल्लीवासियों के लिए उन्होंने धर्म लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से 20, 21 और 22 जनवरी को बेहतरीन रामलीला का मंचन आयोजित करवाया। इसके अलावा, सीएम अरविंद केजरीवाल के मार्ग निर्देशन में पूरी दिल्ली में जगह- जगह धार्मिक अनुष्ठान हो रहे हैं।

जय श्रीराम के जयकारे के साथ तीन दिवसीय रामलीला का समापन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर आयोजित तीन दिवसीय रामलीला का भी सोमवार को जय श्रीराम के जयकारे के साथ समापन हो गया। इस सफल आयोजन के दौरान दिल्लीवासियों को भगवान श्रीराम के जीवन को करीब से जानने का मौका मिला। आईटीओ स्थित प्यारेलाल ऑडिटोरियम में श्रीराम भारतीय कला केंद्र के कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से रामभक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दिल्ली सरकार ने इस आयोजन को निःशुल्क किया हुआ था। कोई भी आकर रामलीला का लाइव मंचन देख सकता था। इसलिए तीनों दिन के आयोजन में भारी संख्या में राम भक्तों की भीड़ उमड़ी। शनिवार को दिल्ली के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री सौरभ भारद्वाज द्वारा तीन दिवसीय रामलीला का उद्घाटन किया था।

जगह-जगह भंडारे, धार्मिक अनुष्ठान, लोगों ने कहा ऐसा दिन जीवन में नहीं देखा

नई दिल्ली। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर पूरी दिल्ली जय श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान हो गई। राजधानी ने दीवाली मनाई और जमकर पटाखे फोड़े। अधिकांश लोगों ने कहा कि जीवन में आज तक ऐसा उत्सव कभी नहीं देखा। लोगों ने घरों, मंदिरों को दीए व बिजली की लड़ियों से सजाया। चारों तरफ श्रीराम शोभा यात्राएं निकाली गईं। डीजे पर श्री राम, हनुमान धुन पर नाचते गाते युवा, महिलाएं, बच्चों का जोश देखने लायक था। मंदिरों, चौक चौराहों, गलियों, में भंडारों का आयोजन हुआ। कहीं रात भर जागरण हुए तो, कहीं भजन कीर्तन, श्री रामायण अखंड पाठ, सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा गायन, यज्ञ हवन जैसे धार्मिक आयोजनों से दिल्ली राम के रंग में रंग गई। छोटे बड़े बाजारों के संगठनों ने अपने अपने स्तर पर कई प्रकार के आयोजन किए। वहीं श्री कालका जी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा उत्सव धूमधाम से संपन्न हुआ।

महापौर ने भक्तों संग की श्रीराम की आरती

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की महापौर डॉ. शैली ओबरॉय सोमवार को पटेल नगर के लाल मंदिर द्वारा आयोजित शोभा यात्रा में शामिल हुईं। उन्होंने भगवान श्री राम के भक्तों संग मिलकर भगवान श्री राम की आरती की और जयकारे लगाए। उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कर कहा कि दिल्ली में अलग-अलग जगह पर भक्तजनों के साथ भगवान श्रीराम जी की आरती की और वहां आयोजित भंडारे में हाथ बंटाया। इस शुभ अवसर पर महापौर डॉ. ओबरॉय ने श्रीराम से प्रार्थना करते हुए कहा कि सबको सन्मति, सुख और शांति प्रदान करें।

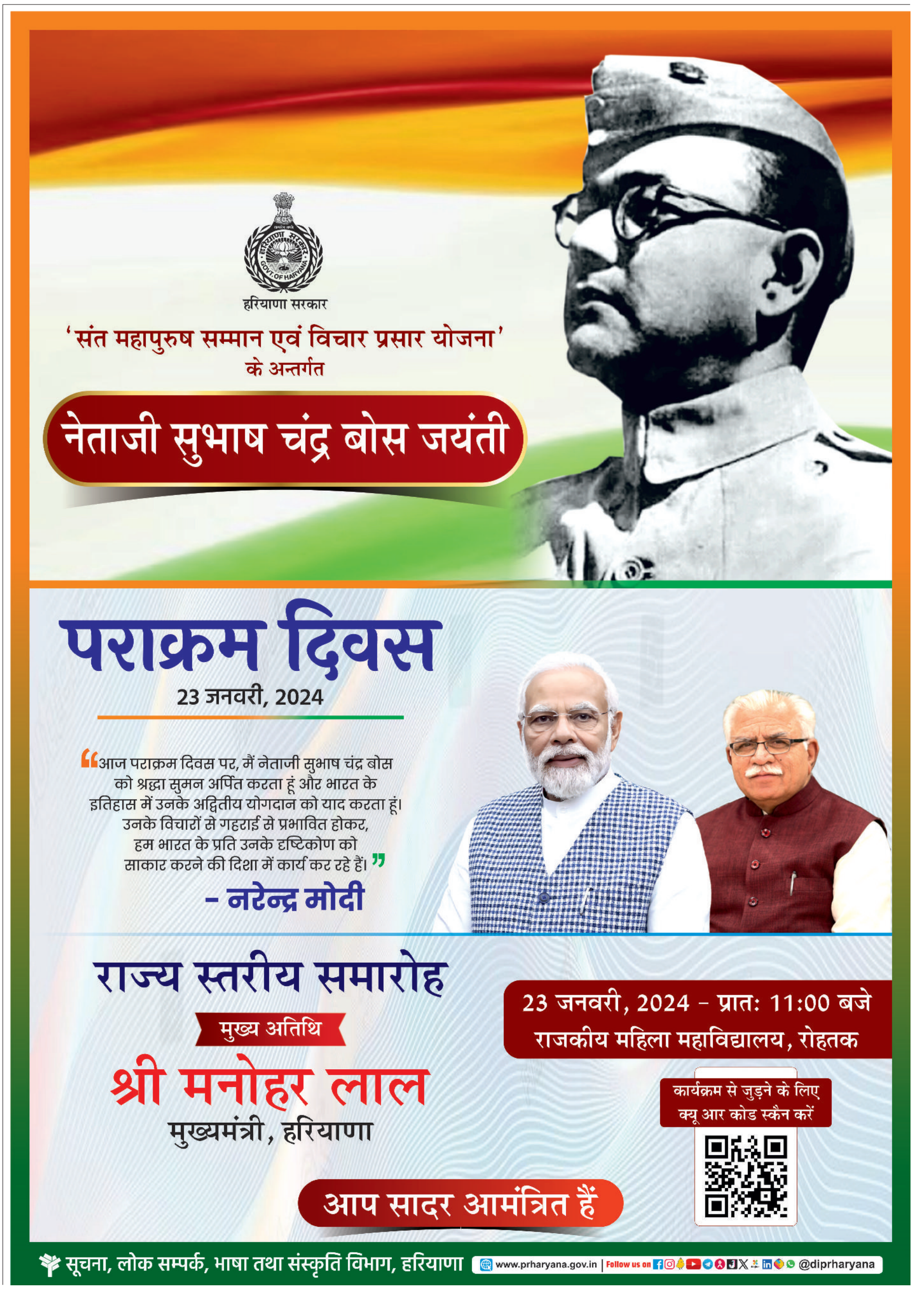

प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के साथ राममय हुई फरीदाबाद

सुंदरकांड पाठ के साथ भव्य झांकियां भी निकाली गईं

भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश के अन्य हिस्सा के साथ-साथ फरीदाबाद में भी बड़े स्तर पर तैयारियां की गई थी। आरएसएस, वीएचपी व भाजपा के कार्यकर्ता इस आयोजन को एक भव्य बनाने के लिए महीनों से लगे थे। तीनों संगठनों के कार्यकर्ता औद्योगिक नगरी के विभिन्न हिस्सों में दीपोत्सव मनाने के लिए दीयों का वितरण कर रहे थे। पूरे क्षेत्र को राम मय बनाने के लिए राम ध्वज भी बांट रहे थे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

'भय प्रगट कृपाला, दीन दयाला, कौशल्या हितकारी', जब 500 साल की लम्बी कानूनी लड़ाई के बाद रामलला अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में विराजमान हुए समूचे देश के साथ-साथ औद्योगिक नगरी भी राममय हो गई। पूर्व उद्योग मंत्री विपुल गोयल ने जहां गरीबों को कंबल वितरित करने के साथ-साथ भंडारे का आयोजन किया, वहीं मुख्यमंत्री के पूर्व सलाहकार अजय गौड़ ने सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया। पर्ल सोसायटी में भव्य राम झांकियां निकाली गई तथा भंडारे का भी आयोजन किया ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ,वीएचपी व भाजपा के कार्यकर्ता एक माह से कर रहे थे तैयारी

भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश के अन्य हिस्सा के साथ-साथ औद्योगिक नगरी फरीदाबाद में भी बड़े स्तर पर तैयारियां की जा रही थी। आरएसएस, विश्व हिन्दू परिषद व भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता इस आयोजन को एक भव्य आयोजन बनाने के लिए महीनों से लगे हुए थे। इन तीनों ही संगठनों के लोग औद्योगिक नगरी के विभिन्न हिस्सों में दीपोत्सव मनाने के लिए दीयों का वितरण कर रहे थे, तो पूरे क्षेत्र को राम मय बनाने के लिए राम ध्वज भी बांट रहे थे। औद्योगिक नगरी फरीदाबाद में नजारा ऐसा लग रहा था जैसे प्रभु राम 14 वर्ष के वनवास के बाद वापिस लौटे हो। पूर्व मंत्री विपुल गोयल ने उन्होंने हजारों जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए तथा भोजन भी करवाया। पूर्व सांसद सुधा यादव ने कहा कि पांच सौ साल की लंबी कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद यह शुभ दिन आ ही गया।

हर सनातनी के लिए खास है यह दिन

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि 500 सालों का इंतजार खत्म हो गया और अयोध्या में रामलला की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा पूरी हो गई। आज का दिन हर सनातनी के लिए खास है क्योंकि इस पल का वर्षों से इंतजार किया जा रहा था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश वासियों का संकल्प पूरा करके नया कीर्तिमान रच दिया है।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री पं. मूलचंद शर्मा ने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही पूरा देश राममय हो गया है। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक भाजपा नेता अजय गौड़ ने कहा कि सभी रामभक्तों का सपना साकार हुआ और अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा पूरे रीति-रिवाज के साथ संपन्न हुई। पर्ल सोसायटी में आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष ओपी मिश्रा के नेतृत्व में भव्य झांकी का आयोजन किया ।

खबर संक्षेप

मिथुन ने बनाया 75 किलो लकड़ी का राम मंदिर

फरीदाबाद। फरीदाबाद के सेक्टर-30 के रहने वाले मिथुन ने लकड़ियों से 75 किलो का राम मंदिर बनाया है, जिनकी लंबाई लगभग 5 फीट है। इस मंदिर को तैयार करने में करीब बीस दिन लगे। मिथुन इस मंदिर को फरीदाबाद से अयोध्या लेकर जाएंगे और वहां श्रीराम की मूर्ति उसी मंदिर में स्थापित कर वापस फरीदाबाद की ओर रूख करेंगे।

नाबालिग को किया परिजनों के हवाले

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच कैट प्रभारी सरजीत सिंह की टीम ने अनखीर पुलिस चौकी टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए घर से लापता नाबालिग को तलाश कर परिजनों के हवाले करने का सराहनीय कार्य किया है। नाबालिक 20 जनवरी को अपने घर से बिना बताए घर से निकल गया था । परिजनों ने थाना सुरजकुंड में उसके गुम होने की सूचना दी थी।

सड़क सुरक्षा के अंतर्गत ड्राइवरों को प्रशिक्षण

फरीदाबाद। ट्रैफिक टीआई सतीश कुमार ने हरियाणा राज्य परिवहन ड्राइविंग स्कूल बल्लभगढ के प्रशिक्षणरत चालकों को सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के संबंध में जागरुक किया। प्रशिक्षण इंचार्ज विजेन्द्र सिह क्लर्क, देवेन्द्र सिह व करीब 50 चालकों ने भाग लिया। ट्रैफिक पुलिस फरीदाबाद द्वारा मनाए जा रहे 35वें सड़क सुरक्षा माह 15 जनवरी से 14 फरवरी 2024 तक मनाया जा रहा है।

गुम मोबाइल मिला मालिक को किया सुपुर्द

फरीदाबाद। पुलिस चौकी सेक्टर 16 में तैनात पुलिस ने गुम हुए फोन को उसके असल मालिक रशीद अहमद को सुपुर्द कर दिया है। ग्राम प्रहरी सिपाही संदीप और सिपाही नवीन अपनी बीट में ड्यूटी करने के लिए ओल्ड फरीदाबाद मेट्रो स्टेशन के पास से गुजर रहे थे। उसी समय उनको मेट्रो स्टेशन के पास लावारिस अवस्था में एक मोबाइल पड़ा मिला। पुलिस ने उसे असली मालिक तक पहुंचाया।

छठ पूजा कमेटी ने केंद्रीय मंत्री के नाम ज्ञापन दिया

गुरुग्राम। साइबर सिटी के विभिन्न क्षेत्रों में पूर्वांचल मूल के लोग बड़ी संख्या में पिछले कई दशकों से रह रहे हैं। वे अपने त्योहार व पर्वों को भी स्थानीय लोगों के साथ धूमधाम से मनाते हैं। छठ पूजा पूर्वांचल समाज का महत्वपूर्ण पर्व है। समाज के लोग इस पर्व को मनाने के लिए अपने गृह नगर जाते थे, लेकिन कुछ वर्षों से अब उन्होंने इस पर्व को गुरुग्राम में ही मनाना शुरू कर दिया है।

राममय हो गया गाजियाबाद, भजन से साथ जमकर हुई आतिशबाजी

महापौर ने किया 5 फीट की श्रीराम प्रतिमा व श्रीराम चौक का उदघाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर गाजियाबाद पूरी तरह से राममय हो गया। नगर निगम मुख्यालय में सोमवार दीवाली के रूप में मनाया गया। इस मौके पर निगम मुख्यालय परिसर में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कलाकारों ने भजन प्रस्तुत किया। साथ ही आतिशबाजी भी हुई। महापौर सुनीता दयाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक समेत तमाम अधिकारी व पार्षद इस मौके पर उपस्थित रहे। पूरे शहर में शोभा यात्रा से लेकर अनेक धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन होते दिखे। बाजारों में जय श्रीराम का उद्घोष होता रहा। वहीं महापौर सुनीता दयाल ने मकनपुर गांव के बाहर 5 फिट की श्रीराम की प्रतिमा का अनावरण एवं श्रीराम चौक का महापौर ने किया उदघाटन किया।

गाजियाबाद महापौर सुनीता दयाल ने मकनपुर गांव के बाहर 5 फिट की श्री राम की प्रतिमा का अनावरण एवं श्री राम चौक का किया उदघाटन किया।

रामभक्तों ने भक्तों को प्रसाद वितरण किया

शहर की सड़कों व घरों पर श्री राम जी का झंडा लगाकर उनके अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा पर दीपोत्सव के रूप में मनाकर भाव विभोर होते रहे। नगर निगम ने सभी मंदिरों पर चौराहों पर एवं मुख्य सड़कों पर साज सज्जा कराई थी। शिव मंदिर आर्य नगर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आयोजित भजन कीर्तन एवं प्रसाद वितरण का आयोजन राम भक्तों द्वारा किया गया।

खास बातें

- राम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में दीपोत्सव मनाया गया
- निगम मुख्यालय परिसर में रंगा रंग कार्यक्रम

प्राण-प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण

कमला नेहरु नगर के शिव मंदिर में रामभक्त श्री रामोत्सव मनाया। इस दौरान नन्हे मुन्ने बाल गोपालों सहित मंदिर समिति महंत, भाजपा नेता सचिद्वानंद शर्मा, प्रदीप चौधरी, नितीन शर्मा आदि सैकड़ों रामभक्त उपस्थित रहे। पुराना विजयनगर रामलीला मैदान में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर हवन पूजन किया गया। शहर वासियों को एलईडी के माध्यम से अयोध्या से सीधा प्रसारण दिखाया गया व विजयनगर में रह रहे कार सेवकों का एवं कार्यकर्ताओं का सम्मान प्रतीक एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। संचालन लेखराज माहौर ने किया।

जन-जन तक पहुंच रहा है भगवान श्रीराम का आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

भगवान श्रीराम के 500 वर्ष बाद प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम होने के उपलक्ष में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने गाजियाबाद के प्राचीन दूधेश्वरनाथ मंदिर में भगवान श्रीराम का लाइव प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम देखा। इस दौरान उन्होंने भगवान श्रीराम की आरती भी की। उन्होंने गरीबों और असहाय लोगों को वस्त्र और मिठाई भी वितरित की। इस अवसर पर नरेंद्र कश्यप ने कहा कि भगवान श्रीराम का आशीर्वाद जन- जन तक पहुंच रहा है। यही कलयुग में त्रेता युग का सफर है। उन्होंने कहा कि अयोध्या का भव्य राम मंदिर आज विश्व के अलग-देशों में पहचान बना रहा है। साथ ही यह करोड़ों भारतवासियों की आस्था का केंद्र है। कश्यप ने कहा कि ऐसा लगा मानो नए युग की शुरुआत हो चुकी है।

दूधेश्वरनाथ मंदिर पहुंचे मंत्री

उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार नरेंद्र कश्यप सोमवार को दूधेश्वरनाथ मंदिर पहुंचे और उन्होंने भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भाग लिया। इसके साथ ही शहर के अनेक कार्यक्रमों में भी शामिल हुए। उन्होंने कहा है कि भगवान श्रीराम की सभी को सेवा करनी चाहिए। हर भारतवासी के मन में प्रभु श्रीराम है और उनकी कृपा के बिना कोई भी कार्य संभव नहीं है।

खेत में कच्ची शराब बनाने वाले आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच बदरपुर बॉर्डर प्रभारी जितेंद्र की टीम ने कच्ची शराब बनाने वाले फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मंजीत सिंह इस्माइलपुर पल्ला का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच टीम ने सेक्टर-37 थाना पल्ला से अवैध शराब बनाने के मामले में उसे गिरफ्तार किया है। आरोपी 21 दिसंबर को यमुना पुस्ता रोड़ पर कच्ची शराब निकालते हुए पुलिस टीम को देखकर रात के अंधेरे में झाड़ियों के रास्ते से फरार हो गया था।

पुलिस ने गुरुग्राम कैनाल में कूदने वाली महिला की जान बचाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

ईएसआई रनजीत घोष अपनी टीम के साथ सेक्टर-28 पर ट्रैफिक ड्यूटी के दौरान यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहनों के चालान कर रहे थे। तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने बताया कि एक महिला गुरुग्राम कैनाल में कूद गई है। जिस सूचना पर रनजीत अपनी टीम होमगार्ड ओमबीर और यतीन के साथ अविलंब मौके पर पहुंचे और नहर में जान बचाने के लिए हाथ पैर मार रही महिला को कैनाल से बाहर निकाला। पुलिस टीम ने महिला को प्राथमिक उपचार दिया व डायल 112 की टीम को सूचना दी। महिला के भाई को भी सूचना देकर बुलाया और महिला को सौंप दिया। महिला ने पूछताछ बताया उसके ससुराल में परिजनों के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। जिससे वह नाराज होकर परिजनों को डराने के लिए कैनाल के पास आ गई थी। लेकिन वहां पर उसका पैर फिसल गया और वह कैनाल में गिर गई। पुलिस ने उसके भाई के साथ उसे घर भेज दिया ।

गुरुग्राम में किया सुन्दरकांड का पाठ

गुरुग्राम। अयोध्याधाम में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर डीपीजी आईटीएम इंजी. कॉलेज सेक्टर 34 गुरुग्राम में सुन्दरकांड का पाठ आयोजित किया गया। पूरा कॉलेज परिसर प्रभु श्रीराम की भक्ति में आनंदविभोर दिखाई दिया। इस अवसर पर कॉलेज की एमडी डॉ प्रीति गहलोत के साथ कॉलेज के सभी अध्यापकगणों ने मिलकर प्रभु श्रीराम के सम्मुख सुन्दरकांड का पाठ किया। कॉलेज की एमडी डॉ गहलोत जी ने बताया कि 500 साल के लम्बे इंतजार के बाद आखिरकार अयोध्या-धाम में आज रामलला अपने मंदिर के गर्भगृह में प्रतिष्ठित हुए हैं। इस पावन अवसर को आज पूरा देष महा-दीपावली की तरह मना रहा है। सभी मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर हवन एवं रामायण पाठ का आयोजन किया गया। हनुमान जी ऐसे देवता है जो हमारे बीच धरती पर आज भी मौजूद हैं। आठों सिद्धियों और नौ निधियों के दाता की कृपा पाने के लिए सुंदरकांड का पाठ करने की परंपरा है। सुंदरकांड के पाठ के बाद श्रीराम जी की आरती एवं स्तुति की गई। प्रसाद का वितरण करके सुंदरकांड आयोजन का समापन किया गया। डॉ गहलोत जी ने रामलला के प्राण-प्रतिश्ठा के अवसर पर उपस्थित लोगों को बधाई एवं षुभकामनाएं दी और निवेदन किया कि आज सभी अपने घरों में कम से कम पांच-पांच दीये जलाकर इस दिन को उत्सव के रूप में मनाएं।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के 1131 काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

अवैध पार्किंग, विदाउट नंबर प्लेट बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट एवं बिना हेलमेट और ट्रिपल राइडिंग इत्यादि के चालान किए है। विशेष अभियान के तहत यातायात पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान वाहन चालकों के 1131 चालान किए है जिसमें अवैध पार्किंग के 75 चालान, बिना नंबर प्लेट, बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के 19 चालान, बिना हेलमेट के 378 चालान, ट्रिपल राइडिंग के 16 चालान किए गए।

डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन यातायात व्यवस्था में सुधार तथा फरीदाबाद को एक्सीडेंट फ्री बनाने की मुहिम के तहत पुलिस द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों व सड़क सुरक्षा के बारे में लगातार जागरूक किया जा रहा है जिसमें उन्हें सड़क पर यात्रा करते समय यातायात नियमों का पालन करने तथा सड़क सुरक्षा के संबंध में विशेष तौर पर जानकारी दी जाती है।

वाहन चालकों को किया जागरूक

वाहन चालकों को सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने, तय की गई गति सीमा में वाहन चलाने, गलत दिशा में वाहन को न ले जाने, अवैध रूप से अपनी गाड़ी को पार्किंग नहीं करने सहित अन्य यातायात नियमों के बारे में चालकों को जागरूक किया। पुलिस का कहना है कि कुछ वाहन चालक नियमों की अनदेखी करते हुए यातायात नियमों का पालन नहीं करते इसलिए उनके खिलाफ विशेष अभियान चलाकर चालान किए गए हैं।

तस्करों ने एक साल का टूरिस्ट वीजा बनवा रखा था

गल्फ देशों से पेट में छिपाकर 25 लाख का सोना लाने वाले दो तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच ने सोमवार को गल्फ देशों से अपने पेट में छिपाकर सोना लाने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उनके कब्जे से करीब 25 लाख रुपए का सोना बरामद किया है। पुलिस ने मामले की सूचना कस्टम विभाग को दे दी है। एडीसीपी क्राइम ब्रांच सच्चिदानंद ने बताया कि गल्फ देशों से सोने की तस्करी करके लाने वाले अन्तर्राष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के 2 सदस्यो को पुराने बस अड्डे के पास थाना सिहानीगेट क्षेत्र से हिरासत में लिया गया, जिनके द्वारा सऊदी अरब से 400 ग्राम सोना अपने पेट में रखकर तस्करी करके लाया गया है।

गल्फ देशों से पहले भी कर चुका सोना तस्करी

पूछताछ में आरोपी नदीम ने बताया कि वह व उसका साथी फुजैल जिला रामपुर के रहने वाले है। नदीम पूर्व मे भी कई बार गल्फ देशों से सोना तस्करी करके ला चुका है। सोने की तस्करी करने के लिए दोनों ने अपना एक वर्ष का टूरिस्ट वीजा बनवा रखा है, ये लोग सोने को गोलियों के आकार में लेते हैं और उन गोल्ड की गोलियों को प्लास्टिक के टेप से कवर कर देते है और फ्लाइट में बैठने से पहले उन गोलियों को पानी से निगल लेते है जो इनके पेट में चली जाती हैं। जब ये लोग भारत में एयरपोर्ट पर उतरते है तो सोने की गोलियां पेट में होने के कारण पकड़ी नहीं जाती। उसके 4-5 दिन बाद ये गोलियां शौच में निकल जाती है। इस काम में इनको एक तोले (10 ग्राम) सोने पर करीब 20 हजार रुपए का फायदा होता है।

उसने यह भी बताया कि उनके पेट मे 200-200 ग्राम सोने की गोलियां है जिसकी कुल कीमत करीब 25 लाख रुपए हैं। पकड़े गए दोनों तस्करों को जिला चिकित्सालय गाजियाबाद में भर्ती कराया गया हैं जिससे उनके द्वारा निगली गई सोने की गोलियों को चिकित्सकों की देखरेख में निकाला जा सके। अंतरराष्ट्रीय सोने तस्करी के संबंध में कस्टम विभाग को अवगत करा दिया गया हैं। कस्टम विभाग द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी।

भगवान श्रीकृष्ण को मनाने की अद्भुत प्रस्तुति दी

चार दिवसीय सोपान महोत्सव में दिखा संस्कृति, कला एवं प्रतिभा का अद्भुत संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सोपान महोत्सव में कलाकारों ने शास्त्रीय और पारंपरिक प्रदर्शनों की एक शानदार श्रृंखला के साथ अपनी अमिट छाप छोड़ी। दिल्ली सरकार के कला और संस्कृति विभाग, साहित्य कला परिषद द्वारा आयोजित चार दिवसीय सोपान महोत्सव में अंतिम दिन मोनी झा ने गायन प्रस्तुत किया। इसके अलावा विवेक भोला ने राग मुल्तानी और भजन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में टी. रेड्डी लक्ष्मी ने कुचिपुड़ी की प्रस्तुति दी और अंत में मीरा एस. उन्नीथन ने भरतनाट्यम के प्रदर्शन से समां बांधा। उन्होंने कैसे एक युवती अपनी मित्र को जगाने का प्रयास कर उससे भगवान अर्धनारीश्वर के दर्शन के लिए मंदिर जाने का आग्रह करती है।

रमा वैद्यनाथन ने उत्कृष्ट कोरियोग्राफ को दर्शकों ने सराहा

राग बेहाग और आदि ताल में ठुमरी (मैं तो नहीं जाऊं) के जरिए नदी किनारे जाने से बचने के लिए भगवान श्रीकृष्ण के बहाने को सुंदरता से मंच पर उकेरा गया। इसे गुरु रमा वैद्यनाथन ने बहुत उत्कृष्टता से कोरियोग्राफ किया था। दर्शक पूरे समय भक्तिभाव में सराबोर रहे। वहीं अश्मिता मिश्रा ने संगीत की शाम को अपनी कथक के साथ आगे बढ़ाया। उन्होंने मंच पर सबसे पहले श्रीराम स्तुति की, फिर ताल अष्टमंगल में इसका तकनीकी पक्ष दिखाया और अंत में पंडित विजयशंकर मिश्र द्वारा कंपोज किए गए राग बहार में कैसी निकसी चांदनी पर मनोहारी नृत्य किया। महोत्सव के अंत में दर्शकों को अमरजी राय का पावर-पैक्ड थिएटर अभिनय देखने को मिला।

इस पूरे चार दिनी उत्सव के दौरान दर्शकों ने त्रिवेणी कला संगम की गैलरी में उत्कृष्ट कला संग्रह का आनंद लिया। यह प्रदर्शनी उत्सव के आकर्षण का केंद्र थी। इसमें साहित्य कला परिषद से छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली कलाकारों की उत्कृष्ट कृतियों की श्रृंखला प्रदर्शित की गई थी।

इससे पहले उत्सव के तीसरे दिन रेखा पांडे ने हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन से समां बांधा। उन्होंने रागश्री-विलंबित ख्याल को विलंबित एकताल में प्रस्तुत किया। जबकि तुषार गोयल ने तबला वादन से लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। वहीं युवा गायिका प्रगति पांडे ने अपनी सुरीली आवाज से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने मंच पर राग यमन में अलाप और तान के माध्यम से अलग-अलग मूड में अपनी गायिकी का सुंदर नमूना पेश किया। कुलेश्वर कुमार ठाकुर ने छऊ नृत्य के साथ सोपान उत्सव को नया मुकाम दिया। जबकि दूसरे दिन सूरज की मंत्रमुग्ध कर देने वाली गायन प्रस्तुति हुई, उसके बाद सानी नियाजी का तबला प्रदर्शन हुआ।

खबर संक्षेप

मुस्लिम परिवार में जन्मा बच्चा, नाम रखा राम रहीम

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद के महिला अस्पताल में एक मुस्लिम परिवार में प्राण प्रतिष्ठा के दिन परिवार में आए नए मेहमान का नाम भी भगवान राम के नाम पर

रख दिया गया। दादी हुस्न बानो ने बच्चे को राम रहीम नाम दिया। प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर नवीन जैन ने बताया, प्रसूता का नाम फरज़ाना है और आज उसने एक बच्चे को जन्म दिया।

अंगीठी से दम घुटने से तीन की मौत

कानपुर। कानुपर में अंगीठी से निकले धुंए से दम घुटने से तीन लोगों की मौत हो हो गई। जबकि दो

की हालत गंभीर है। दरअसल रातभर कमरे में धुआं भर जाने के कारण ये हादसा हुआ। दूसरी ओर सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की चांज पड़ताल में जुट गई।

मेहमानों को दिए गए भेंट स्वरूप उपहार

धातु का दीया-माला और प्रसाद

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

राम नगरी अयोध्या में भव्य समारोहों के बीच नवनिर्मित मंदिर में रामलला की नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने इस अनुष्ठान में पीएम नरेंद्र मोदी समेत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सीएम योगी आदित्यनाथ सहित 7,000 से अधिक मेहमानों को आमंत्रित किया गया था।

'अयोध्या धाम- द लॉर्ड्स एबोड'

मेहमानों को वस्तुओं का एक विशेष सेट उपहार में दिया गया है, जिसमें अयोध्या पर एक किताब, एक धातु की 'दीया', एक तुलसी 'माला' और भगवान राम के नाम वाला एक दुपट्टा शामिल है। पुस्तक का शीर्षक 'अयोध्या धाम- द लॉर्ड्स एबोड' है, जिसके कवर पर रामलला की पुरानी मूर्ति की छवि भी है। 'माला' एक कपड़े की थैली लेकर आई है, जिस पर 'उत्तर प्रदेश पर्यटन' और इसकी टैगलाइन लिखी है। मेहमानों को चार लड्डू, चिप्स, रेवड़ी, काजू और किशमिश का डिब्बा भी मिला है।

रामलला के दर्शन का सपना पूरा

यूपी परिवहन ने रामभक्तों को अयोध्या में आने-जाने के लिए 590 बसों का बेड़ा उतारा

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

योगी सरकार के निर्देशानुसार श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दर्शन कराने के लिए रोडवेज लगभग 590 बसों का बेड़ा उतार रहा है। यह बसें अयोध्या से विभिन्न मार्गों पर चलाई जाएंगी। व्यवस्था के लिए कर्मचारियों को लगा दिया गया है। सोमवार को तत्काल प्रभाव से यह व्यवस्था लागू कर दी गई। श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु गैर जनपदों से पहुंचे हैं। उन्हें वापस पहुंचना है साथ ही रामलला का दर्शन करने के लिए लोग आने वाले हैं। इसके मद्देनजर रोडवेज विभाग ने तत्काल प्रभाव से तैयारी की है।

सोमवार सुबह से शुरू हो जाएगा बसों का संचालन

अयोध्या से चलेंगी प्रमुख नगरों के लिए बसें

सोमवार को चार बजे से ही इस व्यवस्था को संचालित करने का निर्देश दिया गया है। व्यवस्था के लिए अयोध्या बस स्टेशन, साकेत पुल बालू घाट, सहादतगंज पुलिस चौकी चौराहा, नाका चौराहा पर दो शिफ्टों में कर्मचारियों की तैनाती की गई है। अयोध्या बस स्टेशन से प्रमुख नगरों लखनऊ, रायबरेली, आजमगढ़ के लिए साकेत पुल बालू घाट से गोरखपुर और गोंडा रूट पर, सहादतगंज पुलिस चौकी चौराहा से आजमगढ़, गोरखपुर, नाका चौराहा से वाराणसी, प्रयागराज और चित्रकूट रोड पर बसे चलाई जाएंगी।

जरूरत पर दूसरे स्थानों से बसें मंगवाई जाएंगी

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद रोडवेज बसों के संचालन को लेकर प्रधान प्रबंधक (तकनीकी) एसएल शर्मा और क्षेत्रीय प्रबंधक विमल राजन ने बैठक ली। बैठक के बाद योजना तत्काल प्रभाव से लागू कर दी। अकबरपुर-आजमगढ़/वाराणसी के रूट पर प्रस्थान करने वाले बसों की अनुमानित संख्या 100 होगी। बाराबंकी-लखनऊ रोड पर 250, बस्ती गोरखपुर रोड पर 100 और सुल्तानपुर-प्रयागराज रोड पर कुल 70 का प्रतिदिन है। क्षेत्रीय प्रबंधक राजन ने बताया कि अयोध्या से श्रद्धालुओं को लाने ले जाने के लिए बसों का संचालन शुरू कराया जा रहा है। जरूरत पर दूसरे स्थानों से बसें मंगवाई जाएंगी।

अयोध्या में दिन में प्राण प्रतिष्ठा का उल्लास, शाम को घर-घर मनाई गई दिवाली

सरयू तट से हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि तक मनाया गया दीपोत्सव

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद शाम को दीपोत्सव मनाया गया। शाम होते ही अवधनगरी रंग-बिरंग लाइटों और दीपक से रोशन हो उठी। सरयू तट से हनुमानगढ़ी और रामजन्मभूमि तक दीपोत्सव मनाया गया। प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर राम की पौड़ी में 5 लाख दीये जलाए गए।

खास बातें

- जलाए गए 5 लाख दीये
- फुहारों पर की लाइटिंग
- आतिशबाजी की गई
- पीएम की अपील पर जलाए दीये

रामकी पैड़ी घाट दीपों से रोशन

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद शाम को दीपोत्सव मनाया गया। शाम होते ही अवधनगरी रंग-बिरंग लाइटों और दीपक से रोशन हो उठी। सरयू तट से हनुमानगढ़ी और रामजन्मभूमि तक दीपोत्सव मनाया गया। प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर अकेले अयोध्या में नौ लाख दीये जलाए गए। रामकी पैड़ी घाट दीपों से पूरी तरह से रोशन था। यहां का नजारा दिवाली से कम नहीं था। घाट के किनारे पर जगमग करते मिट्टी के दीये पूरे वातावरण को आकर्षक बना रहे थे। बीच में फुहारे लगाए गए थे, जिन पर लाइटिंग भी। यह उत्सव देखने के लिए दोनों ही घाटों पर हजारों की संख्या में रामभक्त नजर आए।

सतरंगी झालरों से रोशन शहर

दीपोत्सव मनाने के लिए अवधनगरी में लाखों की संख्या में लोग धर्मपथ, रामपथ और भक्ति पथ पर दिखने लगे। पूरी रामनगरी में दीप जल उठे। सतरंगी झालरों की रोशनी से पूरा शहर सराबोर हो गया। आसमान में पटाखे की गूंज सुनाई देने लगी। चारों तरफ अयोध्या जगमग-जगमग कर रही थी। जगह-जगह लोग भक्ति संगीत पर थिरकते रहे। छोटे-छोटे बच्चे भी जय श्रीराम का नारा लगाते दिखे। अजीब सा उत्साह लोगों के चेहरे पर था। किसी के चेहरे पर उदासी नहीं सब खिलखिला रहे थे। खुशियों को मोबाइल में कैद करने के साथ दूर दराज में बैठे लोगों को वीडियो कॉल के माध्यम से रामनगरी के माहौल को दिखाते रहे।

रामनगरी में दो दीपावली

प्रसिद्ध कथाकार प्रभंजनानन्द शरण कहते अब प्रत्येक वर्ष अयोध्या में दो दीपावली मनाई जाएगी। एक वनवास से लौटने की खुशी वाली और दूसरी रामलाल के गर्भगृह में विराजमान होने वाली। चारों धाम मंदिर के महंत शशिकांत दास कहते हैं कि अब रोशन हुई अयोध्या का तेज पूरी दुनिया देखेगी। भगवान राम गर्भगृह में विराजमान हो चुके हैं। अभी तो खुशियों की शुरुआत हुई है। हनुमान गढ़ी के मुख्य पुजारी रमेश दास कहते हैं कि आज हनुमान जी भी बहुत खुश होंगे कि उनके आराध्य को भव्य भवन मिल गया है।

पीएम मोदी की अपील पर घर-घर जले दीपक

सोमवार को दोपहर साढ़े बजे जैसे ही प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन शुरू हुआ तो पूरा प्रदेश राममय हो गया। घर-घर गली-गली ढोल नगाड़े बजने शुरू हो गए। हर शहर में भगवान राम के आगमन को लेकर शोभायात्रा निकाली गई। ये उत्साह पल-पल बढ़ता जा रहा था। राममक्तों का ये उत्साह दो गुना तब हुआ जब शाम को घर-घर दीपक जलाए गए। आपको बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने भारत की जनता से अपील की थी कि प्राण प्रतिष्ठा के दिन सभी भारतवासी हर घर में एक-एक दीपक जलाए। पीएम मोदी की अपील के बाद भारत की जनता ने अपने-अपने घरों को रंग-बिरंगी लाइटों से रोशन कर दिया।

मुख्यमंत्री हिसार से वर्चुअली देंगे सौगातें

2100 करोड़ की 153 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री मनोहर लाल 24 को हिसार से वर्चुअली लगभग 2100 करोड़ रुपये से अधिक की 153 परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। ये परियोजनाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और सिंचाई एवं जल प्रबंधन पर केंद्रित हैं। इन परियोजनाओं में 1374 करोड़ रुपये की 78 परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 741 करोड़ रुपये की 75 परियोजनाओं का उद्घाटन शामिल है। मुख्यमंत्री द्वारा 10 बड़ी परियाजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया जाएगा। शेष परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास अन्य जिलों में केंद्रीय मंत्री, हरियाणा कैबिनेट मंत्रियों, सांसदों व विधायकों द्वारा किया जाएगा। बड़ी परियोजनाओं में लगभग 333

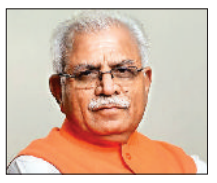

जिलों में मंत्री और विधायक करेंगे उद्घाटन

करोड़ रुपये की लागत से सेक्टर-78, फरीदाबाद में अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर के नए भवन का निर्माण, लगभग 185 करोड़ रुपये की लागत से पंजाब सीमा से रतिया-फतेहाबाद-भट्टू-भादरा से राजस्थान सीमा तक बुढलाडा सड़क का सुदृढ़ीकरण व चौड़ीकरण, लगभग 86 करोड़ रुपये की लागत से रेवाडी-नारनौल रेलवे लाइन पर 4 लेन आरओबी का निर्माण, लगभग 76 करोड़ रुपय की लागत से सनोली-पानीपत रोड (जीटी रोड एनएच-44) तक का सुधार कार्य, लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत से चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद में टीचिंग ब्लॉक-।।। का निर्माण और लगभग 55 करोड़ की लागत से रतिया शहर में नहर आधारित जलघर के निर्माण कार्य का शिलान्यास शामिल है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री द्वारा लगभग 87 करोड़ से पानीपत टाउन में 15 एमएलडी और 25 एमएलडी क्षमता के दो एसटीपी, लगभग 62 करोड़ रुपये की लागत से सोनीपत शहर में ट्रीटेड वेस्ट वॉटर के पुनः उपयोग के लिए सीवरेज नेटवर्क का विस्तार तथा लगभग 58 करोड़ रुपये की लागत से जिला सोनीपत में 10 गांवों के लिए जल आपूर्ति योजना का विस्तार सहित अमृत योजना के तहत सोनीपत शहर के शेष क्षेत्रों में जल वितरण प्रणाली का उद्घाटन किया जाएगा।

पेज एक का शेष

त्याग, तपस्या...

तारीख नहीं बल्कि एक नए कालचक्र का उद्गम है। हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब इस दिव्य मंदिर में रहेंगे। मेरा पक्का विश्वास और अपार श्रद्धा है कि जो घटित हुआ है, इसकी अनुभूति देश के, विश्व के कोने-कोने में रामभक्तों को हो रही होगी।

84 सेकंड में...

गए और लोगों ने नाच-गाकर अपनी खुशी जाहिर की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुनहरी रंग का कुर्ता, क्रीम रंग की धोती और उत्तरीय पहने प्रधानमंत्री मोदी नवनिर्मित राम मंदिर के मुख्य द्वार से अंदर तक पैदल चलकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और गर्भगृह में प्रवेश किया। प्रधानमंत्री इस दौरान अपने हाथ में लाल रंग के कपड़े में लिपटा हुआ चांदी का एक छत्र भी लेकर आए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत की उपस्थिति में 'प्राण प्रतिष्ठा' से संबंधित अनुष्ठान किए। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि मध्याह्न में साढ़े बारह बजे (12-29) बजे रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई। गर्भगृह से मोदी करीब 8,000 लोगों को संबोधित करने के लिए एक अन्य स्थान की ओर गए। इन लोगों में संत, राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े लोग और मनोरंजन, खेल तथा उद्योग जगत की हस्तियां शामिल रहीं। वह कुबेर टीला भी गए और राम मंदिर के निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों से भी बातचीत की। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अमित शाह समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली में 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह का सीधा प्रसारण देखा। कई राज्यों ने इस दिन एक दिन के अवकाश की घोषणा की थी ताकि लोग टीवी पर समारोह को देखने के साथ ही आसपास के मंदिरों में कार्यक्रमों में भाग ले सकें।

चरणामृत पीकर पीएम ने तोड़ा 11 दिन का उपवास: प्रधानमंत्री ने मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि द्वारा दिए 'चरणामृत' को पीकर समारोह से पहले शुरू किए गए 11 दिन के उपवास को तोड़ा।

ऐसे हैं हमारे राम: अयोध्या में राम मंदिर में विराजमान नयी प्रतिमा भगवान राम की पांच वर्ष की आयु को दर्शाती है। यह मैसूरु के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने काले पत्थर से बनायी है। मूर्ति को पीले रंग की धोती और रत्न जड़ित आभूषण पहनाए गए थे। मूर्ति के गले में पीले, लाल और बैंगनी रंग के फूलों की माला भगवान की बाल छवि को सुशोभित कर रही थी।

मंगल ध्वनि में 50 पारंपरिक वाद्ययंत्र: प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान बजायी गयी मधुर 'मंगल ध्वनि' में देशभर के 50 पारंपरिक वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल किया गया। अयोध्या के प्रसिद्ध कवि यतींद्र मिश्र द्वारा संचालित इस भव्य संगीतमय प्रस्तुति को नयी दिल्ली की संगीत नाटक अकादमी के सहयोग से संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश से बांसुरी और ढोलक, कर्नाटक से वीणा, महाराष्ट्र से सुंदरी, पंजाब से अलगोजा, ओडिशा से मर्दला, मध्य प्रदेश से संतूर, मणिपुर से पुंग, असम से नगाड़ा और काली, छत्तीसगढ़ से तंबूरा, बिहार से पखावज, दिल्ली से शहनाई और राजस्थान से रावणहत्था बजाने वाले कलाकार शामिल हुए।

अमिताभ, खेर, अंबानी समेत दिग्गज मौजूद रहे: अयोध्या में सोमवार सुबह पहुंचे आमंत्रित अतिथियों में अनुपम खेर, कैलाश खेर, जुबिन नौटियाल, प्रसून जोशी, सचिन तेंदुलकर, अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, रविशंकर प्रसाद और मुकेश अंबानी शामिल रहे। हेमा मालिनी, कंगना रनौत, श्री श्री रविशंकर, मोरारी बापू, रजनीकांत, मधुर भंडारकर, सुभाष घई और सोनू निगम रविवार को ही अयोध्या पहुंचे गए थे। इस दौरान अयोध्या जिले में सुरक्षाकर्मियों का कड़ा पहरा रहा और सुबह से ही सड़कों पर 'रामधुन' बजनी शुरू हो गई थी।

'राम पटका' दिया और लगाया 'तिलक' लगा: समारोह में आमंत्रित अतिथियों को 'राम पटका' दिया गया और 'तिलक' लगाकर उनका स्वागत किया गया। सभी अतिथियों को एक घंटी दी गयी जो उन्होंने 'आरती' के दौरान बजाई। पारंपरिक नागर शैली में बना मंदिर परिसर 380 फुट लंबा (पूर्व-पश्चिम दिशा), 250 फुट चौड़ा और 161 फुट ऊंचा है। मंदिर की प्रत्येक मंजिल 20 फुट ऊंची और उसमें कुल 392 स्तंभ और 44 द्वार हैं। मंदिर के स्तंभ और दीवारों पर हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनायी गयी हैं।

काशी में झांकी, जम्मू में फहराया रामध्वज: उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ धाम में राम दरबार की भव्य झांकी लगाई गई। जम्मू में रघुनाथ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इकठ्ठा होकर कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट देखा। जम्मू के ही उधमपुर में युवाओं ने सबसे ऊंचे मंदिर पर चढ़कर राम ध्वज फहराया। झारखंड की राजधानी रांची में लोगों ने प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम की खुशी में रैली निकाली। मध्यप्रदेश में महाकाल मंदिर में भस्म आरती के दौरान फुलझड़ी जलाकर दिवाली जैसी पूजा की गई। राजस्थान के जैसलमेर में पाकिस्तान बॉर्डर के पास भी जय श्रीराम के स्वर गूंजते रहे।

एकजुट रहें, क्योंकि...

आत्म गौरव भी लौटा है। उन्होंने कहा आज का कार्यक्रम नए भारत का प्रतीक है जो खड़ा होगा और पूरी दुनिया की मदद करेगा।

भागवत ने कहा कि रामलला 500 साल बाद कई लोगों की तपस्या की वजह से वापस लौटे हैं। मैं उन लोगों के कठोर परिश्रम और त्याग को शत शत नमन करता हूं।'' उन्होंने कहा ''लेकिन राम क्यों गए ? वह इसलिए गए क्योंकि अयोध्या में कलह थी। राम राज्य आ रहा है और हमें सभी मतभेद त्याग कर, कलह खत्म कर छोटे छोटे मुद्दों पर लड़ना झगड़ना बंद करना होगा। हमें अपना अहंकार त्यागना होगा और एकजुट रहना होगा।

DELHI POLICE
SHANTI SEWA NYAYA

REPUBLIC DAY 2024

Public visiting the Republic Day function at Kartavya Path are requested not to bring the following prohibited items
जनता से अनुरोध है कि कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस 2024 के समारोह में निम्नलिखित वर्जित वस्तुएं साथ में न लाएं:

Prohibited Items/वर्जित वस्तुएं

Eatables, Ketchup, Sauce
खाने–पीने की चीजें, केचप, सॉस

Bag, Briefcase, Pens
थैला, ब्रीफकेस, पेन

Radio Transistor, Tape Recorder
रेडियो ट्रांजिस्टर, टेप रिकॉर्डर

Camera, Binocular, Handycam
कैमरा, दूरबीन, हैंडीकैम

Digital Dairies, Laptop, Computers, I-Pad
डिजिटल डायरी, लैपटॉप, कंप्यूटर, आई–पैड

Remote Controlled Car Keys
रिमोट नियंत्रित कार चाबी

Thermos Flasks, Water Bottels, Cans
थर्मस फ्लास्क, पानी की बोतल, कैन

Cigarettes, Bidies, Lighter, Match Boxes,
सिगरेट, बीड़ी, लाइटर, दियासलाई

Alcohol, Perfume, Spray, Aerosol / Gel / Paste
शराब, इत्र, स्प्रे, एरोसोल / जेल / पेस्ट

Dagger, Sword, Saws, Drills, Hammer Sharp/Pointed Edged Material, Screw Drivers
खंजर, तलवार, आरी, ड्रिल, हथौड़ा नुकीला हथियार, पेचकस, स्क्रू ड्राइवर

Umbrella, Replica Fire Arms, Toy Gun, Ammunition
छाता, खिलौना पिस्तौल, गोला बारूद

Knives, Scissors, Razors, Blades, Wires etc.
चाकू, कैंची, रेज़र, ब्लेड, तार इत्यादि

Arms & Ammunition, Fire Crackers, Gun Powder, Flares, any type of explosives
हथियार और बारूद, पटाखे, फ़्लेयर, किसी भी प्रकार की विस्फोटक सामग्री

Inflammable Items, Disabling chemicals, Fuel and other dangerous items
ज्वलनशील पदार्थ, रसायन, ईंधन और अन्य खतरनाक वस्तुएं

DP/9629/2024

If any suspicious object is observed, kindly inform the nearest security personnel immediately
यदि कोई लावारिस वस्तु दिखाई दे तो उसे निकटतम सुरक्षाकर्मी के नोटिस में लाएं

Please co-operate with the police during searching/frisking.
कृपया तलाशी के दौरान पुलिस के साथ सहयोग करें।

Please be alert to your surroundings.
कृपया अपने आस–पास नज़र रखें।

Email to CP, Delhi at cp.sanjayarora@delhipolice.gov.in • Write to : CP, Delhi at P.O. Box No. 171, GPO, New Delhi

FOR IMMEDIATE POLICE HELP CALL 112 TO SHARE INFORMATION CALL 1090

हरिभूमि सहेली
नई दिल्ली, मंगलवार 23 जनवरी 2024

गणतंत्र दिवस विशेष

आज जब हम अपना 75वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहे हैं, महिलाओं की स्थिति का आकलन करते हैं तो उनकी राह आसान नहीं दिखती है। लेकिन महिलाओं ने संघर्ष किया और अपना विकास पथ बनाया। आज देश में ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है, जहां महिलाओं की सशक्त भागीदारी ना हो। वे भारत के विकास की अहम कड़ी बन हमारे गणतंत्र को मजबूत बना रही हैं।

भारतीय गणतंत्र को सशक्त बना रही हैं महिलाएं

आवरण कथा / डॉ. मोनिका शर्मा

किसी भी राष्ट्र की बुनियाद उसकी पारिवारिक व्यवस्था होती है। हर क्षेत्र में देश को आगे ले जाने वाले नागरिक घर के आंगन में बड़े होते हैं। उनके विचार और व्यवहार को इसी परिवेश में वह दिशा मिलती है, जो देश की दशा बदल दे। इस मोर्चे पर घरेलू महिलाएं सैनिक-सी डटी नजर आती हैं। वहीं काम-काजी दुनिया में भी महिलाओं ने अपनी भूमिका को हर पहलू पर सिद्ध किया है। परवरिश के दायित्व निर्वहन और पारिवारिक रिश्तों-नातों को पोसते हुए प्रोफेशनल वर्ल्ड में बढ़ती भारतीय महिलाओं की धमक इस गणतांत्रिक देश की गौरव गाथा का हिस्सा है।

जिजीविषा, जद्दोजहद और जीत

एक ओर महिलाएं काम-काजी महिला के रूप में नई इबारत लिख रही हैं तो दूसरी ओर घरेलू जिम्मेदारियां संभालते हुए देश की तरक्की की बुनियाद का पत्थर बन मन-जीवन को थामने का दायित्व भी निभा रही हैं। 75वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहे देश में आधी आबादी का यह सफर आसान नहीं रहा। भारतीय महिलाओं के भीतर बसी जिजीविषा ही है कि उनके कदमों की गति बनी रही। कभी साक्षर भर होने की लड़ाई लड़ने वाली महिलाएं अब उच्च शिक्षा की डिग्रियां ले रही हैं। हर वर्ष परीक्षा परिणामों में अव्वल आती बेटियों के चेहरे बताते हैं कि जद्दोजहद के बाद जीत निश्चित है। सबसे अहम यह है कि उनकी इस जीत में देश की व्यवस्था भी विजेता बन रही है। शिक्षित सजग बेटियां सैन्य मोर्चे से लेकर अंतरिक्ष के अभियानों तक अहम हिस्सेदारी रखती हैं। गणतांत्रिक व्यवस्था वाले हमारे देश में संविधान ने तो महिलाओं और पुरुषों को समान नागरिक अधिकार दिए, लेकिन इन अधिकारों को जीने के लिए आधी आबादी को अनगिनत मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ा है। महिलाओं ने पूरे मनोयोग से हर स्तर पर यह लड़ाई लड़ी। जिजीविषा के बल पर जद्दोजहद करते हुए स्वतंत्र अस्तित्व गढ़ने और गणतंत्र को सशक्त बनाने में प्रभावी भूमिका दर्ज करवाई। विपरीत परिस्थितियों में भी सशक्त मन से उठाए सबल कदमों ने आधी आबादी की जीत सुनिश्चित की।

जागरुकता और जज्बातों का मेल

महिलाओं का सबल होना किसी भी सशक्त राष्ट्र की संजीवनी के समान होता है। बतौर नागरिक सशक्त व्यक्तित्व की धनी महिलाओं का मन संवेदनाओं से पूरित हो, इससे बेहतर क्या हो सकता है। भारतीय महिलाएं अपने मनोबल को कायम रखने और औरों के मर्म को समझने वाले व्यक्तित्व की धनी हैं। आज की महिलाएं जागरूक हैं तो जज्बातों को समझने वाली भी। मेहनती हैं तो अपनों की मान-मनुहार करने वाली भी हैं। सजग हैं तो सामाजिक भी। आधी आबादी की सबलता और मानवीय भावों की समझ का यह मेल समाज को पुख्ता आधार देता है। यही बुनियाद पूरी व्यवस्था को मजबूती से थामती है। आधी आबादी के समझ और संवेदनाओं भरे संघर्ष का ही परिणाम है कि सशक्त नागरिक की भूमिका को जी रहीं भारतीय महिलाएं सामाजिकता के रंग भी बचाए हुए हैं। जीवन के कितने ही रंगों को समेटे बदलाव और बेहतरी की मशाल थामे देश के विकास में भागीदार बन रही हैं। उनके इस हौसले के चलते ही बहुत कुछ बदला है। साथ ही बेहतरी के भावी बदलावों की आशाओं से भी हमारी झोली भरी है। जिस समाज में महिलाओं को अशक्त और आदर्श बनाकर दोयम दर्जे की नागरिक माना गया, वहां अनगिनत समस्याओं से लड़ते हुए स्वावलंबन की ओर अग्रसर होना नई आशाओं को बल देता है। भारतीय गणतंत्र की मुकम्मल कामयाबी में आधी आबादी की भूमिका रेखांकित करने योग्य है।

समर्पण और सुदृढ़ सोच

भारतीय महिलाएं सधी सोच समर्पण के भाव संग समाज में नवसृजन-नवनिर्माण कर रही हैं। उनका चेतना संपन्न व्यक्तित्व नए मार्ग चुन नई मंजिलें तय कर रहा है। महिला मन के मजबूत इरादों से साल-दर-साल उपलब्धियां बढ़ ही रही हैं। महिला वोटर्स की सजगता और भागीदारी देखकर हर बार सुखद आश्चर्य होता है। पंचायती राजव्यवस्था के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाओं से भी आधी आबादी का जुड़ाव बढ़ा है। साल 2023 में नारी शक्ति वंदन विधेयक यानी वुमन रिजर्वेशन बिल संसद द्वारा पारित किया गया। इस विधेयक में पार्लियामेंट और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान है। लंबा समय लेने के बावजूद इन बदलावों का धरातल पर उतरने का कारण महिलाओं की दृढ़ता ही है। भारतीय संविधान को बहुत सी आशाओं के साथ देश में लागू किया गया था। इन उम्मीदों में स्त्रियों के लिए समानता और सबलता का पक्ष सबसे अहम था। मौजूदा दौर में स्वतंत्र गणराज्य में देश की आधी आबादी का जीवन हर पहलू पर बदलाव का साक्षी बना है। देश की आजादी के आंदोलन से लेकर मौजूदा समय में राजनीतिक आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सामाजिक-पारिवारिक मोर्चों पर उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाएं आज स्वयंसिद्धा हैं।

अभिमत / प्रस्तुति : अंशु सिंह

हमारे संविधान ने महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार दिए हैं, लेकिन हमारी परंपरागत सोच ऐसी रही है कि महिलाओं के विकास में बाधाएं बनी हुई हैं, इसका बड़े विवेक से सामना करते हुए हमें आगे बढ़ना होगा, तभी हम भारतीय गणतंत्र में अपनी सार्थक भागीदारी निभा सकेंगे।

गणतंत्र में ऐसे संभव है हमारी सार्थक भागीदारी

कृष्णा अग्निहोत्री, लेखिका

अब गणतंत्र ही नहीं, गुण तंत्र की अधिक आवश्यकता है, जो गणतंत्र का परिष्कृत रूप होगा। यह महिलाओं के गुण से ज्यादा प्रभावी होगा। क्योंकि नारी सृजन में अत्यधिक प्रवीण है। उसके इस गुण से राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर निर्वाचित पद पाने में आसानी होगी। निर्वाचित महिला, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, मातृ-स्वास्थ्य जैसे कल्याणकारी मुद्दे और योजनाओं पर अधिक विचार करेगी। राजनीतिक पार्टियों को टिकट बंटवारे में महिलाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे और भी कल्याणकारी योजनाओं पर बल दिया जाना चाहिए। मैं मानती हूं कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ने से समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भारतीय समाज और राजनीति में नारी की भागीदारी बढ़ाने के लिए उसे शिक्षा की सुविधा दी जाए, तो वे अपनी विजय का परचम लहराकर देश के गणतंत्र को सशक्त बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगी।

रीता गंगवानी, पर्सनालिटी ट्रांसफॉर्मेशन कोच

भारतीय महिलाएं काफी हद तक सशक्त हो चुकी हैं। अब जरूरत है, लैंगिक समानता लाने की। क्योंकि महिलाएं आज भी समान वेतन के लिए संघर्षरत हैं। कार्यस्थल पर उनके लिए उपयुक्त और सुरक्षित माहौल का अभाव है। शादी करना या मातृत्व लाभ लेना उनकी पेशेवर तरक्की में बाधा बनती है। आज महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। अच्छी बात यह है कि देश में महिला साक्षरता दर बढ़ने से उनका आत्मविश्वास कई गुणा बढ़ा है। महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। इतना ही नहीं, राजनीति में भी उनका दखल स्पष्ट दिखाई देने लगा है। महिला आरक्षण विधेयक 'नारी शक्ति वंदन बिल' को मंजूरी मिलने के बाद एक उम्मीद जगी है कि इससे राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, उनकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

प्रो. फरहाना कौसर, राजनीति शास्त्र विभाग, एएमयू

जब हम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की बात करते हैं, तो सबसे पहले हमें यह देखना है कि महिलाओं को स्वतंत्र निर्णय लेने की कितनी आजादी है। मसलन, पंचायती राज व्यवस्था को ही लें। वहां महिलाओं का अच्छा प्रतिनिधित्व देखने को मिलता है। लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि ज्यादातर मामलों में फैसले उनके पति लेते हैं। यह कैसी व्यवस्था है? जनता महिला उम्मीदवार को चुनती है, तो निर्णय लेने का अधिकार भी उनका ही होना चाहिए। अब जब 33 फीसदी आरक्षण के जरिए संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने जा रही है, तो राजनीतिक दलों के साथ खुद महिलाओं को सोचना होगा कि वे किस प्रकार से राष्ट्र निर्माण में एक सार्थक और सकारात्मक भूमिका निभा सकती हैं, भारत के गणतंत्र को सशक्त बना सकती हैं।

मुमताज जे. शेख, एडवोकेट-सुप्रीम कोर्ट

आज के समय में महिलाएं पुरुषों से किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। सभी जगहों में अहम भूमिका में हैं। वे विज्ञान जगत में बेहतरीन कार्य कर रही हैं। बड़े-बड़े स्पेस मिशन का नेतृत्व कर रही हैं। दरअसल, महिलाएं प्रतिदिन कई प्रकार की भूमिकाएं सहजता से निभाती हैं, जिस कारण उन्हें समाज की रीढ़ माना जाता है। ऐसे में महिलाएं अपने नजरिए में बड़ा बदलाव लाकर खुद को सशक्त बना सकती हैं। अपने अधिकारों को पूरा लेने के लिए और समाज में न्याय, समानता बनाए रखने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी होगी। गरीबी, दहेज प्रथा, अशिक्षा के संपूर्ण उन्मूलन और महिलाओं से संबंधित कार्यक्रमों और कानूनों के सार्थक कार्यान्वयन के लिए सख्ती से काम करना होगा, क्योंकि गणतंत्र की मजबूती के लिए महिला सशक्तिकरण जरूरी है। यह परिवार, समाज के साथ राष्ट्रोन्नति के लिए भी अति आवश्यक है।

नए कीर्तिमान / वीना गौतम

गणतंत्र का मजबूत पहिया हैं भारतीय महिलाएं

आजादी के बाद संविधान निर्मित 'भारतीय गणतंत्र' में महिलाओं का अतुलनीय योगदान रहा है। राजनीति, शिक्षा, देश की आंतरिक-वाह्य सुरक्षा, मेडिकल, व्यवसाय, खेल, एयरोस्पेस और प्रौद्योगिकी से लेकर उद्यमिता, सामाजिक सक्रियता और कला-संस्कृति तक कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां महिलाएं अग्रिम मोर्चे पर अपनी भूमिकाएं ना निभा रही हों।

राजनीति-शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान : हाल के सालों में भारत की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, वे देश की निर्णय लेने की प्रक्रिया पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रही हैं। आज वो प्रमुख पदों पर हैं, जिनमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री जैसे सर्वोच्च पद भी शामिल हैं। महिलाओं ने शिक्षा के क्षेत्र में भी हाल के दशकों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज भारतीय महिलाएं महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धाओं में भी शानदार उपस्थिति दर्शा रही हैं।

देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान

व्यापार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, वे देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। महिलाएं विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नेतृत्व पदों पर कार्यरत हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि और विकास में योगदान दे रही हैं।

खेल में बढ़ा रही हैं देश का गौरव : महिलाओं ने खेल के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे एथलीट, प्रशिक्षकों और प्रशासकों के रूप में प्रमुख पदों पर आसीन हुई हैं। उड़न परी पीटी उषा, साइना नेहवाल, कर्णम मल्लेश्वरी, सायना मिर्जा, पीवी सिंधु और मैरी कॉम जैसी लड़कियों ने विश्व में भारत का गौरव बढ़ाया है।

एयरोस्पेस के क्षेत्र में योगदान : भारतीय महिलाओं ने एयरोस्पेस के क्षेत्र में भी नई लकीर खींची है। वे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रशासकों के रूप में प्रमुख पदों पर आसीन हुई हैं। इसरो में महिलाओं ने एयरोस्पेस के क्षेत्र में पुरुष वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जो काम किया है।

भारतीय गणतंत्र में अमिट छाप : देखा जाए तो महिलाओं ने आजादी के बाद के पिछले कई दशकों में अपने सभी तरह के अधिकारों, सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों के बारे में भी हाल के सालों में जागरुकता बढ़ाने के लिए सभी संभव प्लेटफॉर्मों का उपयोग किया है। हर कार्यक्षेत्र में उन्होंने उल्लेखनीय सफलताएं हासिल की ही हैं, भारतीय गणतंत्र में अपनी एक अमिट छाप भी छोड़ी है।

गर्वायोजन / शैलेंद्र सिंह

गणतंत्र दिवस परेड में दिखेगी नारीशक्ति की शान

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक के हमारे भारत में बहुत कुछ नया, बहुत कुछ पहली बार हो रहा है। इसी क्रम में इस बार गणतंत्र दिवस परेड पर महिला सैनिकों की भरपूर जांबाजी देखने को मिलेगी।

बहुत कुछ दिखेगा पहली बार: इस साल गणतंत्र दिवस परेड को साल 2019 बैच की भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्वेता के. सुगाथन लीड करेंगी। इस परेड में दिल्ली पुलिस की हेड महिला कांस्टेबलों के साथ, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, नौसेना, वायु सेना सहित सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं के महानिदेशक की सभी महिला टुकड़ियां भी शामिल होंगी, जिनमें सैन्य नर्सिंग सेवा और महिला डॉक्टर भी शामिल होंगी। इस बार गणतंत्र दिवस की मार्चिंग परेड में तीनों सेनाओं की अग्निवीर महिला सैनिक भागीदारी करेंगी। इस बार की परेड में आर्मी, इंडियन नेवी और एयरफोर्स की महिला सैनिकों का जॉइंट दस्ता भी होगा, जिन्हें तीनों सेनाओं की महिला ऑफिसर एक साथ परेड में लीड करेंगी। अब के पहले कभी भी तीनों सेनाओं का संयुक्त दस्ता गणतंत्र दिवस परेड में एक साथ शामिल नहीं हुआ। इसलिए यह ऐतिहासिक घटना होगी।

परेड की थीम होगी नारीशक्ति : भारत में गणतंत्र दिवस परेड, सैन्य समारोह के मामले में सबसे महत्वपूर्ण दिन होता है। ऐसे में इस बार कर्त्तव्य पथ पर महिला सैनिकों की परेड देखना, एक नए युग को करवट लेते देखना होगा। सिर्फ महिला सैनिकों की परेड ही नहीं होगी बल्कि इस परेड में झांकी और परफॉर्मेंस में भी महिलाएं ही शामिल होंगी। मार्चिंग बैंड भी महिलाओं का ही होगा। हालांकि साल 2015 के गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार तीनों सेनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला अफसरों के दस्ते ने शिरकत की थी लेकिन पूरी तरह से परेड की थीम नारी शक्ति पर पहली बार रखी गई है।

बढ़ रही महिला भागीदारी : दिल्ली पुलिस के महिला पाइप बैंड का नेतृत्व भी एक महिला अधिकारी रुयांगुनुओ केंसे करेंगी। वास्तव में केंद्र सरकार ने इस बार गणतंत्र दिवस परेड की पूरी थीम को महिला भागीदारी से ओत-प्रोत रखा है। इस फैसले के चलते कर्त्तव्य पथ पर इस साल हर तरफ देश का परचम लहराती हुई महिलाएं नजर आएंगी। हालांकि यह अचानक नहीं हो रहा, वर्तमान केंद्र सरकार लगातार सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है और अब सेना के तमाम क्षेत्रों में भविष्य का नेतृत्व महिलाओं को सौंपे जाने की तैयारी हो रही है।

सेना में दिख रहे कई बदलाव : हालांकि यह बहुत साहसी फैसला है कि कर्तव्य पथ पर मार्चिंग बैंड सिर्फ महिलाओं का हो, क्योंकि अभी तक मार्चिंग दस्ते में भी और मार्चिंग बैंड में भी पुरुषों का ही वर्चस्व रहा है। लेकिन अब धीरे-धीरे स्थितियां हर तरफ बदल रही हैं और आने वाले दिनों में ऐतिहासिक रूप से बदली हुई दिखेंगी। भारत की तीनों सेनाओं में आने वाले दिनों में महिलाएं, पुरुषों के बराबर भूमिकाओं में मौजूद होंगी। यह गर्व की बात है।

भारतीय संविधान में सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए गए हैं। लेकिन महिलाएं अपने अधिकारों का पूरा उपयोग नहीं कर पाती हैं। देश के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है कि वे अपने अधिकारों के प्रति सचेत हों।

स्वविवेक से हम करें अपने अधिकारों का उपयोग

आह्वान / आशा शर्मा

भारत का संविधान लिखते समय बाबा साहब आंबेडकर और उनकी प्रारूप समिति द्वारा समाज के सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखा गया था। आज हम अपने संविधान पर गर्व करते हैं, क्योंकि इसमें समाज की आधी आबादी को भी पूरे अधिकार दिए गए हैं। भारतीय संविधान में महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर अधिकार देने का प्रावधान है, लेकिन क्या सामाजिक स्तर पर भी संविधान की पालना की जाती है? क्या हमारा गण (समाज) भी तंत्र (संविधान) के समान महिलाओं को समता का अधिकार देता है? यदि नहीं तो महिलाओं के ऐसे बहुत से मौलिक अधिकार हैं, जिन पर गण और तंत्र की सोच के बीच के मतभेद को मिटाने की पहल करने की जरूरत है। यहां हम ऐसे ही कुछ मौलिक अधिकारों की सामाजिक स्थिति को देखने का प्रयास कर रहे हैं।

मतदान का अधिकार: संविधान का अनुच्छेद 326 हमें मतदान का अधिकार देता है। हमारे देश में संविधान द्वारा 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के हर व्यक्ति को मतदान का अधिकार दिया गया है। तंत्र के स्तर पर देखा जाए तो इसमें स्त्री-पुरुष में कोई भेद नहीं है, लेकिन सामाजिक स्तर पर देखें तो आज भी अधिकांश महिलाओं के वोट की स्थिति परिवार के पुरुषों द्वारा निर्धारित की जाती है। सुनो स्त्रियों! अब दूसरों द्वारा निर्देशित इस मानसिकता से बाहर निकलने का समय आ गया है। स्वयं विचार करो, सोचो-समझो फिर सही प्रत्याशी को अपने मत के जरिए चुनो।

शिक्षा का अधिकार : संविधान के अनुच्छेद 21, भाग 3 में शिक्षा का अधिकार दिया गया है। संविधान में 6 से 14 वर्ष के प्रत्येक बच्चे को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार है। इसके साथ-साथ सरकारें भी अपने स्तर पर महिला शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल करते हुए उनके हित में अनेक योजनाएं लाती हैं। लेकिन इतना सब कुछ होने के बावजूद सामाजिक स्तर पर आज भी महिला शिक्षा को अधिक महत्व नहीं दिया जाता। कोई परिवार यदि एक ही बच्चे को पढ़ाने में सक्षम है तो निश्चित रूप से वह बालक की शिक्षा को ही प्राथमिकता देगा बालिका की शिक्षा को नहीं। सुनो स्त्रियों! तुम चाहे कैसी भी परिस्थिति में रह रही हो लेकिन बेटे के समान ही अपनी बेटी को भी शिक्षा का अधिकार अवश्य दिलाओ।

समान वेतन का अधिकार : संशोधित अधिनियम-1976, अनुच्छेद-141 के अनुसार, संविधान में समान पद पर समान वेतन का अधिकार प्रदत्त है। लेकिन सामाजिक स्तर पर महिलाओं को यह अधिकार केवल सरकारी नौकरियों तक ही सीमित है। अन्य कई संस्थानों में आज भी महिला और पुरुषों के वेतनमान में असमानता देखी जाती है। सुनो स्त्रियों! अपने साथ हो रहे इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने से ना झिझको। आंदोलन करो और अपना हक लेकर ही मानो।

संपत्ति में अधिकार : हिंदू उत्तराधिकार संशोधन अधिनियम, 2005 के अनुसार, भारतीय संविधान महिलाओं को पैतृक संपत्ति में भी बराबर का अधिकार देता है। लेकिन अपने आस-पास के समाज में निगाह दौड़ाएं तो ऐसे कितने परिवार हैं, जो इस कानून को मानते हैं? आज भी पैतृक संपत्ति घर के बेटों में ही बराबर बंटती है। सुनो स्त्रियों! अपनी भावनाओं से खेलने का हक किसी को ना दो। अपने अधिकार का हिस्सा लेने में कैसी शर्म?

जीवनसाथी चुनने का अधिकार : संविधान का अनुच्छेद 21 महिलाओं को भी पुरुषों के समान अपना जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है। लेकिन क्या सचमुच महिलाएं ऐसा करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं? सच यह है कि आज भी उनकी सोच पर परिवार और समाज का पहरा होता है। ऑनर किलिंग जैसी घटनाएं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। सुनो स्त्रियों! अपने मन की सुनो। बिना किसी दबाव के अपना जीवनसाथी चुनो, क्योंकि उसके साथ जीवन तुम्हें बिताना है, समाज को नहीं। ऐसे ही और भी बहुत से अधिकारों के बारे में जागरूक होना होगा।

खबर संक्षेप

मॉर्निंग दिल्ली व शाम की मुंबई उड़ान कैंसिल

संतनगर। मौसम की ख़राबी के चलते भोपाल एयरपोर्ट पर उड़ानें लगातार प्रभावित हो रही है आज रविवार को एयर इंडिया की मॉर्निंग दिल्ली और इंडिगो एयरवेज़ की इवनिंग मुंबई उड़ान को रद्द किया गया जबकि इंडिगो एयरवेज़ की दिल्ली और जयपुर उड़ान भी क़रीब तीन घंटे देरी से भोपाल पहुँची। उड़ानें लेट होने से यात्रियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा।

दो दिनी सर्जीकल कांफ्रेंस में व्याख्यान

भोपाल। ऐसोसिएशन ऑफ कोलोरेक्टल सर्जनस ऑफ इंडिया द्वारा दो दिवसीय सर्जीकल कांफ्रेंस पाइलोनिडोकान 2024 को आयोजन जेके अस्पताल में किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ प्रदीप शर्मा ने आप्स्ट्रेकेटिक डिफीकेटरी सिंड्रोम पर व्याख्यान दिया। मीडिया प्रभारी डॉ. आईके चुघ ने बताया कि कांफ्रेंस में पाइलोनिडल डिसीज (साइनस) पर विस्तार से इलाज के संबंध में लिव ऑपरेटिव वर्कशॉप और क्लीनिकल प्रजेंटेशन हुए।

मंदसौर में रेलवे के जेई का कार में मिला शव

भोपाल। रतलाम रेलवे डिवीजन हेडक्वार्टर में तैनात जूनियर इंजीनियर दीक्षांत पंड्या का शव रविवार दोपहर मंदसौर जिले के भावगढ़ थाना क्षेत्र के खोड़ाना गांव में तालाब किनारे खड़ी कार में पाया गया है। वे कारगो एंड वैगन डिपार्टमेंट में कार्यरत थे। पुलिस मुताबिक जेई के शव पर चार गोलियों के निशान थे। कार जेई की ही बताई जा रही है। हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग की बात सामने आ रही है। मोहसिन नाम का युवक और जेई की एक ही युवती से दोस्ती थी। पुलिस मोहसिन की तलाश कर रही है।

खुशीलाल आयुर्वेद में दो दिनी सेमिनार आज से

भोपाल। पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान साइंस हिल्स में 23 एवं 24 जनवरी को दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। सेमिनार विषय डॉक्यूमेंटेशन एड साइंटिफिक इवेलुएशन ऑफ फ्लोर टू एनरिच आयुर्वेदिक फार्माकोपोया होगा। सेमिनार में देश के विभिन्न प्रांतो से विषय विशेषज्ञ अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। प्रदेश के आयुर्वेद महाविद्यालय के फैकल्टी एवं पीजी स्कॉलर्स कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

इस माह के अंत तक हट जाएगा बैरागढ़ का कॉरीडोर

दूसरे दिन निकाली जालियां, तुरंत ही हटाईं भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी का बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस) को हटाने का काम दूसरे दिन रविवार को भी जारी रहा। पहले दिन स्टाप सहित बैरागढ़ के बस स्टैंड तक की जाली हटाई गई, जबकि दूसरे दिन मार्केट के सामने तक का कॉरीडोर हटाया। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार अब कॉरीडोर हटाने का काम निरंतर जारी रहेगा। इस माह के अंत तक पूरे बैरागढ़ से सीहोर नाके तक की पूरी जाली हटा दी जाएगी। इसके साथ ही रोड साफ करने और सुधारने का काम भी चलता रहेगा। जिस क्षेत्र की जाली हटाई जा रही है, वहां आसपास ब्रेकर भी लगा दिए गए हैं। कॉरीडोर हटाने के लिए ट्रैफिक प्लान न बनने से कॉरीडोर से निकाली जा रहीं जालीं, तुरंत ही वहां से हटाई जा रही हैं।

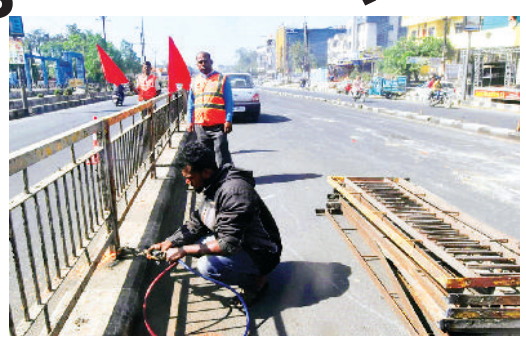

रविवार अवकाश का उठाया लाभ

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार बीआरटीएस के दोनों ओर दिन में ट्रैफिक ज्यादा रहता है, लेकिन रविवार को ट्रैफिक कम रहने से दिन में भी जाली हटाने का काम चलता रहा। मिसरोद से एम्प्री तकए रोशनपुरा से कमला पार्क और कलेक्टोरेट से लालघाटी के बीच बीआरटीएस को तोड़ने भी नगर निगम ने तैयारी शुरू कर दी।

नगर निगम की तैयारी भी शुरू

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार बैरागढ़ में कॉरीडोर हटाने का काम पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जा रहा है। नगर निगम इसमें सहयोग देने के साथ ही मिसरोद से कमला पार्क तक का बीआरटीएस हटाने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए कंपनी को ठेका दे दिया गया, जो निगम की देखरेख में काम शुरू करेगा।

एमपी नगर सहित शहर के कई क्षेत्रों में की बकायादारों की संपत्ति कुर्क

मानसरोवर कॉम्प्लेक्स में भी निगम ने तीन सम्पत्ति की कुर्क, जहांगीराबाद में 9 नल कनेक्शन बंद किए

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नगर निगम द्वारा सम्पत्तिकर एवं जल उपभोक्ता प्रभार सहित अन्य करों व शुल्कों की प्रभावी ढंग से वसूली की जा रही है। साथ ही सम्पत्तिकर व जल उपभोक्ता प्रभार के बकायादारों के विरूद्ध कार्रवाई भी की जा रही है। इसी क्रम में निगम अमले ने एमपी नगर व मान सरोवर काम्प्लेक्स में 3 दुकानों पर तालाबंदी की कार्रवाई की। जहांगीराबाद में जल उपभोक्ता प्रभार के 4 बकायादारों के नल कनेक्शन बंद करने की कार्रवाई की गई है।

निगम के जोन 10 के अमले ने वार्ड 45 के अंतर्गत बकायादारों के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए एमपी नगर भवन क्रमांक 252 पर बकाया कर 1 लाख 84 हजार 182 रुपए का भुगतान न करने पर ताला लगा दिया।

इसी प्रकार वार्ड 35 के अंतर्गत बड़ वाली मस्जिद जहांगीराबाद क्षेत्र में जल उपभोक्ता प्रभार के बकायादारों के 4 भवनों में लगे 9 नल कनेक्शन बंद किए।

लाखों का बकाया

वहीं मान सरोवर काम्प्लेक्स स्थित दुकान एलएफ.22 पर बकाया राशि 87 हजार 758 व दुकान एलएफ.23 बकाया कर की राशि 91 हजार 868 का भुगतान न किए जाने पर उक्त दुकानों की तालाबंदी की गई।

कलेक्टरों को जारी किए निर्देश

पेपर लीक की भ्रामक जानकारी के विरुद्ध करें जागरूक:माशिमं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ अन्य परीक्षाओं के सोशल मीडिया पेपर लीक संबंधी भ्रामक जानकारी फैलाए जाने के विरूद्ध जिला कलेक्टर्स को स्कूल शिक्षा विभाग ने जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश जारी किए हैं। इस अभियान में शिक्षा विभाग के संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी को सक्रिय सहयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। आयुक्त लोक शिक्षण अनुभा श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि बोर्ड परीक्षाओं के नजदीक आने के साथ ही सोशल मीडिया पर विद्यार्थियों से धोखाधड़ी करने वाले कई ग्रुप सक्रिय हो जाते हैं। यह ग्रुप झूटी जानकारी देकर भ्रम की स्थिति पैदा करते हैं। जालसाजी कर विद्यार्थियों से यूपीआई डिटेल्स भी प्राप्त कर लेते है और ब्लेकमेल भी करते हैं। इन्हें रोकने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग स्वयंसेवी संगठनों के साथ मिलकर जनजागरूकता अभियान चलाने का प्रयास कर रहा है।

तत्काल सूचना देने को कहा

स्कूल शिक्षा विभाग ने अभिभावकों और विद्यार्थियों से कहा है कि उनके साथ इस तरह के कोई भी प्रस्ताव सोशल मीडिया एवं अन्य साधनों से प्राप्त होते है तो उन पर विश्वास न करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और कलेक्ट्रेट में इसकी जानकारी दें। इन सोशल ग्रुप के खिलाफ पुलिस के माध्यम से तत्काल कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने सभी सरकारी और प्रायवेट स्कूल से इस मामले में सजग रहने के लिए कहा है।

जय श्रीराम बोलने पर 7वीं के छात्र को पीटा

भोपाल। शहडोल जिले में जय श्री राम बोलने पर टीचर ने स्टूडेंट को पीट दिया। परिजन को जानकारी लगी तो वे हिंदू संगठन के सदस्यों के साथ थाने पहुंच गए। यहां देर तक चले हंगामे के बाद पुलिस ने आरोपी टीचर और स्कूल डायरेक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

- स्कूल डायरेक्टर और इंग्लिश टीचर गिरफ्तार

पुलिस ने बताया कि क्लास में शिक्षक की अनुपस्थिति में सातवीं कक्षा के छात्र नितिन गुप्ता ने जय श्रीराम के जयकारे लगा दिए थे। इसी दौरान क्लास के बाहर से गुजर रहे इंग्लिश टीचर अब्दुल वाहिद ने छात्र को बुलाया। उसे डांटने के साथ पिटाई कर डाली। छात्र ने स्कूल डायरेक्टर शरीफ नियाजी से इस बात की शिकायत की लेकिन उन्होंने भी उसे डांटकर भगा दिया।

5वीं वर्षगांठ पर साइकिल रैली निकाली

एम्स में 170% बढ़े ट्रॉमा और इमरजेंसी में आने वाले मामले

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के एम्स में ट्रॉमा एवं इमरजेंसी मेडिसिन विभाग ने रविवार को अपनी स्थापना की पांचवी वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर एम्स डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने ट्रॉमा एंड इमरजेंसी मेडिसिन की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि टीम के कठिन परिश्रम से ही एम्स पर लोगों का भरोसा बढ़ा है। पिछले एक वर्ष में ट्रॉमा एवं इमरजेंसी में आने वाले केसों में 170 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्षगांठ को मनाने के लिए भोपाल बाइसिकल राइडर्स ग्रुप के सहयोग से सुबह सात बजे साइकिल रैली का भी आयोजन किया गया। साइकिल रैली को एम्स के उपनिदेशक कर्नल डॉ अजीत कुमार ने झंडी दिखाकर रवाना किया। एम्स के ट्रॉमा एवं इमरजेंसी विभाग से शुरू हुई 17 किलोमीटर लंबी ये साइकिल रैली शहर के विभिन्न हिस्सों से होती हुई वापस एम्स पहुंची। इस साइकिल रैली में 70 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विभाग के प्रमुख डॉ यूनुस ने बताया कि ट्रॉमा और इमरजेंसी सेवाओं के पांच साल पूरे होने पर आयोजित इस रैली का उद्देश्य है कि लोगों को शिक्षित करना उन्हें सशक्त बनाना और दुर्घटना होने से रोकना। तकरीबन 17 किलोमीटर के सफर के दौरान रास्ते में मिलने वाले लोगों को दुर्घटना रोकने के लिए क्या करना चाहिए इस संबंध में जागरूक भी किया गया और पंपलेट बांटे गए। ट्रॉमा एवं इमरजेंसी मेडिसिन विभाग की स्थापना की इस पांचवी वर्षगांठ को मनाने के लिए पूरे सप्ताह कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

पुलिस ने दर्ज किया चोरी का केस

कुत्ता घुमा रहे छात्र से मोबाइल लेकर भागे बाइक सवार लुटेरे

भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित टू ए साकेत नगर में बाइक सवार लुटेरों ने छात्र का मोबाइल झपट लिया। घटना शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे के आसपास की है। पुलिस ने छात्र की शिकायत पर लूट का मामला न दर्ज करते हुए चोरी का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार अभिनव सिंह पिता विद्यप्रकाश सिंह (21) मकान नंबर 176, टू ए साकेत नगर, बागसेविनया में रहता है और कॉलेज में पढ़ता है। उसने पुलिस को बताया कि शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे वह अपने डॉग को घर के सामने घुमा रहा था और मोबाइल पर दोस्त से बात भी कर रहा था। इस दौरान बाइक से आए दो लुटेरों ने उनके हाथ से मोबाइल छीन लिया। वह कुछ समझ पाते इससे पहले ही लुटेरे तेजी से बाइक चलाकर भाग निकले। लूटे गए मोबाइल की कीमत 39 हजार रुपए है। मामले में पुलिस का कहना है कि बाइक पर पीछे बैठे युवक ने अभिनव के हाथ पर धक्का मारा था और उसका मोबाइल नीचे गिर गया। नीचे गिरे मोबाइल को बाइक से उतरे युवक ने उठाया और अपने साथी की बाइक पर बैठकर भाग निकला।

कुछ दिन पूर्व भी हुई थी ऐसी ही लूट की घटना

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व ही थाने से चंद कदमों की दूरी पर इसी तरह की लूट की घटना हुई थी और पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया था। पुलिस की दलील है कि घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

1986 बैच के वन बल प्रमुख अभय कुमार पाटिल 31 जनवरी को होंगे रिटायरमेंट

वाइल्ड लाइफ के पीसीसीएफ असीम श्रीवास्तव होंगे अगले वन बल प्रमुख

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय वन सेवा के 1988 बैच के अधिकारी असीम श्रीवास्तव प्रदेश के अगले वन बल प्रमुख होंगे। 1986 बैच के वन बल प्रमुख अभय कुमार पाटिल 31 जनवरी को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। श्रीवास्तव अगले वन बल प्रमुख बनते हैं तो इनका कार्यकाल जुलाई वर्ष 2025 तक के लिए होगा। भावसे के 1988 बैच के पांच अधिकारी ऐसे हैं जो वन बल प्रमुख बनने की रेस में है। 1988 बैच के अतुल श्रीवास्तव जो मौजूदा समय में कार्य आयोजना शाखा के प्रमुख हैं। आरके यादव प्रशासन एक के मुखिया हैं। अनुसंधान एवं विस्तार शाखा के प्रमुख पीके सिंह, कमलेश चतुर्वेदी और बीके अंबाडे जो प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली में तैनात हैं। इनके नाम पर भी चर्चा चल रही है। हालांकि विभाग में लंबे समय से एक परंपरा है कि सबसे सीनियर को ही वन बल प्रमुख की जिम्मेदारी मिलती है। इस लिहाज से देखा जाए तो असीम श्रीवास्तव का नाम सबसे ऊपर बताया जा रहा है।

विकास निगम में एमडी का पद खाली

अभय कुमार पाटिल वन बल प्रमुख बनने से पहले राज्य वन विकास निगम के एमडी पद पर तैनात थे। उसके बाद से ही विकास निगम में यह पद खाली है। हालांकि विभाष ठाकुर को एमडी की अतिरिक्त जिम्मेदारी विभाग ने सौंप रखा है। लघु वनोपज संघ के एमडी पुष्कर सिंह के रिटायर होने के बाद एक महीने से इस पद पर किसी की तैनाती नहीं हुई है। जानकारों का कहना है कि फेडरेशन में अपर प्रबंध संचालक के 7 और वन विकास निगम में 6 पद खाली हैं। इन पदों पर तैनाती न होने से विभाग में कामकाज पर साफ असर देखने को मिल रहा है। अब नई सरकार आने से उम्मीद है कि जल्द खाली पदों पर अधिकारियों को तैनात किया जाएगा।

भारत सभी धर्मों का आदर करने वाला राष्ट्र : अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 22 जनवरी, 2024 को दोपहर 2:30 बजे विज्ञान संकाय के ड्रीम बिल्डिंग के सभागार में 'हमारे राम' विषयक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. योगेश सिंह के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर क्षेत्र के बौद्धिक प्रमुख श्री अजय कुमार मुख्य अतिथि रहे।मुख्य अतिथि श्रीमान अजय कुमार ने कहा कि राम धर्म के साक्षात स्वरूप हैं। राम गुण समुच्चय हैं और सदैव वर्तमान हैं। हमें राम का आह्वान करना है तो पहले राम जैसा बनना होगा। हमारी संस्कृति हमारी भाषाओं में प्रवाहित होती है इसलिए अपनी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए हमें अपनी भाषा का अंतःकरण से अनुकरण करने की आवश्यकता है। राम केवल मंदिर के नहीं बल्कि हमारे हृदय का विषय होने चाहिए। हमारे राम हमारी भाषा, भूषा, भोजन, भजन, भ्रमण और भाव में दिखने चाहिए। गोष्ठी की प्रमुख विशेषता इसके अखिल भारतीय स्वरूप का होना रही। गोष्ठी में हिंदी के समानांतर ही संस्कृत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बंगला, असमिया, पंजाबी, मराठी, मणिपुरी आदि विभिन्न भारतीय भाषाओं के कवियों कवयित्रियों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं।

चाइनीज मांझे से गला कटने से युवक की मौत, चार वर्ष के बच्चे की हालत गंभीर

देवबलोदा से जी केबिन के बीच सड़क पर हुआ हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

पतंग के चाइनीज मांझे से गला कटने से एक युवक की मौत हो गई। युवक राजनांदगांव का रहने वाला था और अपनी मौसी के घर देवबलोदा आया हुआ था। सोमवार की सुबह वो अपने चार वर्षीय मौसेरे भाई को लेकर जी केबिन की ओर जा रहा था।

इसी दौरान देवबलोदा से जी केबिन के बीच मार्ग पर वो हादसे का शिकार हो गया है।

अपने मौसी के घर आया हुआ था युवक

गले में मांझा फंसने से उसकी गले की नस कट गई और वे दोनों बाइक समेत गिर गए। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां युवक की मौत हो गई और उसके मौसेरे भाई की हालत गंभीर बनी हुई है। मामले में जीआरपी ने प्राथमिकी कर मामले की जांच शुरू की है। पुलिस ने बताया कि ग्राम बेलरगोंदी थाना गैंदाटोला जिला राजनांदगांव निवासी अजय टांडेकर उर्फ अज्जू (18) अपनी मौसी के घर देवबलोदा चरोदा आया हुआ था। वो सोमवार की सुबह करीब 10:30 बजे अपने मौसेरे भाई विहान भोंडेकर को लेकर जी केबिन की तरफ जा रहा था। देवबलोदा के पास मैदान में कुछ युवक पतंग उड़ा रहे थे। पतंग का मांझा अजय टांडेकर उर्फ अज्जू के गले में फंस गया। अजय कुछ समय पाता, इसके पहले मांझे से उसका गला कट गया।

सात खंभों को काट कबाड़ी को बेचा, चार आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। क्षेत्र में चोरों के हौसले इतने बढ़ गए हैं कि बिजली के खंभे काट कर चोरी करने लगे हैं। पिछले दिनों ग्रामीण क्षेत्र से चोरों ने सात बिजली के खंभे काट कर पिकअप में भर कबाड़ी के पास जाकर बेच दिया। पुलिस ने पिकअप मालिक जगदीश पटेल 38 साल निवासी ग्राम चचिया थाना करतला को पकड़कर पूछताछ की, तो उसने अपने सहयोगियों जावेद मेमन, गेंदराम बघेल तथा अब्दुल रब उर्फ टिपू के साथ चोरी करने कबूला। इस पर पुलिस ने दबिश देकर सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया।

उज्जैन व्यापार मेले की तैयारियां तेज, मार्च से अप्रैल में होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में मार्च से अप्रैल में आयोजित होने वाले उज्जैन व्यापार मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्य सचिव वीरा राणा की अध्यक्षता में दिन मंत्रालय में समीक्षा बैठक में उज्जैन व्यापार मेले से संबंधित विभिन्न विभागों की गतिविधियों की रूपरेखा तय की गई। उज्जैन व्यापार मेले का आयोजन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की ओर से किया जा रहा है। नगरपालिक निगम उज्जैन को नोडल एजेंसी बनाया है। उज्जैन व्यापार मेले के लिए विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसमें नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने मेले में होने वाले संभावित व्यय का वहन, आवंटित की जाने वाली दुकानें, मनोरंजन एवं खानपान जोन के लिये स्थल किराया से उपलब्ध कराने जैसे कार्य, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा मेले में होने वाले इन्वेस्टर समिट एवं व्यय की व्यवस्था औद्योगिक निवेश एवं प्रोत्साहन विभाग की ओर से की जाएगी।

रोड टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत होगा

परिवहन विभाग व्यापार मेले में विक्रय होने वाले गैर-परिवहन वाहनों तथा छोटे परिवहन पर शुल्क एवं रोड टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट संबंधी प्रस्ताव के संबंध में मंत्रि-परिषद के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए

वाणिज्यिक कर विभाग ने मेले में विक्रय होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद के विक्रय पर एसजीएसटी छूट के संबंध में परीक्षण कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। पर्यटन, कलेक्टर उज्जैन और जिला वाणिज्यिक कर अधिकारी मेले को आकर्षित बनाने के लिए सुझावों के तहत पर्यटन विभाग की ओर से मेले के दौरान क्रय-विक्रय के प्रमाण के आधार पर वास्तविक क्रेता-विक्रेता को महाकाल दर्शन के लिए वीआईपी श्रेणी का एक बार दर्जा दिया जाना तथा एक निश्चित समयावधि के लिए मध्यप्रदेश पर्यटन निगम के प्रदेश स्थित होटलों में यथा निर्णित छूट का प्रावधान संबंधी कार्रवाई करेगा। कलेक्टर उज्जैन और नगरपालिक उज्जैन मेले के दौरान विक्रेता कम्पनी की ओर से नवीन एवं अभिनव तैयार उत्पाद लोकार्पित करने पर आयोजन समिति से विशेष यथोचित सहयोग प्रदान करना और व्यावसायिक स्थल के आवंटन में उज्जैन के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को प्राथमिकता दी जाना शामिल है। कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के अधीनस्थ निगम एवं बोर्ड मेले में उत्पादों के विक्रय पर आकर्षक छूट प्रदान की जाए।

संचालिका से गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी

झूठे केस में फंसाने की दी धमकी प्रकरण दर्ज

जमीनी विवाद में स्कूल संचालिका ने रोटरी क्लब अध्यक्ष को जड़ा तमाचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी के आमानाका इलाके में स्कूल की जमीन को लेकर विवाद हो गया। दोनों पक्षों में जमकर गाली-गलौज और झगड़ा हुआ। विवाद के दौरान स्कूल संचालिका ने रोटरी क्लब रायपुर कास्मो पालिटन के अध्यक्ष को तमाचा जड़ दिया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में अपराध दर्ज कराया है।

पुलिस के मुताबिक, रायपुर में गोविंद नगर इलाके के रहने वाले रविंदर सिंह रोटरी क्लब रायपुर कास्मो पालिटन के अध्यक्ष हैं। महोबा बाजार के श्रीराम चौक पर रोटरी क्लब ट्रस्ट की जमीन पर कृष्णा किड्स एकेडमी स्कूल संचालित हो रहा है।

किराएदारी की अवधि खत्म हो चुकी

यह जमीन 2018 में रोटरी क्लब की ओर से स्कूल संचालित करने के लिए प्रगति वाजपेयी और उनके पति मोहित वाजपेयी को दी गई थी। यह केवल पांच साल के लिए दिया गया था। किराएदारी की अवधि खत्म हो चुकी थी। इसी बात को लेकर शनिवार को विवाद हुआ। एफआइआर के मुताबिक विवाद के दौरान प्रगति ने आग लगाकर या फांसी लगाकर खुदकुशी करने के बाद रविंदर सिंह को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। वहीं रविंदर और उनके साथियों पर भी आरोप है कि उन्होंने प्रगति के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी है। रविंदर की शिकायत पर प्रगति और उनके पति मोहित के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। दूसरी ओर प्रगति की शिकायत पर रविंदर व साथियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

दूसरे पक्ष ने भी दर्ज कराई रिपोर्ट

वहीं दूसरे पक्ष से प्रगति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि शनिवार को रविंदर सिंह अपने साथी दीपक खैर व मृणाल अग्रवाल के साथ दोपहर करीब एक बजे स्कूल पहुंचे। उस समय स्कूल में छात्र-छात्राएं भी थे। रविंदर ने प्रगति और उनके पति से स्कूल खाली करने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद होने लगा। इस दौरान प्रगति ने रविंदर को तमाचा जड़ दिया और दोनों के बीच धक्का मुक्की भी होने लगी।

छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान, प्रेमी के खिलाफ मामला दर्ज

बिलासपुर। टिकरापारा में किराए के मकान में रहकर पीएससी की तैयारी कर रही छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इससे पहले उसने एक सुसाइड नोट भी लिखा है। इसमें उसने परिवार वालों से माफी मांगी है। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर मामले को जांच में लिया। स्वजन के बयान और जांच में मिले तथ्यों के आधार पर पुलिस ने युवती के प्रेमी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है। कोतवाली थाना प्रभारी कमला पुसाम ने बताया कि पता चला कि युवती का रायगढ़ जिले में ही रहने वाले राजू सारथी से प्रेम प्रसंग चल रहा था। वह युवती का दूर का रिश्तेदार भी है। कुछ दिन पहले युवक ने किरण को छोड़ दिया था। इससे वह परेशान रह रही थी।

सार्वजनिक सूचना

"सिक्स्टी थ्री गोल्फ़ ड्राइव" (मैसर्स सनरेज़ हाइट्स प्राइवेट लिमिटेड)
मांग तथा प्री कैंसिलेशन की अंतिम सूचना (हरियाणा किफायती आवास नीति, 2013 के तहत)

इस नोटिस के माध्यम से नीचे सूची में शामिल कंपनी द्वारा विकसित ऊपर लिखित किफायती सामूहिक हाउसिंग प्रोजेक्ट के आवंटियो को सूचित किया जाता है, कि उनके द्वारा उक्त स्कीम में आवंटित भवन के सापेक्ष में उनके द्वारा अपनी किश्तों तथा उस पर लगे ब्याज आदि का भुगतान बिल्डर बायर एग्रीमेंट तथा हाउसिंग पालिसी की शर्तों के अनुरूप नहीं किया गया, फलस्वररूप उनका आवंटन स्वत ही उक्त पालिसी के नियम एवं शर्तों के आधार पर निरस्त हो गया है। कंपनी के द्वारा विभिन्न संचार माध्यमों से सम्पर्क कर उनकी जमा धन राशि की वापसी के सारे प्रयास करने के बावजूद भी अभी तक उनके द्वारा हाउसिंग पालिसी के अनुसार जमा रकम की वापसी हेतु आवश्यक औपचारिकताएं पूरी नहीं की गयी है। अतः इस नोटिस के माध्यम से उन्हें अंतिम मौका दिया जा रहा है कि वे इस नोटिस की तारीख से सात दिनों के अंदर कंपनी को संपर्क कर अपनी-अपनी रकम वापसी की औपचारिकताएं पूरी करे, अन्यथा हर हर्जे-खर्चे तथा नुकसान के लिए वे स्वयं ज़िम्मेदार होंगे।

क्र. सं.	फ्लैट सं.	आवेदन सं.	आवंटी का नाम	क्र. सं.	फ्लैट सं.	आवेदन सं.	आवंटी का नाम
1	बी74	एसजीडीसी8557	पदम सिंह	17	ई117	एसजीडीए3306	भावना कौशिक
2	बी92	एसजीडीबी0898	रावेन्द्र सिंह	18	ई118	एसजीडीए6823	कनिका गुप्ता
3	सी122	एसजीडीबी4412	भावना दहिया	19	ई37	एसजीडीए4334	अनिल कुमार
4	सी26	एसजीडीजी0021	आशीष अग्रवाल	20	ई46	एसजीडीबी2204	राकेश महलवाल
5	सी43	एसजीडीए6362	सुनील दत्ता	21	ई48	एसजीडीबी5369	आशीष यादव
6	सी46	एसजीडीजी0537	तन्मय कांत	22	एफ28	एसजीडीबी3444	अक्षय वशिष्ठ
7	सी51	एसजीडीजी0081	अनिल कुमार यादव	23	एफ34	एसजीडीजी0132	बाबूलाल सैनी
8	सी62	एसजीडीबी0787	हेमांक कपूर	24	जी18	एसजीडीए7023	जय पाल सिंह
9	सी76	एसजीडीबी5924	सुनीता मल्होत्रा	25	जी34	एसजीडीबी6795	नरेश कुमार
10	डी16	एसजीडीबी4763	दिलविंदर सिंह	26	जी81	एसजीडीए7461	कपिल कुमार
11	डी22	एसजीडीए3209	बिरधी चंद खटर	27	जी96	एसजीडीबी1167	गीतिका शर्मा
12	डी25	एसजीडीजी5700	दीपक शर्मा	28	एच126	एसजीडीबी6107	प्रियंका अग्रवाल
13	डी31	एसजीडीबी0260	डाल चंद सैनी	29	एच22	एसजीडीजी0025	पूजा सुनेजा
14	डी66	एसजीडीजी0167	अनामिका सेनगुप्ता	30	एच74	एसजीडीजी-131	राजेंद्र कुमार
15	डी73	एसजीडीबी1935	अचिन भारद्वाज	31	जे104	एसजीडीए2064	मुकेश कुमार
16	डी83	एसजीडीबी2247	प्रकाश कुमार	32	जे105	एसजीडीबी4846	रुचिका यादव

हस्ताक्षर/— मैसर्स सनरेज़ हाइट्स प्राइवेट लिमिटेड (परियोजना प्रस्तावक)

चिंतन

भारतीय सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का आरंभकाल

प्राण प्रतिष्ठा

अवधेश कुमार

आज 22 जनवरी सोमवार को भारत का करीब 500 वर्ष का सपना पूरा हुआ। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। अब रामलला एक दिव्य मंदिर में विराजेंगे। वास्तुकला की पारंपरिक नागर शैली में निर्मित मंदिर, लंबाई में 380 फुट (पूर्व-पश्चिम), चौड़ाई में 250 फुट और ऊंचाई में 161 फुट आकार का है। यह 392 स्तंभों पर टिका है और इसमें 44 दरवाजे हैं। 22 जनवरी की तारीख एक नए कालचक्र का उद्गम है। यह क्षण पवित्रतम है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का राजनीतिक लाभ लेने की जो भी कोशिश हो, लेकिन सबसे अधिक इसका सांस्कृतिक महत्व ही है। भारतीय समावेशी संस्कृति के प्रतीक पुरुष श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर में विराजना सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का आरंभकाल है। आज समूचा देश राममय है। अमेरिका, कनाडा, रूस, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, ब्रिटेन, यूएई आदि समेत विश्वभर में बसे हिंदुओं में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर खुशी है। पाकिस्तान और कतर जैसे देशों के मीडिया में जरूर भारत को लेकर नकारात्मक रुख हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि भारत के संविधान में ही शिव, राम, कृष्ण, बुद्ध अंकित हैं। पाक ने तो खुद को इस्लामिक राष्ट्र ही बना लिया है, तो वह किस मुंह से भारत को धर्मनिरपेक्षता की नसीहत दे रहा है? खैर, आज राम के सबको साथ लेकर चलने के संदेश को आत्मसात करने का दिन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को एक नए युग के आगमन का प्रतीक करार दिया और लोगों से अगले 1,000 वर्षों के मजबूत भारत की नींव बनाने का आह्वान किया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद 'सियावर रामचंद्र की जय' और 'जय श्री राम' के उद्घोष से समूची अयोध्या गुंजायमान हो उठी। अयोध्या में रामलला की स्थापना जीत का नहीं, राम की विनम्रता व विनयशीलता की प्रतिस्थापना है। यह राम मंदिर समृद्ध और विकसित भारत के उदय का गवाह बनेगा। यह केवल एक मंदिर भर नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आध्यात्मिक चेतना के उत्थान का प्रतीक स्थल है। आज जिस तरह समूचे देश में राम के प्रति आस्था का सैलाब उमड़ा, यह प्रमाण है कि भारत के जनमानस में प्राण प्रण से राम स्थापित हैं। भारत की सांस्कृतिक पहचान राम हैं, जो समूचे राष्ट्र को जोड़कर रखते हैं। भगवान राम देश के संविधान की पहली प्रति में निवास करते थे। संविधान के अस्तित्व में आने के बाद भी दशकों तक प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को लेकर कानूनी लड़ाई चली। भारत की न्यायपालिका ने न्याय की लाज रखी। राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त हुआ। आज देश को सदियों के राम मंदिर को लेकर धैर्य की धरोहर मिली है। राम मंदिर भारत की दृष्टि का, दर्शन का, दिग्दर्शन का मंदिर है। यह राष्ट्र चेतना का मंदिर है। अयोध्या में केवल श्रीराम के विग्रह रूप की प्राण प्रतिष्ठा नहीं हुई है, बल्कि यह राम के रूप में भारतीय संस्कृति के प्रति अटूट विश्वास की भी प्राण प्रतिष्ठा है व यह मानवीय मूल्यों और सर्वोच्च आदर्शों की भी प्राण प्रतिष्ठा है। रामलला के इस मंदिर का निर्माण भारतीय समाज के शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव और समन्वय का भी प्रतीक है। जो लोग आमंत्रण ठुकराकर अपनी राजनीति के चलते अयोध्या नहीं गए, उन्हें राम की विनयशीलता से सीखना चाहिए, उन्हें समझना चाहिए कि राम विवाद नहीं समाधान हैं। राम आग नहीं ऊर्जा हैं, आज समूचा राष्ट्र राम की सांस्कृतिक व आध्यात्मिक ऊर्जा से ऊर्जामय है। हम अतीत की कड़वाहट से बाहर निकलें और एक समावेशी राष्ट्र के निर्माण के लिए आगे बढ़ें।

बदले भारत का प्रतीक बनी अयोध्या

> प्राण प्रतिष्ठा के विरुद्ध बयानों से विवाद करने वालों के बारे में अगर पूछिए तो लोगों की प्रतिक्रिया या तो गुस्से में है या बहुत सारे लोगों के लिए मायने ही नहीं रखता। अयोध्या लंबे समय से आने वाले लोग बता रहे हैं कि हमने कभी कल्पना ही नहीं की थी कि इस तरह का बदला हुआ चित्र हमें दिखाई देगा। गांधी जी ने कहा है कि धर्म ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत दुनिया में बड़ा हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार तथा दूसरे धार्मिक सांस्कृतिक आध्यात्मिक संगठनों-समूहों ने लंबे समय तक काम करके भारत की सोई हुई धार्मिक आध्यात्मिक चेतना की जागृति में भूमिका निभाई है। किसी भी राष्ट्र के जीवन में इस तरह की जागृति सुखद व अच्छे भविष्य का ही द्योतक हो सकता है।

मैं पिछले कई दिनों से अयोध्या में हूं। हमारे देश के उन बुद्धिजीवियों और नेताओं को, जो समय की धारा को नहीं पहचानते, अयोध्या के वातावरण का अनुमान भी नहीं होगा। आप कल्पना करिए कि कैसा माहौल है? पूरे अयोध्या जिला को पुलिस ने सील कर दिया। जिन्हें निमंत्रण है, जिनको पास मिला है, वही गाड़ियां 21- 22 - 23 जनवरी को अयोध्या आ सकी है । बावजूद हजारों की संख्या में सभी उम्र के लोग अयोध्या पहुंचे हुए हैं। मुख्य सड़कें लोगों से भरी हुई रही। लोग पैदल चल कर भी अयोध्या पहुंचे हैं। यहां भारी सुरक्षा सख्ती है। लोगों को असुविधाएं हैं। बावजूद मैंने जितने भी सामान्य लोगों से बात की किसी ने भी इस पर प्रश्न नहीं उठाया। पुलिस ने लोगों को रोका हुआ है, लोग सड़कों पर खड़े हैं लेकिन ज्यादातर के चेहरे पर प्रसन्नता का भाव है। ऐसा वातावरण इसके पहले शायद ही किसी ने देखा होगा। आम तौर पर जब सुरक्षा सख्त होती है तो लोगों की आवाज उसके विरुद्ध निकलती है लेकिन अब किसी से पूछिए तो कहेंगे कि हमें कोई परेशानी नहीं है। दर्शन आज नहीं तो कल हो जाएगा। इसका अर्थ क्या है?

भारत के सामूहिक मानस का यही बदलाव आज समझने की आवश्यकता है। अगर आप थोड़ी सूक्ष्मता से विचार करेंगे तो ऐसा लगेगा कि संपूर्ण अयोध्या भारतमय है राममय है और संपूर्ण भारत इस समय अयोध्यामय और राममय हो गया है। अयोध्या के भारतमय, राममय और भारत के राममय में होने के गहरे निहितार्थों को भी समझना आवश्यक है। किसी भी देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण की धाराएं इसी तरह प्रभावी होती हैं। राम मंदिर का आंदोलन किसी सामान्य मंदिर निर्माण का आंदोलन नहीं था। यह यह ध्वस्त की गई मंदिर के पुनर्निर्माण के द्वारा भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आंदोलन था। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के साथ-साथ दिखाई पड़ रहा है कि स्वतः स्फूर्त भाव से उत्साह और उमंग लिए हुए लोगों का अयोध्या आगमन सांस्कृतिक पुनर्जागरण के धीरे-धीरे सशक्त होने का प्रमाण है। या इस बात को प्रमाणित करता है कि जिन लोगों ने अयोध्या में मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाने के विरुद्ध तथा राम मंदिर के पुनर्निर्माण के आंदोलन की कल्पना की वे वाकई दूरदर्शी थे। अयोध्या का चित्र बता रहा है कि भारत के आम लोगों ने अपनी भावनाओं और व्यवहार से उन सबको सच्ची श्रद्धांजलि देने की शुरुआत कर दी है।

प्राण प्रतिष्ठा के विरुद्ध बयानों से विवाद करने वालों के बारे में अगर पूछिए तो लोगों की प्रतिक्रिया या तो गुस्से में है या बहुत सारे लोगों के लिए मायने ही नहीं रखता। वास्तव में यह भारत में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक क्रांति की लहर जैसी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व दक्षिण भारत में तमिलनाडु के उन मंदिरों-धर्म स्थानों का दौरा किया जहां वन यात्रा में रामचंद्र जी गए थे या उनसे जुड़े या उनकी भक्ति से जुड़े हुए हैं। तमिलनाडु से सनातन और हिंदुत्व के विरुद्ध तथा उत्तर दक्षिण को बांटने के स्वर के मध्य तथा प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व इस यात्रा के प्रभावों का आकलन करने में थोड़ा समय लगेगा। प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा से उत्तर

और दक्षिण का भेद खड़ा करने की चेष्टा का सकारात्मक सांस्कृतिक आध्यात्मिक प्रत्युत्तर मिला है। आम लोगों के लिए इसके कोई मायने नहीं है कि किसे निमंत्रण मिला, किसे नहीं मिला, कौन आए कौन नहीं आए। अयोध्या पहुंचकर लगेगा ही नहीं कि जिन लोगों ने प्रश्न उठाए या विरोध किया उनका कोई संज्ञान भी लेने को तैयार है।

अयोध्या लंबे समय से आने वाले लोग बता रहे हैं कि हमने कभी कल्पना ही नहीं की थी कि इस तरह का बदला हुआ चित्र हमें दिखाई देगा। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में भाग लेने वाले बता रहे हैं कि अगर उस समय सड़कें ऐसी होतीं, खुला वातावरण होता तो 30 अक्टूबर, 1989 और 2 नवंबर, 1989 के गोली चालन में उतनी संख्या में कारसेवक नहीं मारे जाते, लेकिन न भागने का स्थान और न बचने का। अयोध्या आंदोलन के प्रभावी होने और भारी संख्या में लोगों के लगातार पहुंचते रहने के बावजूद केंद्र और राज्य की सरकारों ने कभी भी यहां सड़कों और आम जनता की सुविधाओं के निर्माण की दृष्टि से काम किया ही नहीं। इस नाते भी यह बदली हुआ अयोध्या है। आज यह इतनी अंतर्शक्ति पा गया है कि संपूर्ण भारत की मानसिक चेतना को बदलने का आधार साबित हो सकता है।

जब आपके लक्ष्य छोटे हो तो फिर छोटे स्तर से विचार करते हैं किंतु लक्ष्य बड़े हों तो आपके विचार की परिधि भी व्यापक हो जाती है। अगर भारत के लंबे भविष्य की दृष्टि से काम करना हो तो ऐसे अवसरों पर कोई विरोधी और दुश्मन नहीं हो सकता। इसीलिए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में विरोधियों को भी आमंत्रित किया गया। यहां तक कि मुकदमे के विरोधी पक्षकारों को भी आमंत्रित किया गया। जैसा पूरे देश को पता है विपक्षी दलों को भी आमंत्रित किया गया था। लेकिन समस्या यह थी कि संपूर्ण अयोध्या आंदोलन के दौरान जिन दलों और नेताओं ने इसका विरोध किया, उनको प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने के लिए कोई न कोई तार्किक आधार चाहिए था। वह मिलना संभव नहीं था। अयोध्या में आम आदमी की भाषा यही है कि विरोधी किस मुंह से प्राण प्रतिष्ठा में आते। अपने दुर्भाग्य से भाजपा और मोदी विरोधी राजनीतिक पार्टियां, बुद्धिजीवी और मीडिया के भी कुछ पुरोधा श्रीराम मंदिर से पैदा हुए भारत के सकारात्मक बदलावों को अभी भी समझने की कोशिश नहीं कर रहे। भारत का मूल धर्म व अध्यात्म रहा है। हमारे प्राचीन मनीषियों ने इसे पहचाना था। गांधी जी ने कहा है कि धर्म ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत दुनिया में बड़ा हो सकता है। वास्तव में धर्म भारत के डीएनए में है । जो आपका मूल संस्कार होता है, उसे जागृत कर दिया जाए तो फिर वह उच्चता को प्राप्त करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार तथा दूसरे धार्मिक सांस्कृतिक आध्यात्मिक संगठनों - समूहों ने लंबे समय तक काम करके भारत की सोई हुई धार्मिक आध्यात्मिक चेतना की जागृति में भूमिका निभाई है। चाहे वह सोमनाथ का पुनर्निर्माण हो, अयोध्या आंदोलन या लंबे समय से चल रहे दूसरे मंदिरों के पुनरुद्धार का आंदोलन या फिर हिंदुत्व और हिंदू धर्म की नए सिरे से प्राचीन विरासत के आधार पर व्याख्या करने, इतिहास का पुनर्लेखन, राष्ट्र की परिभाषा अपनी सही सोच से निर्धारित करने, सब इसी दिशा के कदम हैं। स्वाभाविक ही इन सबका प्रभाव हुआ है और यह इस समय समग्र रूप में अयोध्या में दिख रहा है। यहां सामान्य लोग कहते हुए मिल जाएंगे कि हमको तो इतिहास गलत बताया गया। कल्पना करिए जिस व्यक्ति ने दसवीं तक की भी शिक्षा प्राप्त नहीं की वह इतिहास और संस्कृति की बात कर रहा है। किसी भी राष्ट्र के जीवन में इस तरह उसकी संस्कारगत चेतना और जागृति सुखद और अच्छे भविष्य का ही द्योतक हो सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

जयंती विशेष

डॉ. विनोद यादव

महानायक सुभाष चंद्र बोस के राष्ट्रबोध मूल्यों से सीखें युवा

आज पराक्रम दिवस है, यानी स्वाधीनता आंदोलन के एक ऐसे महानायक का जन्मदिवस जो शौर्य, साहस और पुरुषार्थ के प्रणेता थे। आज पूरा देश महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती मना रहा है। नेताजी की जयंती के मौके पर 5 वर्षों के अंतराल के बाद राजधानी के ऐतिहासिक लाल किले में 'जयहिंद- लाइट एंड साउंड शो' शुरू हो रहा है। 1 घंटे के इस शो के अंतर्गत खासतौर पर नेताजी सुभाष चंद्र के अदम्य साहस की शौर्य गाथा और आजाद हिंद फौज के क्रांतिवीरों पर चले मुकदमों का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया गया है।

आजादी के आंदोलन के संदर्भ में लालकिला ऐसा ऐतिहासिक स्मारक है, जो सन सत्तावन के क्रांतिकारियों से लेकर आजाद हिंद फौज के सैनिक कमांडरों के अदम्य साहस और अपूर्व शौर्य की गवाही देता है। फर्क सिर्फ इतना है कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिवीरों ने अंग्रेजी शासन को उखाड़ फेंकने के लिए जब मेरठ छावनी से 'दिल्ली चलो' के उद्घोष के साथ शंखनाद किया तो लालकिले पहुंचकर भारत का झंडा फहराया। किंतु नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने 5 जुलाई 1943 को सिंगापुर के टाउन हॉल के सामने आजाद हिंद फौज के सुप्रीम कमांडर की हैसियत से फौज के सैनिकों से 'दिल्ली चलो' का आवाहन करते हुए उद्घोष किया-'चलो दिल्ली, जहां मीनार कुत्बी है... निशान-ए-हिंद (भारत के राष्ट्रीय ध्वज) को हम उस पर लहराएं/ चलो दिल्ली जवानों, हिंद को आजाद करवाएं/ यानी आजाद हिंद फौज के सैनिक दिल्ली को फतह करके कुतुब मीनार पर राष्ट्रीय ध्वज फहराना चाहते थे। इतिहास गवाह है कि नेताजी का स्वाभिमान दुनिया में सबसे ऊंचा था, इसलिए वो भारत का झंडा सबसे ऊंचे स्मारक पर फहराना चाहते थे। उन दिनों राजधानी दिल्ली में सबसे ऊंची ऐतिहासिक इमारत कुतुब मीनार ही थी,

लेकिन आजाद हिंद फौज के जांबाज सिपाहियों का वह सपना पूरा न हो सका। दरअसल, दूसरे विश्व युद्ध में जापान की हार ने आजाद हिंद फौज के सैनिकों के इस सुनहरी सपने का पटाक्षेप कर दिया। बहरहाल, कुतब मीनार के साथ-साथ लाल किले का संबंध भी आजाद हिंद फौज से जुड़ गया, जब फौज के मेजर जनरल शाहनवाज खान, कर्नल प्रेम सहगल और कर्नल गुरुबख्श सिंह ढिल्लो पर अंग्रेजों ने देशद्रोह का अभियोग लगाकर लालकिले को सैनिक अदालत के तौर पर चिह्नित किया। नेताजी सुभाष चंद्र के इन तीन फौजी अफसरों से संबंधित यह ऐतिहासिक मुकदमा हिंदुस्तान के इतिहास में 'लालकिला ट्रायल' के नाम से दर्ज है। आईएनए के इन अफसरों समेत तमाम सैनिकों के समर्थन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नामी-गिरामी नेता और जाने-माने वकील तेज बहादुर सप्रू, भूलाभाई देसाई, पं. जवाहरलाल नेहरू और कैलाश नाथ काटजू मुकादमा लड़ने के लिए आगे आए। इस दौरान पूरे मुल्क में देशभक्ति का बेमिसाल माहौल निर्मित हो गया, जवाहरलाल नेहरू पहली बार एडवोकेट की यूनिफॉर्म पहनकर अदालत में उपस्थित हुए। भूलाभाई देसाई व जवाहरलाल की सशक्त शानदार दलीलों ने मुकदमे को आजाद हिंद फौज के जांबाज सिपाहियों के हक में कर दिया। आजाद हिंद फौज के समर्थन में पूरा देश एकजुट हो गया, देश के कोने-कोने में अंग्रेजी शासन के खिलाफ धरने-प्रदर्शन होने लगे। आखिरकार तीनों भारतीय वकीलों की जोरदार दलीलों और आईएनए के सपोर्ट में उमड़े तमाम भारतवासियों की एकजुटता की वजह से अंग्रेजों को तीनों अफसरों को रिहा करना पड़ा। वस्तुतः नेताजी सुभाष और उनकी आजाद हिंद फौज की गाथा, औपनिवेशिक शासन और साम्राज्यवाद के शोषण से त्रस्त भारतवासियों के नायक के जीवन-पर्यंत संघर्ष व जीवटता की ऐसी अमर कहानी है, जो हरेक भारतवासी की रगों में राष्ट्रवाद का संचार करती है। तमाम विधाओं में प्रवीणता व कुशल नेतृत्व क्षमता ही उन्हें आर्यावर्त भरतखण्ड से निकालकर जापान, जर्मनी, रूस और इटली जैसे देशों में भी लोकप्रिय बनाती है। उन्होंने अपनी सोच में, अपने चिंतन में बस एक विचार को दृढ़ बनाए रखा कि मनुष्य के समग्र विकास के लिए बौद्धिक कौशल और नैतिक चेतना दोनों जरूरी हैं। नेताजी का व्यक्तित्व व कृतित्व हरेक आयुवर्ग के भारतीयों के लिए आदर्श की राह है। नेताजी ने कहा था- 'हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी भारतभूमि की स्वतंत्रता का मूल्य अपने रक्त से चुकाएं।'

(लेखक शिक्षाविद एवम इतिहासकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संकर सहज स्वरूप सम्हारा

संकलित

दर्शन

श्रीरामचरितमानस में भगवान शंकर भक्ति के दाता भी माने गए हैं और भक्ति के भिक्षुक भी। शिव भक्ति देते भी हैं और मांगते भी हैं। भगवान शंकर में नवभक्ति का दर्शन होता है। उनमें अष्टांग योग का, ज्ञान की सातों भूमिकाओं का और धर्म के दसों लक्षणों का दर्शन भी होता है। लंका कांड में गोस्वामी जी ने जो धर्मरथ का वर्णन किया है। उसमें जितने धर्म के सूत्र बताए हैं, वे सभी महादेव में प्रस्थापित होते हैं। शिव भक्ति स्वरूप हैं। शिव का बाहरी रूप तो 'कुंडल कंकन पहिरे ब्याला' वाला है, लेकिन आंतरिक स्वरूप भजन है, भक्ति है। मानस में है- 'संकर सहज स्वरूप सम्हारा'। सहज स्वरूप का अनुसंधान शिव ने किया। उनकी जो सहज प्रवृत्ति है, वह भजन है। भगवान भी कहते हैं कि 'संकर भजन बिना नर भगति न पावइ मोरि'। शंकर की भक्ति जो करेगा, वही मेरी भक्ति पाएगा अथवा शंकर का जो सहज भजन स्वरूप है, उसे आत्मसात करेगा, वह मेरी भक्ति पाएगा। शबरी के सामने गाई गई नौ प्रकार की भक्ति में गोस्वामी जी ने पहली भक्ति संत का संग बताई है- 'प्रथम भगति संतन्ह कर संगा'। आप महेश का चरित्र देखिए। जैसे ही अवसर मिला, वे साधु-संतों का संग करते दिखाई देते हैं। पार्वती के विरह में संतों का संग करते थे। महादेव सत्संग के प्यासे हैं। दूसरी भक्ति है कथा श्रवण। कथा में जहां जगह मिले, वहां बैठकर कथा के प्रसंगों का रस उठाना। शिव कहते हैं, पार्वती, मैं काकभुशुंडि जी के आश्रम में हंस बनकर पीछे बैठ गया था। *-मोरारी बापू*

कोयल-अपनी वाणी को मधुर बना लेना

संकलित

प्रेरणा

एक बार वसंत ऋतु में एक कोयल वृक्ष पर बैठी कूक रही थी। आते-जाते लोग उसकी कूक को सुनते और उसकी सुरीली आवाज का आनंद लेते हुए उसकी तारीफ के पुल बांधते। कुछ देर बाद कोयल के सामने एक कौआ तेज गति से आया। कोयल ने उससे पूछाः इतनी तेज गति से कहां जा रहे हो? कुछ देर बैठो, बातें करते हैं। कौए ने उत्तर दियाः कि वह जरा जल्दी में है और देश को छोड़कर परदेस जा रहा है। कोयल ने इसका कारण पूछा तो कौआ बोलाः यहां के लोग बहुत खराब हैं। सब तुम्हें ही चाहते हैं। सभी लोग सिर्फ तुम्हारा आदर करते हैं। वह यही चाहते हैं कि तुम हमेशा की तरह इसी प्रकार से उनके क्षेत्र में गाती रहो। वहीं जहां तक मेरी बात है तो मुझे कोई देखना तक नहीं चाहता। यहां तक कि मैं किसी की मुंडेर पर बैठता हूं तो मुझे कंकड़ मारकर वहां से भगा दिया जाता है। मेरी आवाज भी कोई नहीं सुनना चाहता। जहां मेरा अपमान हो, मैं ऐसे स्थान पर एक क्षण भी नहीं रहना चाहता। ज्ञानियों ने भी हमें यही शिक्षा दी है कि अपमान की जगह पर नहीं रहना चाहिए। यह सुनकर कोयल बोली, परदेस जाना चाहते हो तो बड़े शौक से जाओ। यह पूरी तरह से तुम्हारी इच्छा पर निर्भर है। लेकिन एक बात का सदैव ध्यान रखना कि वहां जाने से पहले अपनी आवाज को बदल लेना। अपनी वाणी को मधुर बना लेना। यदि तुम्हारी वाणी ठीक वैसी ही कठोर रही, जैसी यहां पर है तो परदेस में भी लोग तुम्हारे साथ वही व्यवहार करेंगे जो अभी हो रहा है। संसार जो है, जैसा भी है, उसे बदला नहीं जा सकता।

अंतर्मन

आज की पाती

साइबर अपराध रोकने के लिए उठाएं सख्त कदम

हाल ही में वित्त मंत्रालय ने सभी छोटे-बड़े प्राइवेट बैंकों को यह सुझाव दिया है कि सभी साइबर सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाएं। इसके लिए सभी बैंकों को 24 गुणा 7 हेल्पलाइन अपने उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवानी चाहिए और सभी फोन नंबर जो हेल्पलाइन के लिए उपलब्ध करवाए जाएं, वो भी हर वक्त दुरुस्त रहें और फ्री रहें। एसबीआई क्रेडिट कार्ड ने अपना हेल्पलाइन नंबर मुफ्त सुविधा से वंचित रखा है। यहां कॉल करने के लिए एक मिनट के लिए लगभग 2 रुपए पड़ते हैं। हमारा देश डिजिटल लेन-देन की ओर कदम तो बढ़ा चुका है, लेकिन कुछ साइबर चोर इसकी राह में ठगी करके बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। देश में दिन-प्रतिदिन साइबर ठगी की खबरें पढ़ने और सुनने को मिल रही हैं। *-पीयूष गोयल, धमतरी*

ट्रेंड

अपना सोलर सिस्टम

सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। आज अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा ये संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घर की छत पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुझे रोका गया

भारत की सांस्कृतिक विविधता को शंकर देव जी ने भक्ति के माध्यम से एकता के सूत्र में पिरोया, लेकिन आज मुझे उन्हीं के स्थान पर माथा टेकने से रोका गया। मैंने मंदिर के बाहर से ही भगवान को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लिया।

-राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

जीने के लिए समर्पित

आज भी मंडे मोटिवेशन भगवान राम हैं। वह एक ऐसी शख्सियत हैं जो धर्म से परे हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसी की आस्था क्या है, हम सभी ऐसी अवधारणा के प्रति आकर्षित हैं जो सम्मान और मजबूत मूल्यों के साथ जीने के लिए समर्पित है। -आनंद महेंद्रा, उद्योगपति

अपने अपने राम

बस क्या कहूं। जो भी बोलना-कहना सीखा था वो सब आज मौन और आंसुओं में बदल गया। राघवेंद्र सरकार राम के दर्शन करके जब अयोध्या के राम-मार्ग पर निकला तो कुमार भैया और अपने अपने राम का जयघोष कर-करके अभिवादन किया।

-कुमार विश्वास, हिन्दी कवि

करंट अफेयर

दुनियाभर में मना रामलला का प्राण प्रतिष्ठा उत्सव...

अयोध्या में सोमवार को हुई रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव मनाने के लिए राम भक्तों और भारतीय समुदाय के सदस्य न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्कवायर सहित दुनियाभर में विभिन्न स्थानों पर एकत्र हुए, प्रार्थना सभाएं कीं, कार रैली निकाली और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये।

अमेरिका में न्यूयॉर्क के टाइम्स स्कवायर पर बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के सदस्य एकत्र हुए। उन्होंने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखा। लोगों को पारंपरिक पोशाक पहने, नृत्य करते, भजन और अन्य गीत गाते देखा गया। वाशिंगटन में वर्जीनिया के फेयरफैक्स काउंटी में स्थित एसवी लोटस टेम्पल में सिख, मुस्लिम और पाकिस्तानी-अमेरिकी समुदाय के सदस्य भी इस समारोह में शामिल हुए। रविवार को हुए कार्यक्रम में 2,500 से ज्यादा लोग शामिल हुए। अमेरिकी शेयर बाजार 'नैस्डैक' की स्क्रीन पर भी राम मंदिर की तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होने के तुरंत बाद वर्ल्ड हिंदू काउंसिल ऑफ अमेरिका और विश्व हिंदू परिषद ऑफ कनाडा ने दोनों देशों में एक हजार से अधिक मंदिरों के दर्शन के लिए 'राम मंदिर यात्रा' की घोषणा की।

ऑफ बीट

मृत्युलेखों में पालतू जानवरों का उल्लेख अधिक हो रहा

जानवर हमारे जीवन में कई अलग-अलग भूमिका निभाते हैं। कुछ लोग उन्हें परिवार का सदस्य मानते हैं, जबकि अन्य दैनिक सैर की याद दिलाने के रूप में

उनकी सराहना करते हैं। सेना में काम करने वाले कुत्तों और भावनात्मक सहयोग देने वाले जानवरों से लेकर दरवाजे पर हमारा स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे पालतू जानवरों तक, ये जानवर हमारे जीवन में खुशी, आराम और साथ ला सकते हैं। तो स्वाभाविक रूप से, ये रिश्ते जीवन भर जारी रहेंगे - या कम से कम मृत्यु के बाद भी स्मरण किए जाएंगे। टोरंटो स्टार ने हाल ही में ओकविले, ओंटारियो के पालतू जानवरों के कब्रिस्तान से 600 से अधिक जानवरों को निकालने और दूसरी जगह ले जाने के प्रयासों पर रिपोर्ट दी। जैसे यह कहानी सामने आई और जैसा कि कई अन्य लोग ध्यान देंगे, जानवरों को दफनाना, उनपर लेप लगाना या अंतिम संस्कार करना शायद ही कोई नई प्रथा है। ये अंत्येष्टि प्रथाएं एक पालतू जानवर और उन सभी चीजों का सम्मान करने के तरीके प्रदान करती हैं जो हमारे लिए मायने रखती हैं। लेकिन तब क्या जब मालिक पहले मर जाए? जैसा कि पता चला है, अब पालतू जानवरों को रखने वाले ऐसे लोगों की संख्या बढ़ रही है, जिनके मरने के बाद उनके मृत्युलेखों में उनके जानवरों का उल्लेख भी किया जाता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

सीएम योगी बोले- मंदिर वहीं बना है, जहां हमने बनाने की खाई थी सौगंध

बरसहिं सुमन देव मुनि वृंदा। जय कृपालु जय जयति मुकुंदा।।

अयोध्या में श्री रामलला हो गए विराजमान, पूरे विधि-विधान के साथ बाल रूप की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या में आखिर रामलला विराजमान हो गए। पूरे विधि-विधान के साथ भगवान के बाल रूप की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इसी बीच रामलला की मूर्ति की बेहद खास तस्वीरें सामने आई हैं। श्रृंगार युक्त मूर्ति में भगवान के पूरे स्वरूप को देखा जा सकता है। तस्वीर में रामलला माथे पर तिलक लगाए बेहद सौम्य मुद्रा में दिख रहे हैं। योगी ने रामलला भगवान की जय बोलने के साथ भारत माता की जय और जैजै सीताराम से भाषण की शुरुआत की।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रभु रामलला के भव्य, दिव्य और नव्य धाम में विराजने की आप सभी को कोटि-कोटि बधाई। मन भावुक है। सीएम योगी ने कहा कि निश्चित रूप से आप सब भी ऐसा महसूस कर रहे होंगे, आज इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत का हर नगर, हर ग्राम अयोध्या धाम है। हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगी है हर जुबान राम नाम जप रही है। रोम-रोम में राम रमे हैं...ऐसा लगता है कि हम त्रेतायुग में आ गए हैं। सीएम योगी ने कहा कि भारत का हर मार्ग रामजन्मभूमि की ओर आ रहा है।

भारत का हर मार्ग रामजन्मभूमि की ओर आ रहा

भारत का हर नगर, हर ग्राम दिखा अयोध्या धाम

अब दुनियाभर के लोग प्रभु के पूरे स्वरूप को देख रहे

पीएम मोदी को श्री राम मंदिर की प्रतिकृति देते सीएम योगी।

'रामराज्य' की स्थापना की उद्घोषणा

सीएम योगी ने कहा कि 500 वर्षों के सुदीर्घ अंतराल के बाद आए प्रभु श्री रामलला के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक और अत्यंत पावन अवसर पर आज पूरा भारत भाव-विभोर और भाव विह्वल है। श्री अवधपुरी में श्री रामलला का विराजना भारत में 'रामराज्य' की स्थापना की उद्घोषणा है। 'सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती' की परिकल्पना साकार हो उठी है।

अब अयोध्या धाम में कर्फ्यू का कहर नहीं, रामनाम संकीर्तन गूंजेगा

सीएम योगी ने कहा कि रामकृपा से अब कभी कोई भी श्री अयोध्या धाम की पारंपरिक परिक्रमा को बाधित नहीं कर सकेगा। यहां की गलियों में गोलियां नहीं चलेंगी, सरयू जी रक्त रंजित नहीं होंगी। अयोध्या धाम में कर्फ्यू का कहर नहीं होगा। यहां उत्सव होगा। रामनाम संकीर्तन गुंजायमान होगा। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में त्रेतायुग उतर आया है। प्रभुराम की कृपा से अयोध्या की गलियों में गोलियां नहीं गूंजेंगी। कर्फ्यू नहीं लगेगा। यहां दीपोत्सव हुआ करेंगे। जैजै सियाराम बोलकर योगी ने अपना भाषण खत्म किया। योगी ने कहा कि हर मन में राम नाम हैं। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगा है। हर जिह्वा राम-राम जप रही है। रोम रोम में राम रमे हैं। पूरा राष्ट्र राममय है। ऐसा लगता है हम त्रेतायुग में आ गए हैं। आज रघुनन्दन राघव रामलला, हमारे हृदय के भावों से भरे संकल्प स्वरूप सिंहासन पर विराज रहे हैं। आज हर राममक्त के हृदय में प्रसन्नता है, गर्व है और संतोष के भाव हैं।

आज संतोष मिला, पीएम का हृदय से आभार

सीएम ने कहा कि सन्यासियों, संतों, पुजारियों, नागाओं, निहंगों, बुद्धिजीवियों, राजनेताओं, वनवासियों सहित समाज के हर वर्ग ने जाति-पाँति, विचार- दर्शन, उपासना पद्धति से ऊपर उठकर राम काज के लिए स्वयं का उत्सर्ग किया। अंततः आज वह शुभ अवसर आ ही गया कि जब कोटि-कोटि सनातनी आस्थावानों के त्याग और तप को पूर्णता प्राप्त हो रही है। आज संतोष इस बात का भी है कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था। सीएम ने कहा कि संकल्प और साधना की सिद्धि के लिए, हमारी प्रतीक्षा की समाप्ति के लिए, हमारे संकल्प पूर्णता के लिए आदरणीय पीएम नरेंद्र मोदी का हृदय से आभार और अभिनंदन। सीएम ने कहा कि भाग्यवान है हमारी पीढ़ी जो इस राम-काज के साक्षी बन रहे हैं और उससे भी बड़भागी हैं वो जिन्होंने सर्वस्व इस राम-काज के लिए समर्पित किया है और करते चले जा रहे हैं। जिस अयोध्या को 'अवनि की अमरावती' और 'धरती का वैकुंठ' कहा गया, वह सदियों तक अभिशिप्त रही। उपेक्षित रही। अपनी ही भूमि पर सनातन आस्था पददलित होती रही, किंतु राम का जीवन हमें संयम की शिक्षा देता है और भारतीय समाज ने संयम बनाये रखा। आज देखिए... पूरी दुनिया अयोध्या जी के वैभव को निहार रही है।

गोविंद देव गिरि बोले
500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद संकल्प पूरा हुआ

प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंच से गोविंद देव गिरि जी महाराज ने संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्री राम देश का आत्मविश्वास है। 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद संकल्प पूरा हुआ। प्रधानमंत्री के मंगल हाथों से प्राण प्रतिष्ठा हुई। प्राण-प्रतिष्ठा का अलौकिक क्षण हर किसी को भाव-विभोर करने वाला था। पीएम ने स्वयं प्राण प्रतिष्ठा की नियमावली मांगी।

राम-लक्ष्मण निभाने वाले किरदार भी रहे मौजूद
ऑरेंज साड़ी- टेंपल जूलरी पहने पहुंचीं टीवी की सीता

राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में बॉलीवुड से लेकर टीवी तक के स्टार्स सज-धज इस अवसर का हिस्सा बनने के लिए पहुंचे। रामायण में राम और सीता का रोल निभाने वाले अरुण गोविल और दीपिका चिखलिया कई दिनों से अयोध्या में थे। दोनों के अब लुक भी सामने आ गए हैं। दीपिका ने अपने लुक को ऑरेंज और पिंक कलर की साड़ी में नजर आईं। उन्होंने पारंपरिक डिजाइन की शॉल भी मैच की हुई थी। दीपिका ने अपने लुक को हैवी टेंपल जूलरी से कंप्लीट किया। लाल बिंदी और गोल्ड की चूड़ियों के साथ दीपिका का लुक शानदार लग रहा था।

रामलला के लिए चांदी का छत्र पोशाक लेकर पहुंचे पीएम मोदी

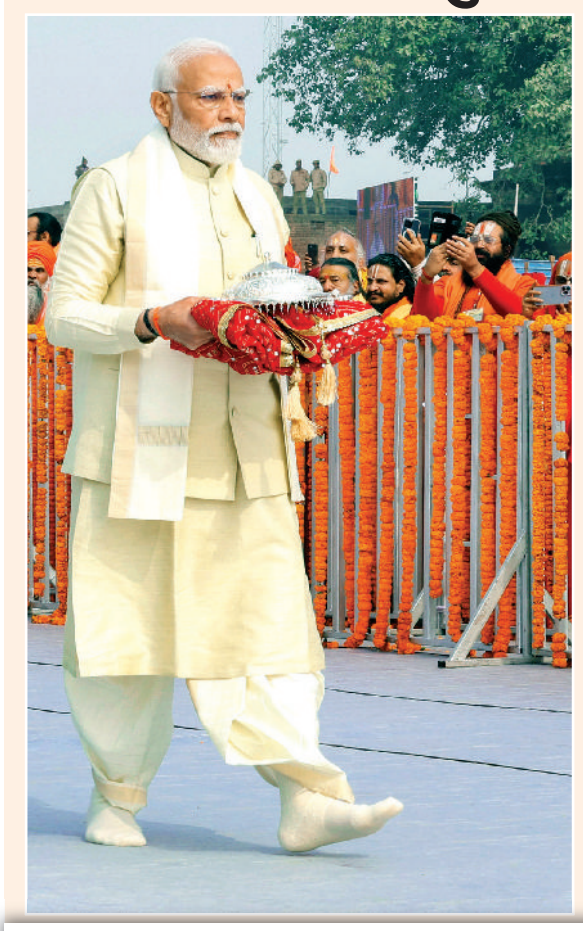

पीएम मोदी ने कहा कि दिव्य कार्यक्रम का हिस्सा बनना मेरा परम सौभाग्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर पहुंचे। पीएम मोदी रामलला के लिए चांदी का छत्र लेकर पहुंचे. पीएम मोदी रामलला के लिए पोशाक भी लेकर पहुंचे। हाथ में चांदी का छत्र लेकर पीएम मोदी ने राम मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश किया। प्राण प्रतिष्ठा के लिए अनुष्ठान शुरू हो गया है। राज्यपाल आनंदी बेन, सीएम योगी ने स्वागत किया।

पीएम मोदी ने कुबेर टीला पर प्राचीन शिव मंदिर में की पूजा-अर्चना

पीएम नरेंद्र मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद कुबेर टीला स्थित शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की। अयोध्या में स्थित कुबेर टीला पर एक प्राचीन शिव मंदिर है। श्री राम मंदिर के निर्माण के साथ-साथ श्रीराम भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस मंदिर का भी पुनरोद्धार करवाया है। मान्यता है कि यहां धन के देवता कुबेर आए थे और टीले पर भगवान शंकर की पूजा के लिए शिवलिंग की स्थापना की थी। वहीं इस मंदिर में मां पार्वती, भगवान गणेश और कार्तिकेय की भी मूर्तियां हैं।

पीएम मोदी धर्मगुरुओं से मिले और उनसे बातचीत भी की।

पीएम मोदी से बात करते मेगा स्टार अमिताभ बच्चन और अन्य हस्तियां।

अयोध्या धाम में बोले सितारे

सौभाग्यशाली हैं जो इतिहास को देख रहे

गायक बादशाह ने कहा कि बात जो हैं वह शब्दों का नहीं बल्कि भावनाओं का है। हम सभी सौभाग्यशाली लोग हैं जो इस इतिहास को रचते हुए देख रहे हैं।

यह मेरा सौभाग्य है सायना नेहवाल

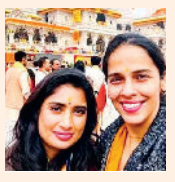

बैडमिंटन की स्टार सायना नेहवाल ने कहा, यह सौभाग्य है आज इतने बड़े मंदिर के खुलने पर पहुंची हूं। उन्हें इसका काफी समय से इंतजार था।

यह अद्भुत, अलौकिक अनुभव रहा: रनौत

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने कहा आज हम अयोध्या आए हैं, लगता है हम किसी पौराणिक काल में पहुंच गए हो। यह अद्भुत और अलौकिक अनुभव है। योगी जी ने कायापलट कर दी है।

रामलला का मन से स्वागत करें: शिल्पा

शिल्पा शेट्टी ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट लिखकर रामलला प्राण प्रतिष्ठा की फैंस को बधाई दी है। सभी देशवासियों से करबद्ध प्रार्थना कर रही हूं, रामजी जी का स्वागत तन- मन से करें।

पूरे भारत का दिन बन गया: चिरंजीवी

राम मंदिर उद्घाटन के समारोह में तमील एक्टर चिरंजीवी भी अयोध्या पहुंचे। यहां एक्टर अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए कहा कि ये शानदार अनुभव है। पूरे भारत का दिन बन गया।

मुझे आशीर्वाद मिला है जैकी श्रॉफ बोले

श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर अभिनेता जैकी श्रॉफ कहते हैं कि मुझे आशीर्वाद मिला है। जब भी मुझे इंस्पेक्टर की भूमिका दी गई, तो मेरा नाम 'राम' था।

जटायु की मूर्ति पर फूल अर्पित किए और राम ज्योति भी जलाई

पीएम मोदी ने राम मंदिर परिसर में जटायु की मूर्ति पर फूल अर्पित किए। इसके साथ ही राम मंदिर निर्माण दल का हिस्सा रहे कार्यकर्ताओं पर फूलों की वर्षा की। प्राण प्रतिष्ठा के पीएम मोदी नेअपने भाषण में कहा कि आज मैं पूरे पवित्र मन से महसूस कर रहा हूं कि कालचक्र बदल रहा है, यह सुखद संयोग है कि हमारी पीढ़ी को एक कालजयी पथ के शिल्पकार के रूप में चुना गया है। हजारों वर्ष बाद की पीढ़ी राष्ट्र निर्माण के हमारे आज के कार्यों को याद करेगी इसलिए मैं कहता हूं यही समय है, सही समय है। शाम को अपने आवास पर राम ज्योति भी जलाई।

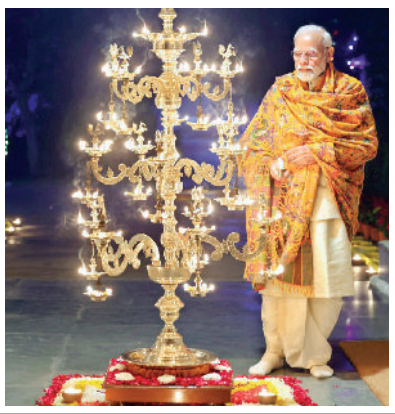

और ये भी बने राम भक्त

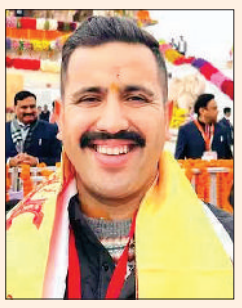

अयोध्या पहुंचे विक्रमादित्य और सुधीर

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार में लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह राम लला प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए अयोध्या पहुंच गए हैं। इसके अलावा प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुधीर शर्मा दिल्ली पहुंच चुके हैं और सोमवार को अयोध्या पहुंचे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए प्रदेश से केवल दो राजनीतिक हस्तियों को निमंत्रण दिया गया था और दोनों ही अयोध्या के लिए कूच कर पहुंचे।

अयोध्या से दूर रही कांग्रेस

सीएम सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में किया राम मंदिर का उद्घाटन

राम मंदिर के आयोजन से कांग्रेस ने दूरी ही बना ली थी। इस बीच कांग्रेस की कर्नाटक सरकार के मुख्यमंत्री एम. सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में ही एक राम मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मैं आज श्री रामचंद्र मंदिर का उद्घाटन किया है। इस इलाके को लोगों ने मुझे कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। इसलिए यहां आया हूं। हनुमान जी की एक बड़ी प्रतिमा भी यहां लगाई गई है।

प्राण-प्रतिष्ठा के पहले कलाकारों और साधु-संतों ने अपनी प्रस्तुति दी।

अवध में राम आए हैं... भक्तिमय हुए पटनायक

हाथ जोड़कर टीवी पर देखते रहे प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला के कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट देशभर के अलग-अलग टीवी चैनलों पर किया गया। ओडिया के सीएम नवीन पटनायक भी टीवी के जरिए इस पल के साक्षी बने। उन्होंने हाथ जोड़कर रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का पूरा अनुष्ठान टीवी पर देखा। एक्स पर एक वीडियो शेयर किया गया, जिसमें ओडिशा के सीएम हाथ जोड़कर भक्तिमय नजर आए।

नड्डा, शाह और राजनाथ ने दिल्ली में की पूजा

इस खास मौके पर पीएम मोदी अयोध्या में थे, लेकिन उनके मंत्री देश के अलग-अलग मंदिरों में पहुंचे, जहां उन्होंने लोगों के बीच जानकर मंदिरों में पूजा-अर्चना की और वहीं, से प्राण प्रतिष्ठा के समारोह का लाइव प्रसारण पर देखा। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्राण प्रतिष्ठा के सुअवसर पर राष्ट्रीय राजधानी के झंडेवालान मंदिर पहुंचे थे, जहां उन्होंने परिवार के लोग और पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ दर्शन कर पूजा-अर्चना की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर नई दिल्ली के बिड़ला मंदिर पहुंचे थे।

आज खुशी मिली इतनी.....रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन जन्मे कई
लोगों ने राम, लव कुश, सीता और राम-रहीम जैसे नाम रखे

गाजियाबाद। गाजियाबाद के जिला महिला अस्पताल में प्राण प्रतिष्ठा के दिन कई बच्चों ने जन्म लिया है। इन बच्चों को जन्म देने वाली महिलाएं खुद को और अपने बच्चों को बहुत ही भाग्यशाली मान रही हैं। प्राण प्रतिष्ठा के दिन बच्चों को जन्म देने वाली महिलाओं को कहना है कि हम बहुत ही सौभाग्यशाली हैं कि हमें आज भगवान राम ने संतान दी है। एक महिला ने कहा कि आज मेरा बेटा पैदा हुआ है। ऐसे में उसका नाम लव कुश रखूंगा, जबकि दूसरी महिला ने कहा मैं अपने बेटे का नाम राम रखूंगी। उनका कहना है कि सनातन धर्म के मानने वालों के लिए आज से बड़ा दिन कोई और नहीं हो सकता है। वहीं जिन माताओं को बेटी पैदा हुई है वो भी अपनी लाड़ली का नाम सीता रखने की बात कह रही हैं।

हर नवमी को रामलला के माथे पर सूर्यदेव लगाएंगे तिलक

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि अयोध्या राम मंदिर की एक अनूठी विशेषता है कि यहां हर नवमी को सूर्यदेव स्वयं रामचंद्र के माथे पर तिलक लगाएंगे। सिंह ने कहा कि राम मंदिर के निर्माण के दौरान इस बात का खास ध्यान रखा गया है कि हर साल 'श्रीराम नवमी' के दिन दोपहर के समय सूर्य की किरणें भगवान राम की मूर्ति के माथे पर लगभग 6 मिनट तक पड़े। सिंह ने कहा कि बेंगलुरु की इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स ने सूर्य के पथ और ऑप्टिका पर अपनी मंदिर निर्माण के दौरान टेक्निकल सहायता दी है। उन्होंने कहा कि गियरबॉक्स और रिफलेक्टिव मिरर/लेंस की व्यवस्था इस तरह की गई है कि शिकारा के पास तीसरी मंजिल से सूर्य की किरणों को सूर्य के पथ पर नजर रखकर गर्भ गृह तक लाया जाएगा।

खबर संक्षेप

एम्यूजमेंट इंडस्ट्री में हैं विकास की अपार संभावनाएं

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मनोरंजन एवं मनोविनोद से जुड़ी गतिविधियां मन को सुकून देती हैं। सुकून और मनोरंजन की यही चाहत एम्यूजमेंट इंडस्ट्री का आधार है। समय के साथ एम्यूजमेंट पार्क जाने वालों की बढ़ती संख्या भी इस उद्योग के महत्व को दिखाती है। इस उद्योग में विकास की संभावनाओं का अंदाजा इस तथ्य से भी लगाया जा सकता है कि कई लोग एम्यूजमेंट के उद्देश्य से ही पर्यटन के लिए जाते हैं। इंडियन एसोसिएशन ऑफ एम्यूजमेंट पार्क्स एंड इंडस्ट्रीज (आईएएपीआई) की 25वीं वर्षगांठ पर नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में ये बातें सामने आईं। इस दौरान पैनल चर्चा और मोटिवेशनल सेशन में इस उद्योग की संभावनाओं पर विमर्श हुआ। इस एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विविध सत्र आयोजित किए गए।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जुटे कॉरपोरेट क्षेत्र के तमाम दिग्गज

मुकेश अंबानी, लक्ष्मी मित्तल, सुनील मित्तल, कुमार मंगलम हुए शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अयोध्या में भव्य राम मंदिर के सोमवार को आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कॉरपोरेट जगत ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस समारोह में मुकेश अंबानी समेत तमाम कॉरपोरेटे दिग्गज शामिल हुए और कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को इस विशेष अवसर पर छुट्टी भी दी।

उद्योगपति मुकेश अंबानी और उनके परिवार के साथ इस्पात दिग्गज लक्ष्मी एन मित्तल, भारती एयरटेल के प्रमुख सुनील भारती मित्तल, रिलायंस ग्रुप के प्रमुख अनिल अंबानी और आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला एवं उनकी बेटी अनन्या बिड़ला भगवान राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए।

रिलायंस के परिसरों पर विशेष पूजा का आयोजन

अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस अवसर पर अपने सभी कर्मचारियों को छुट्टी दे दी। इसके अलावा कंपनी ने अपने परिसरों में स्थित एक दर्जन से अधिक मंदिरों में विशेष पूजा का आयोजन किया और अपने जियोटीवी मंच पर मंदिर के 360-डिग्री वर्चुअल दौरे की पेशकश भी की।

ज्ञान व शांति का प्रवेश द्वार बने : गौतम अदाणी

समारोह के लिए निमंत्रित अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अयोध्या मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही इसे ज्ञान और शांति का प्रवेश द्वार बनने दें, जो भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सद्भाव के शाश्वत सूत्र से समुदायों को एकजुट करे।'

यहां आकर सौभाग्यशाली हूं: वेम्बू

प्रौद्योगिकी समाधान मंच जोहो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीहर वेम्बू ने भी परिवार के साथ अयोध्या मंदिर की यात्रा की तस्वीरें पोस्ट कीं। वेम्बू ने कहा, अयोध्या में मेरी अम्मा जानकी और मेरे भाई कुमार और उनकी पत्नी अनु के साथ। अम्मा आजीवन भगवान श्री राम की भक्त रही हैं। यहां आकर बहुत सौभाग्यशाली हूं।

शामिल होकर धन्य हूं: रुइया

इसके साथ ही अदाणी ने भारत की संस्कृति एवं साहित्य के बारे में शोध करने वाले 14 छात्रों को छात्रवृत्ति देने की भी घोषणा की। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए, एस्सार कैपिटल के निदेशक प्रशांत रुइया भी अयोध्या पहुंचे। रुइया ने एक्स पर कहा, 'अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए, श्रद्धा, आस्था और विश्वास के साथ शामिल होकर धन्य हूं।'

प्रति वर्ष कम से कम पांच करोड़ पर्यटकों के आने की संभावना

देश का सबसे बड़ा पर्यटक केंद्र होगा अयोध्या, बढ़ेंगे रोजगार : रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अयोध्या में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन से शहर में प्रति वर्ष कम-से-कम पांच करोड़ पर्यटकों के आने की संभावना है। यह संख्या स्वर्ण मंदिर और तिरूपति मंदिर में जाने वाले श्रद्धालुओं से कहीं अधिक है। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने अपनी एक रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि हवाई अड्डे जैसे बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर खर्च करने से उत्तर प्रदेश का यह शहर एक बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो जाएगा।

■ स्वर्ण मंदिर व तिरूपति मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं से ज्यादा होगी

भारत में धार्मिक पर्यटन सबसे बड़ा खंडः विश्व स्तर पर, वेटिकन सिटी में हर साल लगभग 90 लाख पर्यटक आते हैं और सऊदी अरब के मक्का में लगभग दो करोड़ पर्यटक आते हैं। जेफरीज के अनुसार, धार्मिक पर्यटन अभी भी भारत में पर्यटन का सबसे बड़ा खंड है। कई लोकप्रिय धार्मिक केंद्र बुनियादी ढांचे की बाधाओं के बावजूद हर साल 1-3 करोड़ पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। आईटीसी अयोध्या में संभावना तलाश रहा इंडियन होटल्स, मैरियट और विंडहैम पहले ही होटल बनाने के लिए समझौते कर चुके हैं। आईटीसी भी अयोध्या में संभावनाएं तलाश रही है। ओयो की योजना अयोध्या में 1,000 कमरे जोड़ने की है।

पर्यटन ने जीडीपी में दिया 194 अरब डॉलर का योगदान

बेहतर संपर्क और बुनियादी ढांचे के साथ एक नए धार्मिक पर्यटन केंद्र (अयोध्या) का निर्माण एक बड़ा आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि पर्यटन ने वित्त वर्ष 2018-19 (कोविड-पूर्व) के दौरान जीडीपी में 194 अरब डॉलर का योगदान दिया और वित्त वर्ष 2032-33 तक इसके आठ प्रतिशत की दर से बढ़कर 443 अरब डॉलर होने की उम्मीद है।

10 लाख यात्रियों को संभालेगा एयरपोर्ट

रिपोर्ट के मुताबिक अयोध्या में नए हवाई अड्डे का चरण -1 चालू हो गया है और यह 10 लाख यात्रियों को संभाल सकता है। रेलवे स्टेशन को प्रतिदिन 60,000 यात्रियों को संभालने के लिए विस्तारित किया गया है। वर्तमान में अयोध्या में 590 कमरों वाले लगभग 17 होटल हैं। इसके अलावा 73 नए होटल तैयार किए जा रहे हैं।

स्वर्ण मंदिर में प्रति वर्ष 3.5 करोड़ लोग आते हैं

रिपोर्ट के मुताबिक एक नए हवाई अड्डे, विस्तारित रेलवे स्टेशन, आवासीय योजनाओं और बेहतर सड़क संपर्क के साथ नए होटलों और अन्य आर्थिक गतिविधियों के चलते यहां प्रति वर्ष पांच करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। एक अनुमान के मुताबिक अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में प्रति वर्ष 3-3.5 करोड़ लोग आते हैं, जबकि तिरूपति मंदिर में 2.5-3 करोड़ लोग आते हैं।

टाटा मोटर्स के साणंद कारखाने में अप्रैल से ईवी वाहनों का निर्माण

कंपनी ने फोर्ड इंडिया से किया था अधिग्रहण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टाटा मोटर्स इस साल अप्रैल से फोर्ड इंडिया से अधिग्रहण किये गये साणंद संयंत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों का विनिर्माण शुरू करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी की इकाई टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड ने पिछले साल जनवरी में फोर्ड इंडिया से 725.7 करोड़ रुपये में इस संयंत्र का अधिग्रहण किया था। टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक (यात्री वाहन) शैलेश चंद्रा ने कहा, 'हम अप्रैल से नेक्सन ईवी के साथ साणंद में इलेक्ट्रिक वाहन का विनिर्माण शुरू करने की योजना बना रहे हैं।' कंपनी ने पहले ही तीन लाख इकाई प्रति वर्ष की स्थापित क्षमता वाले विनिर्माण संयंत्र में नेक्सॉन के पेट्रोल, डीजल संस्करणों का उत्पादन शुरू कर दिया है। इसके साथ वार्षिक क्षमता बढ़कर 4.2 लाख इकाई हो जाएगी। चंद्रा ने कहा कि कंपनी इस कारखाने में आगामी मॉडल का उत्पादन भी करना चाहती है।

फरीदाबाद को चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति के लिए डीसी फरीदाबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। पावरग्रिड, उत्तरी क्षेत्र-I द्वारा दिनांक 9 जनवरी 2024 को पावरग्रिड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के पहल के तहत जिला आयुक्त, फरीदाबाद के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। उक्त समझौता ज्ञापन पर पावरग्रिड की ओर से अशोक कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक (मा. सं-सीएसआर) और फरीदाबाद के उपायुक्त श्री विक्रम ने श्री एस के वर्मा, महाप्रबंधक (मा.सं) पावरग्रिड, श्री गौरव सिंह, अतिरिक्त सीईओ, हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट और श्री विनय गुप्ता, सीएमओ, सिविल अस्पताल, फरीदाबाद की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार, पावरग्रिड सिविल अस्पताल, फरीदाबाद और इसके संलग्न पीएचसी को 1.68 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरण प्रदान करेगा, जो जरूरतमंद रोगियों को प्रभावी उपचार प्रदान करने में अस्पताल को अत्यधिक लाभ पहुंचाएगा। यह परियोजना स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की दिशा में पावरग्रिड की एक उल्लेखनीय पहल है।

ज्योतिष

इंडिया के नं 1 तांत्रिक गुरु भवानी जी
खुला चैलेंज 2 घंटो में घर बैठे फोन पर गारंटिड लाभ
7 इल्मों के माहिर
आपके विश्वास का एक ही नाम
21 सालों से एक ही स्थान पर
स्पे. महावशीकरण, मुठकरनी
लवमैरिज, मनचाहा प्यार, वशीकरण ग्रहक्लेश, जादू-टोना, शादी कारोबार रुकावट, रुठे मनाना, किया-कराया पति-पत्नी अनबन, सौतन-दुश्मन छुटकारा, कोर्ट कचहरी आदि
9988289240

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

टेक क्षेत्र बना नई पीढ़ी के छात्रों का पसंदीदा करियरः सर्वेक्षण

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

भारत में प्रौद्योगिकी उद्योग नई पीढ़ी के छात्रों का पसंदीदा क्षेत्र बनकर उभर रहा है और करीब 77 प्रतिशत युवा इस क्षेत्र के प्रति रुचि दिखा रहे हैं। सोमवार को एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया। सॉफ्टवेयर कंपनियों के संगठन नैसकॉम ने इनडीड के साथ संयुक्त रूप से तैयार इस रिपोर्ट में कहा है कि भारत में तकनीकी कार्यबल में 'मिलेनियल्स' और 'जेन जेड' वाली पीढ़ी का योगदान लगभग 90 प्रतिशत है। यह उच्च पीढ़ीगत विविधता को सक्षम बनाता है और प्राथमिकताओं को भी बदलता है। 'जेन जेड' का संबोधन 1990 के दशक के अंतिम और 2000 के दशक के अंतिम वर्षों में जन्म लेने वाली पीढ़ी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। वहीं 'मिलेनियल्स' की श्रेणी में 1980 के दशक के शुरुआती और 1990 के दशक के मध्य तक पैदा होने वाले युवा रखे जाते हैं।

बजट में कृषि-कर्ज लक्ष्य को बढ़ाकर 22-25 लाख करोड़ रुपये किये जाने की संभावना

नई दिल्ली। सरकार आगामी अंतरिम बजट में अगले वित्त वर्ष के लिए कृषि कर्ज लक्ष्य को 22-25 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने की घोषणा कर सकती है। साथ ही यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक पात्र किसान की संस्थागत ऋण तक पहुंच हो। सूत्रों ने यह जानकारी दी। चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार का कृषि-ऋण लक्ष्य 20 लाख करोड़ रुपये है। वर्तमान में, सरकार सभी वित्तीय संस्थानों के लिए तीन लाख रुपये तक के अल्पकालिक कृषि ऋण पर दो प्रतिशत की ब्याज छूट प्रदान करती है। इसका मतलब है कि किसानों को प्रति वर्ष सात प्रतिशत की रियायती दर पर तीन लाख रुपये तक का कृषि ऋण मिल रहा है। समय पर भुगतान करने वाले किसानों को प्रति वर्ष तीन प्रतिशत की अतिरिक्त ब्याज छूट भी प्रदान की जा रही है। किसान दीर्घकालिक ऋण भी ले सकते हैं लेकिन ब्याज दर बाजार दर के अनुसार होती है।

PUBLIC NOTICE

I, Swatantra Kumar S/o Sh. Ramachandra Verma R/o D 403, Bren Celestia Apartment, Sarjapur Road, Kaikondahalli, Bengaluru, Karnataka-560035 have purchased a property bearing unit no. B1/1905, of Eco Village-1, Gautam Buddha Nagar, I have lost the original allotment letter of the above said property, I have requested, to issue the duplicate allotment letter of the said property, if anybody or financial Institutions have objection, he/she may contact to M/s Suprtech Limited office Plot no-C-2, Sector 96, Noida 201303 UP, Within Fifteen Day.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआर.पी.सी. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मैसर्स एएलडी इंफ्राटेक प्राईवेट लिमिटेड ने अपने निदेशक,** निवासी प्लॉट नं. 59, दूसरा तल, सेक्टर–18 के सामने, पुलिस स्टेशन सेक्टर–18, गुड़गांव, हरियाणा के माध्यम से ने **प्रथम सूचना रिपार्ट सं. 18383/2019, धारा 138 एनआई एक्ट** के तहत थाना कंझावला, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मैसर्स एएलडी इंफ्राटेक प्राईवेट लिमिटेड** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मेसर्स एएलडी इंफ्राटेक प्राईवेट लिमिटेड** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपार्ट सं. 18383/2019, धारा 138 एनआई एक्ट** के तहत थाना कंझावला, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **मैसर्स एएलडी इंफ्राटेक प्राईवेट लिमिटेड** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे सम्क्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 21.02.2024 को या इससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
आयुष शर्मा
महानगर दंडाधिकारी (उत्तर–पश्चिम)
DP/873/RD/2024 कमरा नं. 113, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

कर संग्रह में उछाल से बजट में सामाजिक योजनाओं पर व्यय की गुंजाइश बरकरार

नई दिल्ली। आयकर और जीएसटी मासिक संग्रह बढ़ने से सरकार अंतरिम बजट में राजकोषीय सूझबूझ पर चलते हुए भी किसानों और सामाजिक योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित करने की स्थिति में रहेगी। सूत्रों ने यह अनुमान जताया है। सरकार आम चुनाव में जाने के पहले एक फरवरी को अपना अंतरिम बजट पेश करेगी। ऐसे में इस बजट में समाज के गरीब वर्गों, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में आय और कॉरपोरेट कर संग्रह में उछाल दिख रहा है। इससे कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह बजट अनुमान से लगभग एक लाख करोड़ रुपये अधिक रह सकता है। सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष करों से 18.23 लाख करोड़ रुपये जुटाने का बजट लक्ष्य रखा था। इस मद में 10 जनवरी, 2024 तक कर संग्रह 14.70 लाख करोड़ रुपये हो चुका था, जो बजट अनुमान का 81 प्रतिशत है। अभी वित्त वर्ष पूरा होने में लगभग ढाई महीने का वक्त बाकी है। वहीं जीएसटी के मोर्चे पर केंद्रीय जीएसटी राजस्व 8.1 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान से लगभग 10,000 करोड़ रुपये अधिक होने की उम्मीद है। हालांकि उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क संग्रह में करीब 49,000 करोड़ रुपये की कमी की आशंका है।

कार्यालय, नगरपालिका परिषद् रतनपुर, जिला- बिलासपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क./2125/न.पा./लो.नि./2024 रतनपुर दिनांक 19.01.2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेंडर. नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.लाख में)	Bid Due Date	Physical Documen Sub.
151911	खण्डोबा मंदिर होते हुये महामाया चौक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य	Rs. 199.55	12/02/24	13/02/24
151923	वार्ड क्र. 06 बुढमहादेव मंदिर होते हुये रामटेकरी मंदिर स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य		12/02/24	13/02/24
	वार्ड क्र. 15 मेनरोड होते हुये मुशेशाह दरगाह तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य	Rs. 30.17		
	वार्ड क्र. 03 से मेनरोड से होते हुये बैरागबन मंदिर तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य	Rs. 66.69		
	वार्ड क्र. मेनरोड से होते हुये महामाया मंदिर तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य			
	वार्ड क्र. 03 चपेरा से मेनरोड से महामाया मंदिर तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरग कार्य			
	वार्ड क्र. 07 मेनरोड होते हुये गिरजाबंद मंदिर तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य	Rs. 57.66		
	कुल योग	Rs. 154.52		

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

Green City, Clean City, Dream City.

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् रतनपुर

हरियाणा सरकार निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचन निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	एमआईसीएडी डिवीजन फतेहाबाद	फतेहाबाद डिस्टी. (यूजीबीएल) के आउटलेट आरडी 24170/आर पर वाटर कोर्स लाइनिंग की रिमॉडलिंग/पुनरोद्धार + 6 कार्य।	बंद होने की तिथि 01.02.2024	5.97 करोड़	https://etenders.hry.nic.in	9215041185 xenfatehabadcad1@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद विज्ञा. सं.-13/2024/40/24372/I/SS/7 दि. 22.01.24

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गनेश पुत्र गोपाल निवासी ए–112, गुप्ता कालोनी, प्रहलादपुर, शाहबाद डेयरी, दिल्ली** ने केस एफआईआर नं. **23962/2019 अन्तर्गत धारा 411/34 आईपीसी, थाना मोती नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गनेश** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गनेश** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस एफआईआर नं. **23962/2019 अन्तर्गत धारा 411/34 आईपीसी, थाना मोती नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **गनेश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.02.2024** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
शगुन
महानगरीय दण्डाधिकार–04 (पश्चिम)
कमरा नं. 268, द्वितीय तल
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली
DP/718/WD/2024 (Court Matter)

राशिफल

मेष: परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष: आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन: मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क: फिर भी व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह: व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या: संयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

तुला: पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु: मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर: मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे।

कुंभ: फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन: वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। परिवार का साथ मिलेगा।

शब्द पहेली - 5403

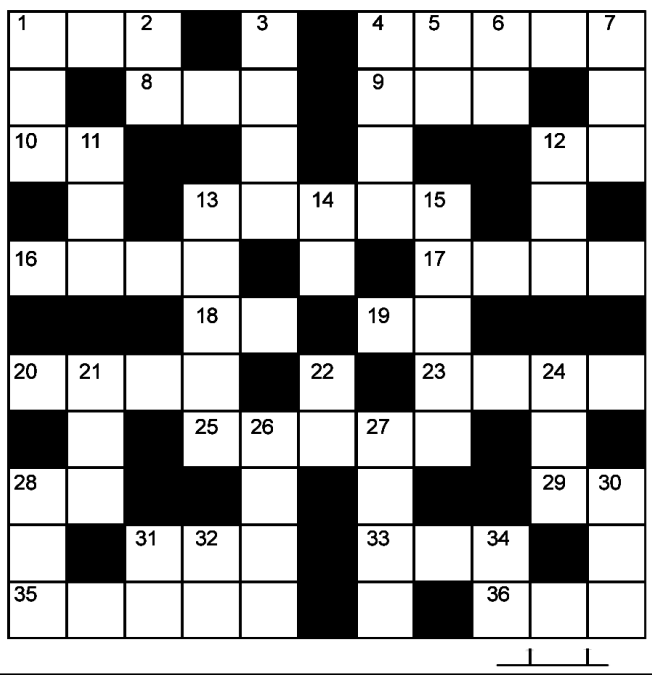

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास–3
4.पानी से सराबोर–5
8.अंधकार–3
9.आक्रमण–3
10.दम, सुट्टा–2
12.समय, वक्त–2
13.कहानी लेखक–5
16.अपराधी, गुंडा–4
17.आलोकित होना–4
18.उद्देश्य, मंजिल–2
19.छाती, सिलना–2
20.जागरण–4
23.सफल, उत्तीर्ण–4
25.पत्नी का नाना–2,3
28.मार्ग, रास्ता–2
29.जरा, थोड़ा–2
31.वैमनस्य–3
33.पाजेब–3
35.जरुरतमंद–3,2
36.गदर, क्रांति–3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह–3
2.वोट,राय–2
3.हथियार, गोला-बारूद–4
4.सनसनी, रोमांच–4
5.एक विदेशी शराब–2
6.आफत, मुसीबत–2
7.उपपत्नी–3
11.बलिदानी–3
12.कार्य करने वाला–3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना–2,3
14.पानी, जल–2
15.निर्माण करने वाला–5
21.प्रकार–3
22.उम्मीद, आशा–2
24.भिखारी–3
26.ख्यात,प्रसिद्ध–4
27.मदिरापान–4
28.मदद,आराम–3
30.इससे कच्ची शराब बनती है–3
31.उस समय–2
32.नागालैंड की एक जाति–2
34.अधर, होठ–2

शब्द पहेली- 5402 का हल

ना	म	क	मा	ना	■	स	म	झ	दा	र
म	■	र	ह	म	■	म	द	न	■	म
र	त	■	■	ची	■	झौ	■	■	वा	णी
ख	स	■	ना	न	ख	ता	ई	■	य	य
ना	ला	य	क	■	त्म	■	मा	त	ह	त
■	■	■	क	था	■	का	न	■	■	■
प	न	घ	ट	■	आ	■	दा	न	वी	र
व	र	■	ना	ना	स	सु	र	■	र	वि
न	म	■	■	म	■	चा	■	■	ता	न
सु	■	आ	स	व	■	ल	ह	र	■	य
त	ल	ब	गा	र	■	न	क	ब	ज	न

सूडोकु नवताल - 5413

★★★★★ कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5412 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तारीख को खिलाड़ियों ने कहा-ऐतिहासिक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

22 जनवरी का दिन रामभक्तों के लिए काफी ऐतिहासिक है। सोमवार ही के दिन अयोध्या में राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह हुआ। इस कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 12.20 बजे से हुई। मगर इससे पहले ही देशभर से रामभक्त अयोध्या पहुंच चुके थे। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर प्राण प्रतिष्ठा समारोह शामिल हुए। टीम इंडिया के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की तस्वीर वायरल हो रही है। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले भी पहले ही अयोध्या पहुंच गए थे। उनका भी लखनऊ पहुंचने का वीडियो पहले ही वायरल हो गया था। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद पहले से ही अयोध्या में थे। वेंकटेश प्रसाद वहां से तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर रहे हैं। प्रसाद का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। वेंकटेश वीडियो में कह रहे हैं, 'एक ही नारा एक ही नाम जय श्रीराम।'

बस राममय हूं

सहवाग ने एक्स पर लिखा, 'भावुक हूं, आनंदित हूं। मर्यादित हूं, शरणागत हूं। सन्तुष्ट हूं, निःशब्द हूं। बस राममय हूं। सियावर रामचंद्र जी की जय। राम लला आ गए। सभी जिन्होंने इसको सम्भव किया, बलिदान दिया, उनका कृतज्ञ। जय श्री राम।'

- वीरेन्द्र सहवाग

जय श्री राम

'खुशी के आंसू और दिल भक्ति और खुशी से भरे हुए। सियावर रामचन्द्र जी की जय। जय श्री राम।'

- वीवीएस लक्ष्मण

यह एक अद्भुत अवसर

'यह एक अद्भुत अवसर है, एक बहुत ही दिव्य अवसर। इसका हिस्सा बनकर धन्य हूं। यह ऐतिहासिक है। राम लला से आशीर्वाद लेने के लिए उत्सुक हूं।'

- अनिल कुंबले

राम मंदिर से शांति और आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ेगा

जोहानिसबर्ग। *दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की सराहना करते हुए उम्मीद जतायी कि यह पूरी मानवता के लिए शांति और सद्भाव लाएगा। महाराज जब क्रिकेट के मैदान पर उतरते हैं तब आम तौर पर स्टेडियम में 'राम सिया राम' की धुन बजने लगती है। इस 33 साल के वामहस्त स्पिनर ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह की सराहना करते हुए अपने सोशल मीडिया पेज पर एक वीडियो साझा किया।इस वीडियो संदेश में उन्होंने कहा, 'मैं महेश कुमार (जोहानिसबर्ग में भारत के महावाणिज्य दूत) और दक्षिण अफ्रीका में पूरे भारतीय समुदाय को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए शुभकामनाएं देना चाहता हूं। यह सभी के लिए शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक ज्ञान लाए।' केशव महाराज के परिवार का ताल्लुक मूल रूप से उत्तर प्रदेश ये है। उन्होंने हाल ही में एक साक्षात्कार में भगवान राम के प्रति अपनी भक्ति के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा कि इस धुन से वह सहज महसूस करते हैं।*

खबर संक्षेप

रोहित उदाहरण पेश करने वाले कप्तान

नई दिल्ली। भारत के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने रोहित शर्मा को 'जिम्मेदारी लेने वाला कप्तान' बताते हुए शुक्रवार को कहा कि वह इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में एक कप्तान और बल्लेबाज दोनों के रूप में अच्छा योगदान देंगे। जहीर ने 'जियो सिनेमा' पर कहा, 'हर कोई जानता है कि रोहित ने पूरी टीम पर कैसा प्रभाव डाला है।' जहीर ने कहा कि रोहित की कप्तानी की पहचान उनकी अच्छी तरह से संवाद करने की क्षमता है।

भारतीय डेविस कप टीम ने शुरू की तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय डेविस कप टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रास कोर्ट पर खेले जाने वाले आगामी डेविस कप मुकाबले के लिए यहां कड़ाके की ठंड में आयोजित शिविर में तैयारी शुरू कर दी है। इस तैयारी शिविर में टीम का ध्यान अभ्यास के साथ दूसरे एकल मुकाबले को खेलने वाले खिलाड़ी को तय करने पर होगा। रामकुमार रामनाथन टीम में एकमात्र एकल विशेषज्ञ खिलाड़ी हैं। कप्तान रोहित राजपाल को दूसरा एकल खेलने के लिए युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी में से किसी एक को चुनना होगा।

क्वालीफाई न कर पाना निराशाजनक

कराची। पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम ओमान में एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर के तीसरे स्थान के लिए खेले गए मैच में न्यूजीलैंड से 2-3 से हार कर पेरिस खेलों में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गई। अतीत में हॉकी की सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल रहे पाकिस्तान की इस हार को देश के पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों ने निराशाजनक करार दिया। इस ओलंपिक क्वालीफायर से शीर्ष तीन टीमों को ओलंपिक की टिकट मिली। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जर्मनी से 0-4 से हारने के बाद, पाकिस्तान रविवार को तीसरे स्थान के मैच में न्यूजीलैंड से हार गया।

एंडरसन की रन-अप में बदलाव की सराहना

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेरेन गॉफ ने जेम्स एंडरसन की खेल के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की प्रशंसा की है क्योंकि इस 41 वर्षीय तेज गेंदबाज ने भारत में पांच टेस्ट मैचों की कठिन श्रृंखला से पहले अपने रन-अप में बदलाव किया है। लगभग तीन दशकों में इंग्लैंड के लिए किसी विदेशी टेस्ट में खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने जा रहे एंडरसन ने एक साक्षात्कार में कहा था कि वह गति और लय हासिल करने के लिए बेहतर रन-अप के साथ आ रहे हैं।

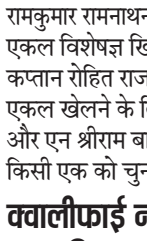

ऑस्ट्रेलियन ओपन : कूलहोफ और मेकटिक को 7-6 7-6 से हराया

बोपन्ना-एब्डेन की शानदार जीत क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶ मेलबर्न

भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने सोमवार को यहां नीदरलैंड के वेस्ली कूलहोफ और क्रोएशिया के निकोला मेकटिक की जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कूलहोफ और मेकटिक की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी के खिलाफ 7-6 7-6 से जीत दर्ज की। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने दोनों सेट में शुरुआत में ही सर्विस गंवाई लेकिन 14वीं वरीय जोड़ी के खिलाफ वापसी करते हुए जीत दर्ज की। बोपन्ना और एब्डेन क्वार्टर फाइनल में मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोलटेनी की अर्जेन्टीना की छठी वरीय जोड़ी से भिड़ेंगे।

प्री क्वार्टर फाइनल मैच का रोमांच

बोपन्ना की सर्विस ने शुरुआत में उन्हें निराश किया। पहले सेट के दूसरे गेम में उनकी सर्विस तोड़कर विरोधी जोड़ी ने 15 मिनट के भीतर 3-0 की बढ़त बना ली। हाल में डेविस कप से संन्यास लेने वाले बोपन्ना ने हालांकि कुछ शानदार बैकहैंड के साथ वापसी करते हुए अंक जुटाए। पहले सेट के सातवें गेम में कूलहोफ और मेकटिक की जोड़ी ने कुछ सहज गलतियां की और भारत-ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी को वापसी का मौका दिया। बोपन्ना ने इसके बाद नेट पर शानदार खेल दिखाया और ढेरो अंक बटोरे। दूसरे सेट की शुरुआत में भी बोपन्ना ने सर्विस गंवाई जिससे नीदरलैंड-क्रोएशिया की जोड़ी 4-2 से आगे हो गई। आठवें गेम में बोपन्ना और एब्डेन ने एक बार फिर विरोधी जोड़ी की सर्विस तोड़कर वापसी की। टाईब्रेकर में बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी ने 3-0 की बढ़त बनाई और फिर सेट और मैच जीत लिया।

मेदवेदेव ने दर्ज की जीत

दानिल मेदवेदेव ने सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मेदवेदेव ने सोमवार को नुनो बोर्गेस को 6-3 7-6 5-7 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

डायना की धमाकेदार जीत

डायना यास्त्रेमस्का और लिंडा नोसकोवा भी पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के महिला एकल के अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहे। यास्त्रेमस्का ने महिला एकल में दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को सीधे सेट में 7-6 6-4 से हराया जबकि 18वें नंबर की एलिना स्वितोलिना जब नोसकोवा से 0-3 से पीछे चल रहीं थी तो उन्होंने पीठ की चोट के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया।

दीपक और निशांत भारतीय मुक्केबाजी टीम में शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया और निशांत देव को भारत की नौ सदस्यीय मुक्केबाजी टीम में जगह मिली है। दोनों 29 फरवरी से 12 मार्च तक इटली के बुस्तो अरसिजियो में होने वाले पहले क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के साथ पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे।

छह बार के एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा) और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया (60 किग्रा) को भी भारतीय मुक्केबाजी महासंघ द्वारा सोमवार को घोषित भारतीय टीम में जगह मिली है। दीपक (51 किग्रा) ने बीएफआई की मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल को पछाड़कर टीम में जगह बनाई। दीपक और निशांत (71 किग्रा) के अलावा 2022 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) की टीम में वापसी हुई है। युवा महिला विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो (66 किग्रा), गत राष्ट्रीय चैंपियन लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), संजीत कुमार (92 किग्रा), हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा से अधिक) को भी टीम में जगह दी गई है।

भारतीय टीम

महिला: जैस्मिन लंबोरिया (60 किग्रा), अंकुशिता बोरो (66 किग्रा)। **पुरुष:** दीपक भोरिया (51 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा), शिव थापा (63.5 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), संजीत (92 किग्रा) और नरेंद्र (92 किग्रा से अधिक)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के पूल बी में शामिल

एजेंसी ▶▶ लुसाने

एशियाई खेलों के चैंपियन और टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता भारत को इस साल के पेरिस ओलंपिक खेलों में पुरुष हॉकी प्रतियोगिता में कठिन पूल बी में रखा गया है।

आठ बार के चैंपियन भारत ने टोक्यो में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक में 41 साल के पदक के सूखे को खत्म किया था। भारत के साथ पूल बी में ओलंपिक चैंपियन और विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज बेल्जियम, बेहद मजबूत ऑस्ट्रेलिया, रियो खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड की टीमें हैं। भारत वर्तमान में बेल्जियम और नीदरलैंड के बाद विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है। टीम के लिए टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना को हराना मुश्किल साबित होगा। इस बीच, पूल ए में नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने रविवार को एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर के पूरा होने के बाद पुरुष और महिला हॉकी प्रतियोगिता के पूल की घोषणा की। पेरिस में भारतीय महिला टीम का प्रतिनिधित्व नहीं होगा।

सूर्यकुमार सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के कप्तान

दुबई। मध्यक्रम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान चुना गया है। इसमें सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, स्पिनर रवि बिश्नोई और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के रूप में तीन और भारतीयों को जगह मिली है। आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम में 11 बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिन्होंने साल भर में अपने बल्ले, गेंद या ऑलराउंड प्रदर्शन से प्रभावित किया हो। सूर्यकुमार को लगातार दूसरे साल टीम में जगह मिली है।

टीम : *सूर्यकुमार यादव (कप्तान, भारत), फिल सॉल्ट (इंग्लैंड), यशस्वी जायसवाल (भारत), निकोलस पूरण (वेस्टइंडीज, विकेटकीपर), मार्क चैपमैन (न्यूजीलैंड), रवि बिश्नोई (भारत), अर्शदीप सिंह (भारत), सिकंदर रजा (जिंबाब्वे), अल्पेश रामजानी (युगांडा), मार्क एडेयर (आयरलैंड) और रिचर्ड नगारवा (जिंबाब्वे) को भी टीम में जगह मिली है।*

इंडोनेशियन मास्टर्स : युगल जोड़ी ने दिया काम के बोझ का हवाला

सात्विक-चिराग हटे, भारत की अगुवाई करेंगे प्रणय

एजेंसी ▶▶ जकार्ता

स्टार एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय मंगलवार से यहां शुरू हो रहे इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे क्योंकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की दूसरे नंबर की पुरुष युगल जोड़ी टूर्नामेंट से हट गई है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए काम के बोझ को कम करने के लिए टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया।

भारतीय जोड़ी के हटने से टूर्नामेंट की चमक कुछ कम होगी लेकिन दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। पुरुष एकल में 32 खिलाड़ियों में

ड्रॉ में सातवीं वरीयता के साथ प्रणय एकमात्र वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी हैं। वह अपने अभियान की शुरुआत सिंगापुर के लोह कीन यीयु के खिलाफ करेंगे जिनके खिलाफ उनकी जीत-हार का रिकॉर्ड 4-1 है। महिला युगल और मिश्रित युगल में भारत की कोई जोड़ी नहीं उतरेगी।

भारत का इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से शुरु होगी टेस्ट मैचों की श्रृंखला

कोहली निजी कारणों से शुरुआती दो टेस्ट से हटे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैच से हट गए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को यह जानकारी दी। बीसीसीआई ने साथ ही प्रशंसकों और मीडिया से अपील की कि वे इस स्टार क्रिकेटर के ब्रेक लेने के कारणों पर अटकलें लगाना बंद करें। पांच मैच की श्रृंखला हैदराबाद में 25 जनवरी से शुरू होगी।

बीसीसीआई जल्द ही उनके विकल्प की घोषणा करेगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बयान में कहा, 'विराट कोहली ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड से निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला के शुरुआती दो टेस्ट से उन्हें हटाने का आग्रह किया है। विराट ने कप्तान रोहित शर्मा, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से बात की है और जोर देते हुए कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा उनकी शीर्ष प्राथमिकता है लेकिन कुछ निजी स्थितियों में उनकी मौजूदगी की जरूरत है।बीसीसीआई उनके फैसले का सम्मान करता है और बोर्ड तथा टीम प्रबंधन ने स्टार बल्लेबाज को अपना समर्थन दिया है और टेस्ट श्रृंखला में सराहनीय प्रदर्शन करने के लिए टीम के बाकी सदस्यों की क्षमताओं पर भरोसा है।' उन्होंने सभी से अपील की कि वे कोहली की निजता का सम्मान करें।

पहले भी ले चुके ब्रेक

इससे पहले भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान उन्होंने निजी कारणों से संक्षिप्त ब्रेक लिया था जहां वह आपस में दो टीम बनाकर खेले गए मैच में नहीं खेले थे और दक्षिण अफ्रीका पहुंचने के कुछ दिन के भीतर लंदन गए थे। कोहली ने इससे पहले चोट के अलावा ब्रेक 2021 में पितृत्व अवकाश के रूप में लिया था जब उनकी बेटी वमिका का जन्म हुआ था। माना जा रहा है कि भारत 'ए' टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने वाले मध्य प्रदेश के रजत पाटीदार और मुंबई के सरफराज खान कोहली की जगह लेने के प्रबल दावेदार हैं।

खेलो इंडिया: हरियाणा ने कबड्डी में सूपड़ा साफ किया

महाराष्ट्र के स्वर्ण पदकों की संख्या 5 तक पहुंची

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

गत चैंपियन महाराष्ट्र और पिछले सत्र के उपविजेता हरियाणा ने सोमवार को यहां खेलो इंडिया युवा खेलों में सोमवार को पांच और चार स्वर्ण पदक जीतने के साथ तालिका में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की। मेजबान तमिलनाडु ने छह स्वर्ण के साथ पदक तालिका में अपना दबदबा कायम रखा। उसने साइक्लिंग वेलोड्रोम में दो स्वर्ण पदक जीते। महाराष्ट्र ने जिम्नास्टिक और योगासन में दो-दो स्वर्ण और तलवारबाजी में एक स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा ने जूडो और तलवारबाजी में एक-एक स्वर्ण पदक जीतने के अलावा, कबड्डी स्वर्ण में सूपड़ा साफ किया। जुडोका मेहेरुदक मकवाना (52 किग्रा) और शाहीन दरजादा (57 किग्रा) ने रविवार को जीते गए स्वर्ण पदक में दो और स्वर्ण जोड़े जिसके बाद गुजरात तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गया। तेलंगाना ने जिमनास्टिक और साइकिलिंग में एक-एक स्वर्ण पदक हासिल किया। जिमनास्ट आर्यन दावंडे ने कलात्मक ऑल-राउंड प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन से महाराष्ट्र के लिए स्वर्ण पदक की शुरुआत की, जबकि संयुक्ता काले ने लड़कियों की लयबद्ध ऑल-राउंड प्रतियोगिता में कुल 102.75 अंक हासिल कर खिताब जीता।

Divisa
आँखों को दीजिए कुदरती आई मंत्रा
Helps In :
• Eye Strain • Eye Dryness
• Eye Tiredness • Eye Freshness
• Eye Cleanliness
100% Ayurvedic
Clinically Tested*
*For efficacy and safety.
असर पहले दिन से
Dr. Juneja's EYE Mantra EYE Drop 100% Ayurvedic Eye Relief Drops Net Qty: 10ml
Dr. Juneja's EYE Mantra®
12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।
प्रयोग विधि: 2 से 3 ड्रॉप्स दिन में तीन बार या चिकित्सकीय परामर्शानुसार इस्तेमाल करें।
24x7 Helpline: 8196822222 • www.eyemantra.com

राम रंग में रंगी दुनिया

एजेंसी,न्यूयॉर्क। अयोध्या में सोमवार को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में जश्न का माहौल है। अमेरिका से लेकर मॉरीशस और त्रिनिडाड और टोबैगो जैसे देशों में राममक्तों का उत्साह बना हुआ है। अमेरिका के न्यूयॉर्क से लेकर वॉशिंगटन और लॉस एंजेलिस तक लोग आस्था में डूबे नजर आए। न्यूयॉर्क के लोकप्रिय टाइम्स स्क्वायर पर प्रार्थनासभा के साथ कार रैली निकाली गई और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मेक्सिको के 'क्वेरेटारो में पहला राम मंदिर'

मेक्सिको। मैक्सिको के शहर क्वेरेटारो में बने नए राम मंदिर में भारत से मूर्तियां पहुंची। जहां अमेरिकी भारतीय पुजारियों में विधि विधान के साथ प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम किया। जहां प्रवासी भारतीयों द्वारा भजन, कीर्तन, शास्त्रीय संगीत का आयोजन किया गया। भारतीय दूतावास ने पोस्ट साझा करते हुए कहा कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर क्वेरेटारो शहर को पहला भगवान राम मंदिर मिला।

मॉरिशस में कार रैली

टाइम स्क्वायर से एफिल टावर तक जश्न

अमेरिका से मॉरिशस तक रामभक्ति

कहीं कार रैली, कहीं रामलला उत्सव की धूम

फिजी में उत्सव, ऑस्ट्रेलिया में कार रैली

फिजी की राजधानी सुवा में इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस ने भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। ऑस्ट्रेलिया में भी अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कई सार्वजनिक कार्यक्रम किए गए। इस मौके पर ऑस्ट्रेलिया के सैकड़ों मंदिरों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राममय हुआ अमेरिका

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग देखने के लिए भारतीय समुदाय के हजारों नागरिक उमड़े। इस दौरान टाइम्स स्क्वायर श्रीराम और राम मंदिर की 3डी तस्वीरों से सरोबार हो गया। यहां पारंपरिक पोशाक में लोगों को भजन गाते और नाचते देखा जा सकता है। वहीं, वॉशिंगटन डीसी के वर्जीनिया की फेयरफैक्स काउंटी में एसवी लोटस मंदिर पर भी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान कार्यक्रम में सिख, मुस्लिम और पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी नागरिकों सहित 2500 से अधिक लोग शामिल हुए। इस मौके पर लॉस एंजेलिस में कार रैली का आयोजन किया। लगभग 250 काफिले की इस रैली में 1000 लोगो ने हिस्सा लिया।

मॉरिशस, त्रिनिडाड एंड टोबैगो में जश्न

त्रिनिदाद और टोबैगो में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोगों ने एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान 5000 से अधिक लोग शरीक हुए। इसी तरह, मॉरिशस सरकार में सरकारी कर्मचारियों के लिए दो घंटे की विशेष छुट्टी का ऐलान किया था। इस दौरान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मॉरिशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार ने कहा कि यह खुशी का मौका है कि श्रीराम अयोध्या आए हैं।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक 1 लाख कार्यक्रम

अयोध्या के राम मंदिर में संपन्न हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान देशभर में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। केवल व्यापारिक संगठनों की बात करें, तो विभिन्न प्रदेशों में लगभग 50 हजार जगहों पर सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ हुआ है। कैट के अनुसार देश के विभिन्न शहरों की मार्केट में 30 हजार से अधिक स्थानों पर भंडारे लगाए गए हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक राम को लेकर करीब 40 हजार कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस तरह देशभर में आयोजित सभी कार्यक्रमों को मिलाकर वह आंकड़ा, एक लाख की संख्या को पार कर गया है।

पेरिसः एफिल टॉवर पर धूम

जनकपुर में अयोध्या जैसा जश्न

जनकपुर में झूमे लोग

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर नेपाल स्थित माता सीता की नगरी जनकपुर में अयोध्या जैसा भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है।

माता सीता की नगरी जनकपुर में राम भक्त बड़े ही उत्साह के साथ झूम रहे हैं। लोग सड़क पर आकर जनकपुर महल के सामने खुशी से नृत्य करने लगे। वहीं इस दौरान लोगों ने शोभायात्रा निकालकर अपने उत्साह को प्रकट किया।

जोड़ों के दर्द के लिए नए-नए प्रयोग छोड़ो सबसे विश्वनीय डा. ऑर्थो तेल से नाता जोड़ो
Dr. Juneja's डा.ऑर्थो®
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment
क्या आप जानते हैं? बेहतर परिणाम के लिए डा. ऑर्थो तेल को जानू बस्ती थेरेपी में इस्तेमाल करने का तरीका

जानू बस्ती थेरेपी क्या है

वैसे तो घुटनों में दर्द के उपचार के लिए अनेकों प्रकार की दवाइयां, थेरेपी एवं सर्जरी के विकल्प मौजूद हैं, लेकिन इन्हीं में से एक है जानू बस्ती थेरेपी, जोकि ख़ासतौर पर घुटनों में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने में सहायता करती है।

जानू बस्ती थेरेपी कैसे करनी चाहिये

इस थेरेपी को करने के लिए रोगी को सीधा लेटाया जाता है। फिर बेसन या चने के आटे को पर्याप्त मात्रा में पानी के साथ गूँथ लें, घुटनों के चारों ओर गुंथे हुए आटे की मोटी दीवार बनाएं। इसके बाद डा. ऑर्थो आयुर्वेदिक तेल को अच्छी मात्रा में इसमें भरें। रोगी स्थिर रहें एवं 15 से 20 मिनट तक डा. ऑर्थो तेल ऐसे ही भरा रहने दें। बेहतर परिणाम के लिए इस तेल को दोबारा प्रयोग में न लाएं एवं नए तेल का प्रयोग करें।

जानू बस्ती थेरेपी कैसे काम करती है

आयुर्वेद में तेल को वात दोष शांत करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण घटक माना जाता है। यह वात दोष के कारण पैदा होने वाली जोड़ों की तकलीफों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस पद्धति में डा. ऑर्थो आयुर्वेदिक तेल को अच्छी मात्रा में घुटनों पर स्थिर रखा जाता है और इस तुलना में यह घुटनों के ऊतकों में प्रवेश कर गतिशीलता बढ़ाने में सहायता करता है। बार-बार ऐसा करने पर जोड़ों के ऊतकों को बल मिलता है। यह प्रक्रिया हर सप्ताह एक से दो बार की जा सकती है।

24x7 Helpline: 78769 77777 | www.drorthooil.com
Available at all medical & general stores

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109